नई दिल्ली । रविवार, 17 मई, 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष प्रतिपदा, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :131 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक विश्व केसरी

सिर्फ पत्रकारिता...

नई दिल्ली संस्करण

vishwakesari.com

@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari_news

आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल नेशनल डबल्स स्क्वैश चैंपियनशिप : वेलवन सेंथिलकुमार... @ साहित्य केसरी तीसरा कमरा... @ व्यापार इस हफ्ते सेंसेक्स और निफ्टी में आई 2 प्रतिशत...

'ऑपरेशन सिंदूर' 88 घंटे में बदली युद्ध की परिभाषा : सीडीएस

ऑपरेशन में साइबर और अंतरिक्ष क्षमताओं का भी प्रभावी उपयोग किया गया

एजेंसी ■ नई दिल्ली

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने शनिवार को दिल्ली में आयोजित 'सेना से संवाद' कार्यक्रम को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में उन्होंने सशस्त्र बलों के जज्बे, बलिदान, नागरिकों और युवाओं के साथ उनके गहरे जुड़ाव पर विस्तार से प्रकाश डाला। सीडीएस ने हालिया 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर महत्वपूर्ण खुलासे किए।

जनरल अनिल चौहान ने कहा, 'मैं सिर्फ फौजी नजरिए से बात करूंगा। ऑपरेशन सिंदूर अलग है। यह अभी जारी है, इसलिए मैं कह रहा हूं कि यह पहले लड़े सभी संघर्षों से अलग है। पहली बार यह एक मल्टी-डोमेन ऑपरेशन था। हमने तीनों डोमेन (स्थल, जल और वायु) में समन्वित तरीके से काम किया। यह ज्यादातर नॉन-कॉन्टैक्ट लड़ाई थी, जबकि अतीत में लगभग सभी लड़ाइयों में सीधा संपर्क होता था।'

उन्होंने बताया कि इस ऑपरेशन में साइबर और अंतरिक्ष क्षमताओं का भी प्रभावी उपयोग किया गया। उन्होंने कहा, '88 घंटे चले इस ऑपरेशन में न सिर्फ तीनों सेनाओं के बीच, बल्कि सरकार के अन्य अंगों और विभिन्न एजेंसियों के साथ भी अभूतपूर्व तालमेल देखने को मिला।' सीडीएस ने जीत के पारंपरिक पैमानों के बारे में बताते हुए कहा, 'पहले जीत इस बात से मापी जाती थी कि कितना इलाका कब्जाया गया, कितने युद्धबंदी बनाए गए या कितना सामान नष्ट किया गया, लेकिन अब 300-400 किलोमीटर दूर से सटीक हमला किया जा सकता है। यह पहले कभी नहीं हुआ था। इसलिए यह ऑपरेशन पूरी तरह से अलग था।'

जनरल अनिल चौहान ने अपनी सिविलियन पृष्ठभूमि का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया, 'मैं सिविलियन बैकग्राउंड से आता हूं। पिछली 2-3 पीढ़ियों में मेरे परिवार से कोई सशस्त्र बलों में नहीं रहा। मेरी सिर्फ एक बेटी है, जो आर्किटेक्ट है और उसकी शादी भी एक आर्किटेक्ट से हुई है। इसलिए आगे परिवार से कोई ऑफिसर रैंक में नहीं होगा, जब तक उनके बच्चे खुद फैसला न करें।'

उन्होंने अपने फील्ड अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि उन्होंने मणिपुर के सेनापति जिले में ब्रिगेड की कमान संभाली थी। इसके अलावा बारामूला में ब्रिगेड की जिम्मेदारी भी उनके पास रही। दोनों जगहें उग्रवाद प्रभावित रही हैं। उन्होंने कहा, '15-20 साल बाद भी सेनापतिऔर बारामूला के लोग मुझे याद करते हैं और संपर्क करते हैं। यह लोगों पर केंद्रित संघर्ष है, जहां मानवीय भूगोल बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सीडीएस बनने के बाद मैं बारामूला गया, लेकिन सेनापति नहीं जा पाया। वहां जाना यह मेरी दिली इच्छा है।'

जनरल चौहान ने दो गांवों (नेलांग और जादुंग) को फिर से बसाने में अपनी भूमिका का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इन गांवों को पुनर्वासित करने में सफलता मिलना उनके लिए बेहद संतोषजनक रहा। इसके अलावा उन्होंने तवांग में मेजर बॉब खाथिंग के नाम पर संग्रहालय स्थापित करने में अपनी भूमिका बताई। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल बी.डी. मिश्रा और मुख्यमंत्री पेमा खांडू के सहयोग से यह संग्रहालय तैयार हुआ।

11वीं सदी के चोल ताम्रपत्र भारत लाए जाएंगे : मोदी

एजेंसी ■ एम्स्टर्डम

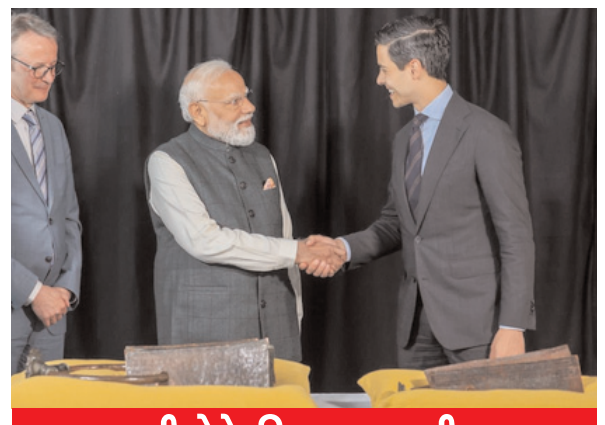

हर भारतीय के लिए यह खुशी का पल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को घोषणा की कि 11वीं सदी के चोल ताम्रपत्र जल्द ही नीदरलैंड से भारत वापस लाए जाएंगे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा, 'हर भारतीय के लिए यह एक खुशी का पल है। 11वीं सदी के चोल ताम्रपत्र नीदरलैंड से भारत वापस लाए जाएंगे। प्रधानमंत्री रॉब जेटेन की उपस्थिति में मैंने इस समारोह में हिस्सा लिया।

उन्होंने कहा, 'चोल ताम्रपत्र 21 बड़ी और 3 छोटी पट्टियों का एक समूह हैं, जिन पर मुख्य रूप से तमिल भाषा में लेख अंकित हैं, जो दुनिया की सबसे सुंदर भाषाओं में से एक है। ये ताम्र-पत्र महान राजेंद्र चोल प्रथम द्वारा अपने पिता राजाराजा प्रथम के एक मौखिक वचन को औपचारिक रूप देने से संबंधित हैं। ये चोलों की महानता को भी दर्शाते हैं। हम भारतीय चोलों, उनकी संस्कृति और उनकी समुद्री शक्ति पर अत्यंत गर्व करते हैं।

पीएम मोदी ने नीदरलैंड सरकार और विशेष रूप से लीडेन यूनिवर्सिटी को धन्यवाद दिया, जहां 19वीं सदी के मध्य से ये तांबे की प्लेटें रखी हुई थीं। इससे पहले शनिवार को पीएम मोदी ने कहा कि उन्होंने हेग में रॉयल पैलेस 'हुइस टेन बॉश' में नीदरलैंड के राजा विलेम-अलेक्जेंडर और रानी मैक्सिमा के साथ अपनी मुलाकात के दौरान अहम क्षेत्रों में भारत-नीदरलैंड दोस्ती को और मजबूत करने पर अपने विचार साझा किए।

मुलाकात के बाद पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट में लिखा, 'शाही महल में महामहिम राजा विलेम-अलेक्जेंडर और महारानी मैक्सिमा से मुलाकात हुई। टेक्नोलॉजी, इनोवेशन, सस्टेनेबल ग्रोथ, व्यापार और जल संसाधनों जैसे अहम क्षेत्रों में भारत-नीदरलैंड्स की दोस्ती को और मजबूत करने पर विचारों का आदान-प्रदान करना बहुत शानदार रहा।' उन्होंने कहा, 'भारत और नीदरलैंड्स साझा हितों और एक ऐसे भविष्य के लिए तैयार दुनिया बनाने के साझा विश्वास से जुड़े हुए हैं।'

प्रधानमंत्री मोदी की देश की मौजूदा यात्रा का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा करना है और इसी दिशा में एक रणनीतिक साझेदारी पर हस्ताक्षर करना है। प्रधानमंत्री की नीदरलैंड्स की यह दूसरी यात्रा है। यह द्विपक्षीय संबंधों के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर हो रही है।

शिक्षा मंत्री प्रधान को हटाया जाए : राहुल गांधी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

राहुल गांधी ने हृश्वश्वज्ञ पेपर लीक मामले में सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की तत्काल बर्खास्तगी की मांग की है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस का भारत की शिक्षा प्रणाली में धन कमाने का एक गठजोड़ है, जिसने इस व्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित किया है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने शनिवार को नीट यूजी परीक्षा के पेपर लीक होने के बाद रद्द किए जाने पर सरकार की कड़ी आलोचना की और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तत्काल बर्खास्त करने की मांग की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर इस मुद्दे पर चुप्पी साधने का भी आरोप लगाया। गांधी ने कहा कि परीक्षा लीक में शामिल लोगों को तुरंत जेल भेजा जाना चाहिए। कांग्रेस सांसद ने माइक्रो-ब्लॉगिंग वेबसाइट ङ्क (पहले ट्विटर) पर एक वीडियो संदेश में कहा कि पूरा देश जानता है कि नीट का पेपर परीक्षा से ठीक दो दिन पहले वाट्सप पर लीक हो गया था... सच्चाई यह है कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भारत की नींव को ही चोट पहुंचाई है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने आगे आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी और उसके वैचारिक मार्गदर्शक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बीच भारत की शिक्षा प्रणाली और विश्वविद्यालयों के माध्यम से धन कमाने का गठजोड़ है। गांधी ने कहा कि विश्वविद्यालयों में आरएसएस, भाजपा और उनसे संबद्ध लोगों का धन कमाने का एक गठजोड़ है। उन्होंने भारत की पूरी शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। यही कारण है कि देश में कम से कम 80 बार शोधपत्र लीक हुए हैं।

भारत में सूखा-भीषण गर्मी पड़ने की आशंका

सुपर अल नीनो मई-जुलाई से सर्दियों तक जारी रहने के आसार

एजेंसी ■ नई दिल्ली

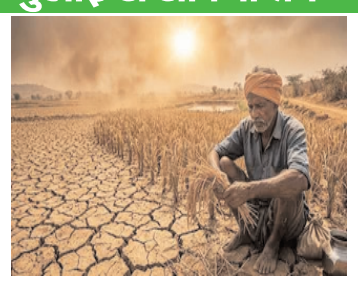

भारत में इस साल सामान्य से कम बारिश के अनुमान के बीच सुपर अल-नीनो भी एक्टिव हो सकता है। अमेरिकी मौसम एजेंसी 'नेशनल ओशेनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन' (नोआ) के अनुसार यह मई-जुलाई के दौरान ही दस्तक दे सकता है।

नोआ ने बताया कि प्रशांत महासागर का तापमान इस बार मई में सामान्य से 0.5 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। यह गर्मी की स्थिति इस बार पूरे मानसून सीजन के दौरान बनी रह सकती है। पिछले महीने जारी अनुमान में यह संभावना 61% थी, जो अब बढ़कर 82% हो गई है।

भारतीय मौसम विभाग के चीफ मृत्युंजय महापात्र ने बताया कि इसका सीधा असर मानसून की बारिश पर पड़ेगा। इससे देश में सूखे का खतरा और ज्यादा बढ़ जाएगा।

अल-नीनो क्या होता है

अल नीनो के कारण समुद्र का पानी असमान्य रूप से गर्म हो जाता है, जिसके साथ हवा के पैटर्न में भी बदलाव आता है। इसके असर से दुनियाभर में बारिश का चक्र बिगड़ जाता है। कहीं भयंकर सूखा तो कहीं मूसलाधार बारिश और बाढ़ आती है।

सीधे शब्दों में कहें तो जब अल-नीनो एक्टिव होगा, तब प्रशांत महासागर से भारत की तरफ आने वाली मानसूनी हवाओं को रोक देगा। इससे बारिश पर असर पड़ेगा।

अल-नीनो की संभावना 82% बढ़ी, दुनिया पर असर

नोआ के नए अपडेट के मुताबिक इस साल मई से जुलाई के दौरान सुपर अल नीनो डेवलप होने की 82% संभावना है। इसके सर्दियों (दिसंबर 2026 से फरवरी 2027) तक जारी रहने की 96% आशंका है। जबकि, इसके 'स्ट्रॉन्ग' या 'वेरी स्ट्रॉन्ग' रहने की करीब 67% आशंका है। इससे, कमजोर मानसून, सूखे और हीटवेव की आशंका अब ज्यादा हो गई है। भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया में बारिश कम होती है। भीषण गर्मी पड़ती है। इंडोनेशिया, उत्तरी ऑस्ट्रेलिया में नमी खत्म होने से सूखा पड़ता है और जंगलों में आग का खतरा बढ़ जाता है। मध्य प्रशांत क्षेत्र में समुद्र का तापमान बढ़ने से भारी बारिश और चक्रवात की स्थिति बनती है।

भारत के कौन से इलाके सबसे ज्यादा जोखिम में

उत्तर, पश्चिम और मध्य भारत के हिस्सों में सूखे जैसी स्थिति बनने का सबसे ज्यादा खतरा है, जिससे लंबे सूखे और कृषि नुकसान की आशंका बढ़ सकती है। पंजाब, हरियाणा और राजस्थान अगस्त-सितंबर के दौरान सबसे संवेदनशील राज्यों में माने जा रहे हैं। वहीं मध्य और पश्चिम भारत में जहां अच्छी बारिश होती है वहां भी सामान्य से कम बारिश की संभावना है। मध्य प्रदेश में इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, चंबल, जबलपुर, रीवा, शहडोल, सागर और नर्मदापुरम संभागों में सामान्य से कम बारिश होने का अनुमान है।

हालांकि लद्दाख, राजस्थान के कुछ हिस्से, तेलंगाना, साथ ही उत्तर भारत के कुछ हिस्से में इसका असर कम होगा।

ज्यादा बारिश के बावजूद दुनिया सूख रही

दुनिया में कुल मिलाकर बारिश बढ़ रही है, इसके बावजूद जमीन और इकोसिस्टम ज्यादा सूखे हो रहे हैं। नेचर में प्रकाशित एक नई स्टडी के मुताबिक, अब बारिश सालभर में बराबर बंटने के बजाय बड़े और ज्यादा तेज तूफानी दौर में हो रही है। इनके बीच लंबे ड्राई स्पेल आ रहे हैं।

नतीजा यह कि एकसाथ बहुत ज्यादा पानी गिरने से मिट्टी उसे ज्यादा सोख नहीं पाती। पानी सतह पर जमा होता है और जल्दी भाप बनकर उड़ जाता है।

अब बंगाल में भी लागू होगा यूपी मॉडल

तोड़फोड़ करने वाले उपद्रवियों से होगी वसूली : सीएम सुवेंदु

एजेंसी ■ कोलकाता

मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालने के बाद सुवेंदु अधिकारी ने अपने पहले आधिकारिक जिला दौरे के दौरान उपद्रवियों आहैर पुलिस प्रशासन को बेहद कड़ा और स्पष्ट संदेश दिया है।

शनिवार को दक्षिण 24 परगना के डायमंड हार्बर पहुंचे मुख्यमंत्री ने राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सिद्धिनाथ गुप्ता और मुख्य सचिव मनोज कुमार अग्रवाल की मौजूदगी में पुलिस बल के सभी स्तरों अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण वर्चुअल बैठक की।

उपद्रवी ही करेंगे नुकसान की भरपाई

मुख्यमंत्री ने दोटूक लहजे में कहा कि पुलिस पर हमले की कोई भी घटना अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचने पर तोड़फोड़ करने वाले उपद्रवियों (आरोपितों) से ही नुकसान की वसूली की जाएगी।

सुवेंदु ने हालिया आमडंगा और आसनसोल की घटनाओं का हवाला देते हुए चेतावनी दी कि अगर पुलिस निष्क्रिय रही, तो वे खुद थाने में बैठकर काम कराएंगे। पुलिस मार खाए, यह बात मेरे कान में नहीं आनी चाहिए।

इसके अलावा, उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के वादों के मुताबिक महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर अनुमंडल (सब-डिवीजन) में महिला थाना और थानों में हेल्प डेस्क स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने गौ-तस्करी पर पूर्ण रोक, धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर के नियमों का पालन और थानों के डिजिटलाइजेशन पर जोर दिया। साथ ही, पुलिस को उन्होंने राजनीतिक हिंसा के पुराने लंबित मामलों की फाइलों को दोबारा खोलकर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

नीट यूजी : मास्टरमाइंड समेत दो आरोपियों को 10 दिन की सीबीआई कस्टडी

साजिश के पूरे तंत्र का खुलासा होने की संभावना

एजेंसी ■ नई दिल्ली

नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मास्टरमाइंड समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। जांच एजेंसी ने शनिवार को दोनों को अदालत में पेश किया, जहां कोर्ट ने मास्टरमाइंड समेत दोनों आरोपियों को 10 दिन की सीबीआई कस्टडी में भेज दिया। सीबीआई के विशेष न्यायाधीश अजय गुप्ता की अदालत ने यह आदेश दिया।

जानकारी के अनुसार, केमिस्ट्री के शिक्षक पीवी कुलकर्णी को नीट पेपर लीक कांड का मास्टरमाइंड माना जा रहा है। सीबीआई ने उसे और उसकी सहयोगी मनीषा वाघमारे को पुणे से गिरफ्तार किया था। जांच एजेंसी का कहना है कि दोनों आरोपियों से पूछताछ के दौरान पेपर लीक नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और साजिश के पूरे तंत्र का खुलासा होने की संभावना है।

सुनवाई के दौरान सीबीआई ने कोर्ट को बताया कि मनीषा वाघमारे, धनंजय लोखंडे, पीवी कुलकर्णी और मनीषा मांधरे एक-दूसरे के संपर्क में थे। सभी इस पेपर लीक साजिश में शामिल थे। केंद्रीय जांच एजेंसी ने आरोपियों की कस्टडी मांगते हुए कहा कि जांच के सिलसिले में आरोपियों को देश के अन्य हिस्सों में ले जाना है, इसलिए लंबी कस्टडी की जरूरत है।

मनीषा वाघमारे की ओर से पेश वकील ने सीबीआई की कस्टडी मांग का विरोध करते हुए कहा कि उनकी मुवक्किल को अवैध तरीके से हिरासत में रखा गया। उन्होंने दावा किया कि पुणे पुलिस ने मनीषा को 24 घंटे से अधिक समय तक अपनी कस्टडी में रखा, साथ ही यह भी कहा कि मनीषा के खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं है और केवल कथित डिस्क्लोजर के आधार पर कार्रवाई की जा रही है।

पीवी कुलकर्णी के वकील ने भी आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यदि उन्होंने प्रश्नपत्र तैयार किया भी था तो उन्हें यह जानकारी नहीं थी कि उनके द्वारा तैयार किए गए सवाल एनटीए द्वारा चयनित किए जाएंगे या नहीं।

पुणे की शिक्षिका मनीषा मांधरे गिरतार

नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले में सीबीआई की बड़ी कार्रवाई जारी है। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने मुख्य साजिशकर्ता पी.वी. कुलकर्णी और उनकी सहयोगी मनीषा वाघमारे को 10 दिनों की सीबीआई हिरासत में भेज दिया है। दोनों से पूछताछ कर पूरे गिरोह का खुलासा करने की कोशिश की जा रही है। इस मामले में पुणे के मॉडर्न कॉलेज की वरिष्ठ जीवविज्ञान शिक्षिका मनीषा मांधरे की गिरफ्तारी ने शिक्षा जगत में हलचल मचा दी है। कॉलेज की प्रिंसिपल निवेदिता एकबोटे ने कहा, 'मनीषा मांधरे पिछले 24 साल से हमारे जूनियर कॉलेज में कार्यरत हैं। हमने सबसे पहले मीडिया में उनका नाम सुना। सीबीआई के आधिकारिक बयान के बाद हमें बहुत बुरा लगा। नैतिक और चारित्रिक दोनों दृष्टि से हम हैरान हैं। पूरे देश का ध्यान इस मुद्दे पर है, इसलिए हमारे कॉलेज की शिक्षिका का नाम आने से गहरा सदमा लगा है।' प्रिंसिपल ने कहा कि इस घटना से पूरे शिक्षण समुदाय को झटका लगा है। महाराष्ट्र के लातूर में एनएसयूआई और युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नीट पेपर लीक घोटाले के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। सैकड़ों छात्र और कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे और नारेबाजी की। कांग्रेस सांसद शिवाजी कालगे ने कहा, '22-24 लाख छात्रों ने मेहनत से परीक्षा दी। माता-पिता दिन-रात मेहनत करते हैं। शिक्षक कड़ी मेहनत करते हैं। कुछ भ्रष्ट लोगों को बचाने के चक्कर में सरकार ने पूरे देश के छात्रों का भविष्य अंधकार में डाल दिया है।

केंद्रीय मंत्री संजय कुमार का पुत्र पॉक्सो में गिरफ्तार

एजेंसी ■ हैदराबाद

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने पॉक्सो केस में आरोपी बेटे बंदी भगीरथ को पुलिस को सौंप दिया है। बंदी संजय कुमार ने शनिवार को कहा कि कानून के सामने सभी बराबर हैं।

हालांकि बंदी संजय के बयान के आधे घंटे बाद ही तेलंगाना पुलिस ने कहा- आरोपी भगीरथ को हैदराबाद शहर के बाहरी इलाके से पकड़ा गया है। यह सरेंडर नहीं है।

इस मामले में पुलिस ने भगीरथ के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया था, ताकि वे देश छोड़कर न जा सके। यह मामला 17 साल की लड़की की मां की शिकायत पर दर्ज हुआ है।

आरोप है कि भगीरथ ने शादी का वादा कर नाबालिग लड़की का यौन शोषण किया। पुलिस ने 8 मई को पॉक्सो एक्ट और ब्व्हस् की धाराओं में केस दर्ज किया था। तेलंगाना हाईकोर्ट ने शुक्रवार को भगीरथ को गिरफ्तारी से राहत देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद उन्हें पुलिस के हवाले किया गया।

भगीरथ ने भी लड़की के परिवार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। उनका आरोप है कि लड़की के परिवार ने शादी और पैसों के लिए दबाव बनाया और 5 करोड़ रुपए मांगे।

हाईकोर्ट ने गिरफ्तारी पर रोक से इनकार किया था

इससे पहले शुक्रवार को तेलंगाना हाईकोर्ट ने भगीरथ की गिरफ्तारी पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। जस्टिस टी माधवी देवी ने शुक्रवार शाम याचिका पर सुनवाई की। सुनवाई करीब आधी रात तक चली। उनकी अंतरिम अग्रिम जमानत याचिका पर अब अगली वेकेशन कोर्ट में आदेश आएगा।

कोर्ट में दोनों पक्षों ने क्या कहा...

पीड़ित पक्ष- आरोपी का परिवार प्रभावशाली है, इससे सबूतों से छेड़छाड़ की आशंका है। आरोपी को कोई राहत न दी जाए।

बचाव पक्ष: अदालत के पास अंतिम सुनवाई तक अंतरिम जमानत देने का अधिकार है। शिकायतकर्ता ने खुद माना है कि उनकी बेटी 2025 से आरोपी के साथ रिश्ते में थी। लड़की के परिवार ने शादी का दबाव बनाया था। 50 हजार रुपए लेने के बाद 5 करोड़ रुपए मांगे और झूठे केस में फंसाने की धमकी दी।

नाबालिग से सात-आठ महीने से संपर्क में थे भगीरथ

दरअसल, नाबालिग की मां का आरोप है कि भगीरथ उनकी बेटी के साथ रिलेशनशिप में था और इस दौरान उसका यौन उत्पीड़न किया। पुलिस के मुताबिक दोनों पिछले सात-आठ महीनों से संपर्क में थे। हालांकि भगीरथ ने आरोपों से इनकार किया है।

सीएम सुवेंदु अधिकारी का बड़ा संकेत, 'मिस्टर नेफ्यू' की संपत्तियों की जांच की चेतावनी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने शनिवार को बिना नाम लिए तृणमूल कांग्रेस के एक शीर्ष नेता से जुड़ी कथित कंपनी की संपत्तियों की जांच शुरू करने का संकेत दिया।

दक्षिण 24 परगना जिले के डायमंड हार्बर उपखंड के अंतर्गत फाल्टा विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने उस नेता को बार-बार 'मिस्टर नेफ्यू' कहकर संबोधित किया। यहां 21 मई को पुनर्मतदान होना है।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'मिस्टर नेफ्यू, मैं कल ही कोलकाता नगर निगम से आपकी कंपनी की संपत्तियों की पूरी सूची लेकर आया हूं। कंपनी की कोलकाता में 24 संपत्तियां हैं। दक्षिण 24 परगना के आमतला में महल जैसा कार्यालय भी है।'

सभा को संबोधित करते हुए सुवेंदु अधिकारी ने अगस्त 2024 के आरजी कर रेप और मर्डर मामले में पूर्व कोलकाता पुलिस आयुक्त विनीत गोयल तथा पूर्व डीसी इंदिरा मुखर्जी और अभिषेक गुप्ता को निलंबित किए जाने के अपने शुक्रवार के ऐलान का भी ज़िक्र किया।

उन्होंने कहा, 'इस मामले में पहले ही तीन आईपीएस अधिकारियों को निलंबित किया जा चुका है और उनके खिलाफ विभागीय जांच शुरू हो चुकी है। जब जांच एजेंसियां उनके कॉल रिकॉर्ड और व्हाट्सऐप चैट सामने लाएंगी, तब पिछली सरकार की असल करतूतें उजागर होंगी। लोगों को पता चलेगा कि पिछली सरकार कितनी नीचे तक गिर गई थी।'

मुख्यमंत्री ने फाल्टा पुनर्मतदान में तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार जहांगीर खान को भी चेतावनी दी।

उन्होंने कहा, '2021 के चुनाव बाद हुई हिंसा के बाद राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने हिंसा में शामिल 199 आरोपियों को कुख्यात अपराधी घोषित किया था। उनमें एक जहांगीर भी था। पुनर्मतदान खत्म होने दीजिए, उसके पुराने कृत्यों के लिए कानून के तहत उचित कार्रवाई सुनिश्चित करूंगा।'

अधकारी ने यह भी कहा कि उन्होंने दक्षिण 24 परगना पुलिस को 2021 की चुनाव बाद हिंसा के पीड़ितों और हिंसा फैलाने वालों की सूची तैयार करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा, 'एक भी गुंडा घर में नहीं रहेगा। महिलाओं पर अत्याचार करने वाले भी बख्शे नहीं जाएंगे।

सर्राफा कारोबार संकट में, व्यापारी पुलिस उगाही से परेशानः अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने देश में सोने की कीमतों, आर्थिक असमानता और छोटे कारोबारियों पर बढ़ते दबाव के बीच सरकार पर निशाना साधा। लखनऊ में स्वर्णकार समाज के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों ने सर्राफा कारोबार को संकट में डाल दिया है, जबकि पुलिस-प्रशासन व्यापारियों को फर्जी मुकदमों और उगाही के जरिए प्रताड़ित कर रहा है।

अखिलेश यादव ने दावा किया कि प्रदेश में रोजाना 10-15 व्यापारी पुलिस वसूली का शिकार हो रहे हैं। समाजवादी पार्टी मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में अखिलेश यादव ने कहा कि स्वर्णकार समाज देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, लेकिन सरकार के फैसलों ने इस वर्ग की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। उन्होंने सोने को लेकर केंद्र की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब आम लोगों के हाथ खाली हैं तो अर्थव्यवस्था मजबूत होने का दावा कैसे किया जा सकता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि देश की पूंजी कुछ लोगों तक सीमित होकर रह गई है और महंगाई ने आम व्यापारियों की कमर तोड़ दी है। अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार जानबूझकर ऐसा माहौल बना रही है, जिससे छोटे और मध्यम कारोबारी संकट में फंस जाएं।

अखिलेश यादव ने कहा कि स्वर्णकार समाज सबसे ज्यादा राजस्व देने वालों में है, फिर भी उन्हें सुरक्षा और सम्मान नहीं मिल रहा। समाजवादी पार्टी स्वर्णकार समाज के साथ खड़ी है और 2027 में सरकार बनने पर स्वर्णकार बोर्ड के गठन, डिजाइन विश्वविद्यालय की स्थापना और संत नरहरि दास महाराज की प्रतिमा गोमती रिवरफ्रंट पर लगाने का काम किया जाएगा।

ऊर्जा बचत के लिए विद्यार्थियों के जरिए परिवारों और समाज को जागरूक करें शिक्षक और कर्मचारीः सीएम योगी

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की सभी संस्थाओं का आह्वान किया है कि वे पश्चिम एशिया संघर्ष सहित वर्तमान वैश्विक चुनौतियों के प्रति समाज में अलख जगाएं।

सीएम योगी ने कहा कि सभी संस्थाओं के शिक्षक और कर्मचारी वर्तमान समय में अति आवश्यक ईंधन संरक्षण और विदेशी मुद्रा व्यय कम करने को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील का अनुसरण करें। यह समयानुकूल राष्ट्रीय दायित्व है। ऊर्जा संरक्षण को लेकर विद्यार्थियों के जरिये उनके परिवारों और समूचे समाज को जागरूक करने का व्यापक अभियान शुरू करें। सबके मन में राष्ट्र प्रथम का भाव होगा तो हर चुनौती का आसानी से सामना किया जा सकेगा। उन्होंने सरकार के कर्मयोगी पोर्टल की तरह एक प्लेटफार्म बनाकर एमपीएसपी के संस्थाओं के शिक्षकों और कर्मचारियों के अपडेट प्रशिक्षण का खाका तैयार करने की भी निर्देश दिए। सीएम योगी शनिवार को गोरखनाथ मंदिर के सभाकक्ष में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद (एमपीएसपी) की सभी संस्थाओं के प्रमुखों के साथ संस्थाओं की गतिविधियों और भावी कार्ययोजना की समीक्षा कर रहे थे। समीक्षा बैठक में सभी संस्थाओं के प्रमुखों ने पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन के जरिए वार्षिक प्रतिवेदन और आगामी कार्ययोजना की जानकारी साझा की। इस अवसर पर गोरक्षपीठाधीश्वर ने एमपीएसपी की सभी संस्थाओं के प्रमुखों से अपील की कि वे अपनी दायित्व वाली संस्थाओं को समाज और राष्ट्र हित में युगानुकूल परिवर्तन का वाहक बनाएं। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए ऐसा किया जाना अत्यंत आवश्यक है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव से देश के समक्ष भी ईंधन और विदेशी मुद्रा से जुड़ी चुनौती है। इस चुनौती का सामना करने में शिक्षण संस्थाओं को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। संस्थाओं के सभी कार्मिक ईंधन बचाने के उपायों को अपनाएं। विद्यार्थियों को भी पेट्रोलियम पदार्थों के कम उपयोग और विद्युत ऊर्जा की बचत के लिए प्रेरित करें। विद्यार्थी जब जागरूक होगा तो उसका असर परिवारों और घरों पर भी पड़ेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की संस्थाओं के शिक्षकों और कमर्चारियों को खुद को हमेशा समय के अनुरूप अपडेट करते रहना होगा। इसके लिए सरकार के कर्मयोगी पोर्टल की तरह एक प्लेटफॉर्म बनाया जा सकता है, जहां सभी कार्मिकों को वर्तमान आवश्यकता के अनुरूप तैयार किया जा सके। उन्होंने कहा कि समय और समय से आगे चलने वाली प्रौद्योगिकी को कार्य व्यवहार में अपनाने से कार्य आसान हो जाता है।

नीट पेपर लीक मामले में सिर्फ गिरफ्तारी नहीं, पूरे नेटवर्क पर कार्रवाई हो : प्रियंका चतुर्वेदी

मुंबई । शिवसेना (यूबीटी) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले पर गिरफ्तारी को लेकर कहा कि नीट पेपर लीक मामलों में सिर्फ गिरफ्तारी ही नहीं, बल्कि पूरे नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई की जरूरत है। उन्होंने छात्रों के मानसिक तनाव और मजबूत परीक्षा सुरक्षा सिस्टम की जरूरत पर जोर दिया।

प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि यह सिस्टम की ही असफलता है। वर्ष 2024 में इसके बारे में बात की गई थी। 2024 में यह मामला सुप्रीम कोर्ट तक गया था। शिक्षा मंत्री ने आश्वासन दिया था कि आने वाले समय में इस तरह का काम नहीं होगा। सात सदस्यों की कमेटी बनाई गई। कमेटी ने रिपोर्ट दी कि पेन-टू-पेपर वाली परीक्षा नहीं होनी चाहिए। कंप्यूटर-आधारित परीक्षा होनी चाहिए। इस पर कुछ काम नहीं किया गया। रिपोर्ट ठंडे बस्ते में पड़ी रही।

उन्होंने कहा कि अब 2026 में जब फिर से पेपर लीक हुआ है, तब जाकर जांच शुरू की गई। जांच के आधार पर गिरफ्तारियां की जा रही हैं। उन्होंने सवाल किया कि उन बच्चों का क्या, जिनके भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया। उन बच्चों का क्या, जिनकी जानें गईं। हम बच्चों को ये भरोसा क्यों नहीं दे पा रहे हैं कि परीक्षा फुल प्रूफ होगी और पेपर लीक नहीं होंगे। इसकी जड़ें जहां भी हों, सभी पर कार्रवाई होनी चाहिए।

एसआईआर को लेकर प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया भले ही चुनाव आयोग की जिम्मेदारी होती है।

लेकिन जिस तरह से एसआईआर की प्रक्रिया पश्चिम बंगाल में होते हुए दिखी, उससे स्पष्ट हुआ कि जो लोग विपक्ष के समर्थक हैं, उनको सूची से निकालने का काम किया गया। इससे मन में संदेह आता है कि क्या यह प्रक्रिया फुल-प्रूफ है। अगर ऐसा नहीं है, तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा उन्होंने कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए। जो भी लीगल वोटर हैं, वोटिंग करने का उसका अधिकार न छीना जाए। यही हमारी अपेक्षा है।

केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के कार्यों की समीक्षा की

नई दिल्ली। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की एक्सपेंडिचर फाइनेंस कमेटी (ईएफसी) से संबंधित एक उच्च स्तरीय बैठक केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में शनिवार को 12, सफदरजंग रोड स्थित उनके कैंप कार्यालय में आयोजित की गई।

बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। इस अवसर पर आईसीएआर के महानिदेशक तथा डेयर सचिव डॉ. एमएल जाट ने केंद्रीय कृषि मंत्री को देशभर में आईसीएआर के अंतर्गत संचालित विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की जानकारी विस्तार से दी। उन्होंने भविष्य की कार्ययोजना से भी केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया तथा बताया कि भारतीय कृषि एवं किसान बहनों-भाइयों को अधिकतम लाभ पहुंचाने के लिए परिषद किस प्रकार कार्य कर रही है।

बैठक में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कृषि देश की बड़ी आबादी की जीविका का प्रमुख साधन है और भारतीय अर्थव्यवस्था को एक मजबूत आधार प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि हमारी संपूर्ण कोशिश और ऊर्जा इस दिशा में केंद्रित होनी चाहिए कि भारतीय कृषि को अधिक उत्पादक, कम लागत वाली तथा लाभकारी व्यवसाय बनाया जा सके।

केंद्रीय मंत्री ने इंटीग्रेटेड फार्मिंग के व्यापक प्रचार-प्रसार पर विशेष बल देते हुए कहा कि किसान बहन-भाइयों को इसे व्यावहारिक रूप से अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि इससे किसानों की आय में वृद्धि होगी तथा सतत कृषि (सस्टेनेबल फार्मिंग) को मजबूती मिलेगी।

चौहान ने कहा कि वैज्ञानिक कृषि आज समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारत सहित विश्वभर में जलवायु परिवर्तन की समस्या अब प्रत्यक्ष रूप से दिखाई देने लगी है। इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्यों की कृषि-जलवायु (एग्रो-क्लाइमेटिक) परिस्थितियों के अनुरूप राज्यवार कृषि रोडमैप तैयार करने की दिशा में राज्यों की सहमति से तेजी से कार्य किया जाए।

अधिकारियों ने केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया कि आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, असम एवं राजस्थान जैसे राज्यों के अनुरोध पर इस दिशा में कार्य प्रगति पर है तथा शीघ्र ही इन राज्यों का स्वतंत्र कृषि रोडमैप तैयार किया जाएगा।

आईसीएआर की कार्ययोजना पर संतोष प्रकट करते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री ने और अधिक ऊर्जा और उत्साह से अधिकारियों को कार्य करने के निर्देश दिए जिससे समयपूर्व लक्ष्यों को हासिल किया जा सके। बैठक में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बिहारः भाजपा विधायक राणा रणधीर सिंह का व्हाट्सऐप हैक, लोगों से मांगे जा रहे पैसे

मोतिहारी । बिहार के मोतिहारी से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। मधुबन सीट से भाजपा विधायक राणा रणधीर सिंह का व्हाट्सऐप अकाउंट हैक कर लिया गया है। अकाउंट हैक होने के बाद लोगों को मैसेज भेजकर पैसे की मांग की जा रही है। इस खबर के सामने आने के बाद हड़कंप मच गया। विधायक ने लोगों से सतर्क रहने की अपील करते हुए कार्रवाई की मांग की है।

हैकर विधायक के व्हाट्सऐप अकाउंट के जरिए उनके परिचितों और अन्य लोगों को मैसेज भेजकर पैसे की मांग कर रहा है। इस बात की जानकारी मिलते ही भाजपा विधायक ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

एक सामने आए स्क्रीनशॉट में साफ देखा जा सकता है कि एक व्यक्ति को पैसे मांगने के लिए मैसेज भेजा गया। विधायक के व्हाट्सएप नंबर से पहले नमस्ते कहकर लिखा गया, 'एक छोटी सी मदद चाहिए।'

त्रिपुरा में नदी कटाव रोकने के लिए 193 बाढ़ नियंत्रण परियोजनाएं लागू की जाएंगीः मुख्यमंत्री साहा

अगरतला। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने शनिवार को कहा कि बाढ़ नियंत्रण के लिए राज्य में कुल 42 बांधों का निर्माण पहले ही हो चुका है और राज्य भर की विभिन्न नदियों में कटाव रोकने के लिए अतिरिक्त 193 बाढ़ नियंत्रण परियोजनाएं लागू की जाएंगी।

अगरतला में राज्य डेटा केंद्र का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सतत प्रगति सुनिश्चित करने के लिए अवसंरचना विकास के साथ-साथ कार्य के हर क्षेत्र में सुधार आवश्यक हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप सुधार कार्य कर रही है। इसने शासन और विकास गतिविधियों में उन्नत प्रौद्योगिकी को एकीकृत करके विकास की राह को जारी रखा है। राज्य डेटा केंद्र की स्थापना से राज्य की कृषि भूमि में सिंचाई व्यवस्था का विस्तार करने में मदद मिलेगी और यह बाढ़ नियंत्रण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। किसी राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि उस राज्य के कृषि उत्पादन से भी घनिष्ठ रूप से जुड़ी होती है।

राज्य डेटा केंद्र की स्थापना लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत जल संसाधन विभाग द्वारा अगरतला के बाहरी इलाके कुंजबन स्थित विश्वेश्वरैया परिसर में की गई है। डेटा केंद्र की स्थापना को राज्य के लिए एक मील का पत्थर बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र से प्राप्त सटीक और वास्तविक समय की जानकारी से बाढ़ प्रबंधन और आपदा तैयारियों में उल्लेखनीय सुधार होगा।

उन्होंने कहा कि इस डेटा केंद्र से प्राप्त सटीक जानकारी बाढ़ नियंत्रण गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दृष्टिकोण न केवल ज्ञान बढ़ाना है, बल्कि प्रशासन और विकास में आधुनिक प्रौद्योगिकी को एकीकृत करना भी है। इसी दृष्टिकोण के अनुरूप, राज्य सरकार प्रशासनिक कार्यों में तेजी लाने के लिए त्रिस्तरीय ई-ऑफिस प्रणाली भी शुरू कर रही है। इस डेटा केंद्र की स्थापना से राज्य की जल संसाधन प्रबंधन प्रणाली और भी मजबूत और समृद्ध होगी।

साहा ने आगे कहा कि राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना का शुभारंभ 2016-17 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की एक प्रमुख पहल के अंतर्गत किया गया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना के अंतर्गत इस राज्य डेटा केंद्र के निर्माण के लिए पहले चरण में 4.67 करोड़ रुपए खर्च किए गए। दूसरे चरण में डेटा केंद्र के आगे विकास के लिए अतिरिक्त 4.50 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। सिंचाई क्षेत्र में राज्य सरकार की पहलों पर प्रकाश डालते हुए साहा ने कहा कि 31 मार्च (2026) तक त्रिपुरा में कुल 1,23,754 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई के दायरे में लाया जा चुका है। उन्होंने कहा कि सरकार ने अधिक कृषि भूमि को सिंचाई सुविधाओं के अंतर्गत लाने के लिए कई पहलें की हैं।

संक्षिप्त खबरें

सुहागिन महिलाओं ने वट सावित्री पर की विशेष पूजा-अर्चना

रायपुर। ज्येष्ठ अमावस्या के अवसर पर अंबिकापुर शहर में वट सावित्री व्रत को लेकर आस्था और श्रद्धा का अद्भुत नजारा देखने को मिला। सुबह से ही शहर के मंदिरों और वट वृक्षों के पास सुहागिन महिलाओं की भारी भीड़ उमड़ी, जहां महिलाओं ने विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर अपने पति की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना की। 16 श्रृंगार में सजी महिलाओं ने बरगद वृक्ष की परिक्रमा करते हुए व्रत कथा सुनी और अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद मांगा। पूरे शहर में धार्मिक और भक्तिमय माहौल देखने को मिला। पूजा के दौरान महिलाओं ने व्रत कथा सुनी और धार्मिक रीति-रिवाजों का पालन करते हुए पूजा संपन्न की। कई स्थानों पर सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना का आयोजन भी किया गया, जहां महिलाओं ने भक्ति गीत और पारंपरिक लोकगीत गाकर माहौल को भक्तिमय बना दिया। सुबह से ही पूजा स्थलों पर चहल-पहल बनी रही और पूरे शहर में धार्मिक आस्था का माहौल देखने को मिला। वट सावित्री व्रत को हिंदू धर्म में सुहागिन महिलाओं के लिए विशेष महत्व का पर्व माना जाता है। मान्यता है कि इस व्रत को श्रद्धा और नियमपूर्वक करने से पति की आयु लंबी होती है और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। अंबिकापुर में इस अवसर पर पारंपरिक संस्कृति, धार्मिक आस्था और भारतीय संस्कारों का सुंदर संगम देखने को मिला।

शासकीय व्यय में मितव्ययिता और वित्तीय अनुशासन को लेकर नए निर्देश

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के वित्त विभाग ने शासकीय व्यय में मितव्ययिता एवं वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वित्त निर्देश जारी किया है। विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार सभी विभागों, संभागीय आयुक्तों, कलेक्टरों तथा विभागाध्यक्षों को सरकारी संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग तथा अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। वित्त विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव द्वारा जारी इन निर्देशों का उद्देश्य राज्य के वित्तीय संसाधनों का कुशल प्रबंधन करना और सार्वजनिक व्यय में अनुशासन स्थापित करना है। यह निर्देश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिए गए हैं और 30 सितंबर 2026 तक प्रभावी रहेंगे।

कारकेड वाहनों के उपयोग पर नियंत्रण

निर्देशों के अनुसार मुख्यमंत्री, मंत्रिपरिषद, निगम-मंडल एवं आयोगों के पदाधिकारियों के कारकेड में केवल अत्यावश्यक वाहनों का ही उपयोग किया जाएगा। अन्य शासकीय संसाधनों का भी संयमित उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा।

इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा

राज्य के शासकीय वाहनों को चरणबद्ध तरीके से इलेक्ट्रिक वाहनों में परिवर्तित करने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे ईंधन व्यय में कमी और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिल सके।

ईंधन और वाहन व्यय में मितव्ययिता

पेट्रोल एवं डीजल पर होने वाले व्यय को न्यूनतम स्तर पर रखने के निर्देश दिए गए हैं। एक ही दिशा में जाने वाले अधिकारियों के लिए वाहन पूलिंग व्यवस्था लागू की जाएगी।

रायपुर में ड्राइवर को ब्लेड मारकर मोबाइल छीना, अपराध दर्ज

रायपुर। राजधानी रायपुर में सिविल लाइन इलाके में एक ड्राइवर पर ब्लेड से हमला कर उसका मोबाइल लूटकर डकैती हो गई। घटना के बाद घायल युवक ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर बुनियादी ढांचे की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गौरव मोहोहा महासमुंद जिले में रहता है और वर्तमान में रायपुर के राजातालाब क्षेत्र में किराए के मकान में परिवार के साथ रहता है। गौरव शुक्रवार की सुबह 0:45 बजे राजातालाब से पंडरी स्थित अपने मालिक के घर पैदल जा रहा था। इस दौरान वह मोबाइल पर बात कर रही थी। जब वह शोरूम के सामने गोविंद नगर क्षेत्र में पहुंचा, तभी पीछे से पैदल आए एक युवक ने अचानक उस पर हमला कर दिया। ओल्ड ने ब्लेड से अपने दाहिने हाथ पर वार किया और मोबाइल लेकर लेजर हो गया।

हम सभी जनता के सेवक हैं और आम नागरिकों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना प्राथमिक जिम्मेदारी : मुख्यमंत्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सुशासन तिहार के अंतर्गत रायगढ़ जिला कार्यालय के सृजन सभाकक्ष में रायगढ़, कोरबा एवं जांजगीर-चांपा जिले के अधिकारियों की संयुक्त समीक्षा बैठक लेकर विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं और प्रशासनिक व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में मुख्यमंत्री साय ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी और समयबद्ध ढंग से पहुंचे तथा आमजन की समस्याओं के निराकरण में किसी प्रकार की लापरवाही न हो।

बैठक में वित्त मंत्री ओपी चौधरी, सांसद राधेश्याम राठिया, राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह, विधायक लालजीत सिंह राठिया, जिला पंचायत अध्यक्ष शिखा रविंद्र गवेल, महापौर जीवर्धन चौहान, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, विशेष सचिव रजत बंसल सहित जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सुशासन तिहार का सकारात्मक प्रभाव अब गांव-गांव और शहरों तक दिखाई दे रहा है। शासन और प्रशासन सीधे जनता के बीच पहुंचकर समस्याओं का समाधान कर रहे हैं, जिससे लोगों का विश्वास और मजबूत हुआ है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि हम सभी जनता के सेवक हैं और आम नागरिकों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री साय ने राजस्व प्रकरणों की विशेष समीक्षा करते हुए समयसीमा से बाहर एवं एक वर्ष से अधिक लंबित मामलों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व से जुड़े छोटे-छोटे मामले सीधे आम नागरिकों के जीवन और आजीविका को प्रभावित करते हैं, इसलिए इनके निराकरण में संवेदनशीलता और गंभीरता आवश्यक है। मुख्यमंत्री साय ने राजस्व अभिलेखों की त्रुटियों को शीघ्र सुधारने तथा जानबूझकर गलती करने वाले संबंधित कर्मचारियों एवं पटवारियों पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री साय ने बैठक में बताया कि प्रदेश में शीघ्र ही मुख्यमंत्री हेल्पलाइन सेवा प्रारंभ की जाएगी। इसके माध्यम से नागरिक सीधे फोन अथवा ऑनलाइन शिकायत दर्ज करा सकेंगे तथा शिकायतों के समयबद्ध निराकरण की सतत मॉनिटरिंग की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शिकायतों के निराकरण में संवेदनशीलता और जवाबदेही सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

ग्रीष्मकालीन परिस्थितियों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने पेयजल व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गर्मी के दौरान किसी भी क्षेत्र में पेयजल संकट उत्पन्न न हो, यह सुनिश्चित किया जाए। साथ ही वर्षा ऋतु प्रारंभ होने के साथ संभावित मौसमी बीमारियों से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग को अग्रिम तैयारी रखने के निर्देश भी दिए। बैठक में मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के अनुरूप डीजल एवं पेट्रोल के विवेकपूर्ण उपयोग पर बल दिया। उन्होंने कहा कि राज्य में पेट्रोल एवं डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है तथा नागरिकों को किसी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। मुख्यमंत्री ने हम सभी जनता के सेवक हैं और आम नागरिकों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी फैलाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश भी दिए।

महिंद्रा यूनिवर्सिटी और हिदायतुल्लाह राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के बीच समझौता

रायपुर। महिंद्रा यूनिवर्सिटी और हिदायतुल्लाह राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय ने देश में कानूनी शिक्षा, अंतर-विषयक अनुसंधान (इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च) और शैक्षणिक सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

यह रणनीतिक साझेदारी महिंद्रा यूनिवर्सिटी में 1 मई से 3 मई 2026 तक आयोजित 'इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन कॉन्फ्लुएंस' के उद्घाटन समारोह के दौरान संपन्न हुई। इस विशेष कॉन्फ्लुएंस का आयोजन महिंद्रा यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ लॉ और एच.एन.एल.यू. द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। इस ऐतिहासिक समझौते पर एच.एन.एल.यू. के कुलपति प्रो. वी. सी. विवेकानंदन और महिंद्रा यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. याजुलु मेड्यूरी ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर एच.एन.एल.यू. के कुलपति प्रो. वी. सी. विवेकानंदन ने इस साझेदारी के दूरगामी परिणामों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह सहयोग केवल स्कूल ऑफ लॉ तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि टेक्नोलॉजी, गवर्नेंस, पब्लिक पॉलिसी और अन्य उभरते क्षेत्रों के कानूनी आयामों पर भी दोनों संस्थान मिलकर काम करेंगे। उन्होंने अत्यंत कम समय में महिंद्रा यूनिवर्सिटी द्वारा हासिल की गई शैक्षणिक और प्रोफेशनल उपलब्धियों की सराहना भी की। वहीं, महिंद्रा यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. याज मेड्यूरी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि देश के शीर्ष राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों में शामिल एच.एन.एल.यू. के साथ यह जुड़ाव अनुसंधान, फैकल्टी एक्सचेंज, स्टूडेंट लर्निंग और संस्थागत नेटवर्किंग के नए द्वार खोलेगा।

लालपुर फल मार्केट से लिए गए 5 नमूने

40 किलो सड़े-गले फल मौके पर कराए गए नष्ट

रायपुर। राजधानी रायपुर में खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिलावटी और खराब खाद्य सामग्री के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। इसी कड़ी में लालपुर स्थित होलसेल फल मार्केट में सघन निरीक्षण करते हुए विभागीय टीम ने विभिन्न फलों के नमूने जांच के लिए संग्रहित किए, वहीं करीब 40 किलो सड़े-गले फल मौके पर ही नष्ट कराए गए। नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन दीपक कुमार अग्रवाल तथा कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने शुक्रवार को लालपुर स्थित थोक फल बाजार का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान व्यापारियों द्वारा बेचे जा रहे फलों की गुणवत्ता और स्वच्छता की जांच की गई। इस दौरान टीम ने तरबूज के 2, अनार का 1, आम का 1 और मौसंबी का 1, कुल 5 नमूने संग्रहित किए। सभी नमूनों को परीक्षण के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा गया है।

छत्तीसगढ़ प्रदेश महिला कांग्रेस भंग, हलचल तेज

रायपुर। महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा ने छत्तीसगढ़ प्रदेश महिला कांग्रेस की पूरी यूनिट को भंग कर दिया है। शनिवार को जारी इस आधिकारिक आदेश के तहत प्रदेश, जिला, ब्लॉक और बूथ स्तर तक के सभी वर्तमान कमेटियों को समाप्त कर दिया गया है।

छत्तीसगढ़ में आगामी राजनीतिक परिदृश्यों और संगठनों को जमीनी स्तर पर मजबूत करने का वादा से यह बहुत बड़ा कदम है। इस फैसले से प्रदेश कांग्रेस के अंदरूनी गुटबाजी पर लगाम और नए, ऊर्जावान राहुल को आगे आने का मौका मिलेगा, जिसका सीधा असर आगामी स्थानीय चुनावों पर पड़ेगा।

अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा द्वारा जारी पत्र में स्पष्ट किया गया है कि संगठन को और अधिक सक्रिय, मजबूत और लचीला बनाने के उद्देश्य से यह व्यापक रूप से मजबूत पुनरुत्थान की प्रक्रिया शुरू की गई है। नई नियुक्तियों में केवल नीजी महिला नेताओं को शपथ दिलाई जाएगी, जो सक्रिय, राष्ट्रपति अभियान में योगदान, राष्ट्रपति और संगठन के प्रति पूर्ण प्रतिबद्धताएं निभाएंगी।

आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि आगामी सभी नियुक्तियों और दिशानिर्देशों में केवल अखिल भारतीय महिला कांग्रेस द्वारा व्यापक चर्चा और स्थापना के बाद ही घोषणा की जाएगी। इस निष्कर्ष पर पहुंचे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, महासचिव के.सी. वेणुगोपाल, प्रदेश महासचिव सचिन पायलट, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, टी.एस. सिंहदेव, अध्यक्ष दीपक बैज, एवं डॉ. चरण दास महंत सहित पार्टी के शीर्ष नेताओं को भेजा गया है। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ महिला कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष संगीता सिन्हा को भी ऑर्डर की प्रति दी गई है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा ने छत्तीसगढ़ महिला कांग्रेस के प्रदेश, जिला, ब्लॉक और बूथ स्तर की सभी कमेटियों को एक साथ समाप्त कर दिया है।

नए नियुक्तियों के लिए सक्रिय, संवैधानिक अभियान में योगदान और संघर्षात्मक भूमिका को मुख्य आधार बनाया गया है।

इस बड़े फैसले के बाद अब छत्तीसगढ़ महिला कांग्रेस में नए राहुल गांधी की एंट्री होगी। जल्द ही दिल्ली अलकमान से चर्चा के बाद नई की घोषणा की जा सकती है, जिससे कई पुराने और की छुट्टियां तय मानी जा रही।

रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल्स में जॉइंट रिप्लेसमेंट मरीजों ने मनाया नई जिंदगी का जश्न

रायपुर। जो मरीज कभी चलने के लिए भी संघर्ष करते थे, वे आज आत्मविश्वास के साथ थिरकते, सीढ़ियां चढ़ते, गाड़ी चलाते और साइकिल चलाते दिखे; साझा किए अपने प्रेरक अनुभव।

एडवांस्ड रोबोटिक और मिनिमली इनवेसिव (कम चीरे वाली) जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी मरीजों को तेजी से गतिशीलता और आत्मनिर्भरता वापस पाने में कर रही हैं मदद।

जो मरीज कभी दर्द के कारण कुछ कदम चलने के लिए भी तरसते थे, वे आज रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल्स के जाने-माने जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन और ऑर्थ्रोप्लास्टी विभाग के हेड व चीफ रोबोटिक सर्जन डॉ. अंकुर सिंघल द्वारा आयोजित एक अनोखे पेशेंट इंटरेक्शन प्रोग्राम में पूरे आत्मविश्वास के साथ नाचते, रैंप वॉक करते और अपनी नई गतिशीलता का जश्न मनाते नजर आए।

इस कार्यक्रम में उन मरीजों को एक साथ लाया गया था, जिन्होंने घुटने और कूल्हे (हिप) की रिप्लेसमेंट की सर्जरी कराई थी। इसका उद्देश्य उनके ठीक होने (रिकवरी) के सफर को साझा करना और क्रोनिक जोड़ों के दर्द व गठिया (अर्थराइटिस) से पीड़ित अन्य लोगों को प्रेरित करना था। गतिशीलता और आत्मविश्वास की इस भावुक कर देने वाली खुशी में, मरीजों ने डॉ. सिंघल के साथ डांस किया, एक फैशन वॉक में हिस्सा लिया और खुलकर बात की कि कैसे इस सर्जरी ने उनकी जिंदगी बदल दी। कई मरीजों ने साझा किया कि इलाज से पहले गंभीर दर्द और सीमित हलचल के कारण वे ठीक से चल नहीं पाते थे, सीढ़ियां नहीं चढ़ पाते थे और अपने रोजमर्रा के काम भी खुद नहीं कर पाते थे। आज, उनमें से कई मरीज ड्राइविंग कर रहे हैं, स्विमिंग और साइकिलिंग कर रहे हैं, यात्राएं कर रहे हैं और एक बार फिर सक्रिय जीवन जी रहे हैं।

अरुण देव गौतम, छत्तीसगढ़ के पूर्णकालिक डीजीपी नियुक्त

रायपुर। अंततः छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के अभिन्न अंग अरुण देव गौतम को छत्तीसगढ़ के अधिकृत पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नियुक्त किया है। गृह विभाग द्वारा 16 मई 2026 को जारी आदेश के अनुसार अरुण देव गौतम को बैक डेट यानी 5 फरवरी 2025 से पुलिस बल प्रमुख बनाया गया है। बताया जा रहा है कि 19 मई को सुप्रीम कोर्ट में नियमित रियासत की याचिका पर सुनवाई होनी है। इसी वजह से अलग-अलग में सरकार ने आज नियमित अप्रतिम की पेशकश का आदेश जारी किया है।

दस्तावेज़ है कि 1992 में बैचलर अधिकारी गौतम को 5 फरवरी 2026 को राज्य का आधिपत्य बनाया गया था। यूपीएससी ने अचल संपत्ति भंडार वाले अधिकारियों की सूची या अनिवार्य राज्य को मई 2025 को भेजा था। इसमें 1992 के बैच के अरुण देव गौतम और 1995 के बैच के हिमांशु गुप्ता का नाम था। टैब से नियमित इम्प्लायमेंट का पेट्रोलियम प्लांट था। केंद्र से करीब एक साल बाद देव गौतम को राज्य का नियमित पुलिस नियुक्त किया गया।

इसके पहले अशोक जुनेजा को 11 नवंबर 2021 को राज्य का आधिकारी रियासत बनाया गया था और 5 अगस्त 2022 को जारी होने की तारीख से आगामी 2 साल के लिए नियमित रियासत बनाई गई थी। वह जून 2023 को निकल पड़े थे। लेकिन सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार 2 वर्ष की शैक्षणिक देनदारी की शेष राशि जुनेजा के बाद सेवानिवृत्त हो गई। यहां अरुणदेव गौतम को 5 फरवरी 2025 की तारीख से स्थायी रियासत नियुक्त किया गया है। एसोसिएशन अरुणदेव गौतम अपने तेज़-तर्रार कार्यशैली, प्रभावित क्षेत्रों में अनुभव और उत्कृष्ट सेवा रिकॉर्ड के लिए जाते हैं। राज्य पुलिस के मुखिया के रूप में उनके अगुआ में सुरक्षा बलों ने छत्तीसगढ़ से का नामोनिशान मिटा दिया।

लंबे अनुभव वाले अधिकारी को मिली बड़ी जिम्मेदारी

अरुण देव गौतम वर्ष 1992 बैचलर-आदिवासी अधिकारी हैं। उन्हें सबसे पहले मध्य प्रदेश कैडर की नियुक्ति मिली थी, लेकिन वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ के गठन के बाद उन्होंने नया कैडर चुना। राज्य के कई महत्वपूर्ण अभयारण्य कोरिया, रायगढ़, जशपुर, राजनंदगांव, सरगुजा और बिलासपुर में एसपी रहे।

छत्तीसगढ़ में ओले गिरे, जन-जीवन अस्त-व्यस्त

बलौदाबाजार रोड पर लगा जाम, कोरबा-धमतरी में भी जोरदार बारिश

रायपुर। छत्तीसगढ़ में इन दिनों मौसम का मिजाज बदला हुआ है। शनिवार रात रायपुर में ओले गिरे, गरज चमक के साथ खूब बारिश हुई। अचानक आई आंधी से सड्डू जाने वाले रास्ते पर अंबुजा मॉल के पास पेड़ गिरा जिससे ट्रैफिक प्रभावित हुआ है।

इसके साथ ही कोरबा, धमतरी और कोंडागांव इलाके में भी अच्छे बादल बरसे हैं। कोरबा के कटघोरा में आई आंधी से एक बड़ा पेड़ टूटकर गिर गया।

कोंडागांव के केशकाल में तेज बारिश के चलते कई सड़कों पर पानी भर गया, लोगों की दुकानों तक पानी घुस आया। धमतरी के रिसगांव में पेड़ गिरने से घर के पास खड़ा ट्रैक्टर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं खरीदी केंद्र परिसर में बना टिन शेड भी तेज हवा में उड़ गया।

मौसम विभाग के मुताबिक, बंगाल में बने सिस्टम के असर से मौसम चेंज हुआ है। अगले 4 दिनों तक ऐसा ही बने रहने की संभावना है। इसके बाद तापमान 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है।

अंबिकापुर में तेज बारिश हुई। वहीं दुर्ग जिले के अंडा गांव में तेज हवाओं के कारण लोग पेट्रोल पंप की छत के नीचे बचते नजर आए। आंधी इतनी तेज थी कि एक स्कूटी भी हवा के झोंकों से गिर गई।

पिछले 24 घंटों के दौरान हुई बारिश से अधिकतम तापमान में 2 से 5 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की गई। प्रदेश में सबसे अधिक तापमान 38.6 डिग्री सेल्सियस जगदलपुर में रिकॉर्ड हुआ, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 20.5 डिग्री सेल्सियस राजनांदगांव में दर्ज किया गया।

शहर की स्वच्छता से कोई समझौता नहीं : महापौर

रायपुर। रायपुर की स्वच्छता व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने और रामकी कंपनी के कुछ ड्राइवरों द्वारा काम बंद किए जाने के विषय पर महापौर ने अपना स्पष्ट रुख साझा किया है। महापौर ने कहा है कि सफाई कर्मचारी और ड्राइवर शहर की व्यवस्था का अभिन्न अंग हैं, लेकिन किसी भी परिस्थिति में शहर की जनता को गंदगी और अव्यवस्था के बीच नहीं छोड़ा जा सकता।

महापौर ने कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि कुछ कर्मचारी न केवल स्वयं काम बंद कर रहे हैं, बल्कि उन ड्राइवरों को भी काम करने से रोक रहे हैं जो अपनी ड्यूटी करना चाहते हैं। महापौर ने कहा, *'लोकतंत्र में हर किसी को अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन काम करने के इच्छुक कर्मचारियों को रोकना या उन्हें डराना नैतिक और कानूनी रूप से गलत है। काम रोकना किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकता।'

शहर की सफाई व्यवस्था पर जोर देते हुए महापौर ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि रायपुर की स्वच्छता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने रामकी कंपनी के प्रबंधन को निर्देशित किया है कि वे वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करें ताकि वार्डों से कचरा उठाने का काम प्रभावित न हो। उन्होंने प्रशासन को भी स्थिति पर नजर रखने और काम में बाधा डालने वाले तत्वों पर नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा है। महापौर ने अत्यंत संवेदनशीलता के साथ कहा- 'मैं एक जनप्रतिनिधि हूँ और मेरे द्वार हर नागरिक और कर्मचारी के लिए हमेशा खुले हैं। यदि किसी की कोई समस्या है, तो वे चर्चा कर सकते हैं। संवादहीनता और काम का बहिष्कार शहर के हितों के खिलाफ है। मैं ड्राइवरों से अपील करती हूँ कि वे शहर के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझें और तुरंत काम पर लौटें।'

महापौर ने अंत में दोहराया कि प्रशासन कर्मचारियों के हितों के प्रति संवेदनशील है, लेकिन शहर की सफाई और नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए वे कड़े निर्णय लेने से भी पीछे नहीं हटेंगी।

संक्षिप्त खबरें

बस्तर में अवैध रेत परिवहन कर रहे दो ट्रैक्टर जब्त

जगदलपुर। बस्तर जिले में अवैध उत्खनन और परिवहन करने वालों पर कलेक्टर आकाश छिकारा के निर्देश पर जिला खनिज जांच दल ने ग्राम बड़ेआमाबाल के हल्दीमारी एवं पालबहार क्षेत्र में औचक निरीक्षण किया। खनिज अधिकारी शिखर चेरपा के मार्गदर्शन में आज शनिवार को हुई इस अचानक कार्रवाई से अवैध कारोबारियों में हड़कंप मच गया। इस छापामार कार्रवाई के दौरान खनिज अमले ने मौके से गौण खनिज रेत का अवैध परिवहन कर रहे दो ट्रैक्टरों को रंगे हाथों पकड़ा। इसके साथ ही उत्खनन स्थल से भारी मात्रा में अवैध खनन के लिए इस्तेमाल की जाने वाली सामग्रियां भी बरामद की गईं, जिसमें 15 नग रापा और 13 नग तगाड़ी शामिल हैं। मामलों में संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियमावली 2015 के नियम 71 तथा खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 के अंतर्गत कड़ी दण्डात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जावेगी। जांच दल द्वारा पकड़े गए वाहनों में दो ट्रैक्टर शामिल हैं, जो बिना किसी वैध दस्तावेज के रेत का परिवहन कर रहे थे। खनिज अमले ने रेत से लदे इन दोनों वाहनों को सामग्री सहित जब्त कर तुरंत पुलिस अभिरक्षा में सौंप दिया है और वाहन मालिकों के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। इस पूरी कार्रवाई को जिला खनिज जांच दल के प्रभारी व खनिज निरीक्षक अंकित पुरी तथा खनिज सिपाही श्री डिकेश्वर खरे ने मौके पर रहकर अंजाम दिया। खनिज अधिकारी ने इस संबंध में जिले के खनिज ठेकेदारों और खनिज परिवहनकर्ताओं को पूर्व में भी विज्ञप्ति के माध्यम से सचेत किया गया था कि बिना अभिवहन पास के खनिजों का परिवहन करना एक दण्डनीय अपराध है।

राज्यपाल डेका ने कवर्धा कलेक्ट्रेट परिसर में रोपा आम का पौधा

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने कबीरधाम प्रवास के दौरान कलेक्ट्रेट परिसर कवर्धा में आम का पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने नागरिकों से अधिक से अधिक पौधरोपण करने और पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने की अपील की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा एवं पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने भी पौधरोपण किया। राज्यपाल डेका ने कहा कि पेड़-पौधे पर्यावरण को स्वच्छ और संतुलित बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि पौधरोपण केवल वर्तमान के लिए ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण देने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

भिलाई इस्पात संयंत्र में अंतर-विभागीय संगीत (गायन) प्रतियोगिता का आयोजन 9 जून से

भिलाई । सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएँ विभाग द्वारा अंतर-विभागीय संगीत (गायन) प्रतियोगिता-2026 का आयोजन 9 से 13 जून तक सिविक सेंटर स्थित महात्मा गांधी कला मंदिर में किया जाएगा। यह वार्षिक प्रतियोगिता संयंत्र के कर्मचारियों एवं उनकी जीवनसंगिनियों के लिए आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता का आयोजन तीन वर्गों में किया जाएगा, जिसमें पुरुष हिंदी एकल गायन, महिला हिंदी एकल गायन, पुरुष गैर-हिंदी एकल गायन, महिला गैर-हिंदी एकल गायन तथा युगल गायन प्रतियोगिताएँ शामिल रहेंगी। हिंदी एवं गैर-हिंदी गायन प्रतियोगिताएँ पृथक श्रेणियों में आयोजित की जाएंगी। गैर-हिंदी श्रेणी में प्रतिभागी हिंदी के अतिरिक्त किसी भी भाषा में प्रस्तुति दे सकेंगे, जिसमें छत्तीसगढ़ी, तेलुगु, तमिल, बंगाली, मराठी, गुजराती, पंजाबी, ओड़िया, भोजपुरी, मलयालम, राजस्थानी सहित अन्य क्षेत्रीय भाषाएँ सम्मिलित होंगी। प्रत्येक श्रेणी में पृथक प्रतियोगिता आयोजित करने हेतु न्यूनतम छह प्रतिभागियों की सहभागिता अनिवार्य होगी।

2 साल का अफेयर, प्रेमी ने प्रेमिका की कर दी बेरहमी से हत्या

पत्थर से चेहरा कुचला, शादी की जिद्द कर रही थी

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में एक मजदूर ने महिला वकील का गला काटकर मर्डर कर दिया। दोनों के बीच 2 साल से अफेयर था। लोकनाथ पटेल (30) शादीशुदा था। आराधना सिदार (30) जिला कोर्ट में जूनियर वकील थी।

दोनों की सोशल मीडिया पर हुई दोस्ती धीरे धीरे प्यार में बदल गई थी। जब आराधना ने शादी करने की जिद्द की तो परेशान होकर आरोपी ने उसे मारने की प्लानिंग की। वह दुकान से सब्जी काटने का चाकू खरीद लाया। 10 मई की सुबह उसे तुमीडीह जंगल ले गया।

यहां उसे गला दबाकर बेसुध किया, फिर पहचान मिटाने पत्थर से चेहरा कुचला, तब भी उसकी सांसें चल रही थी। पुलिस को गुमराह करने उसने युवती के कपड़े उतारे। फिर चाकू से गला काट दिया। 2 दिन बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला पूंजीपथरा थाना क्षेत्र का है।

12 मई को तुमीडीह डैम किनारे जंगल में युवती की लाश अर्धनग्न हालत में मिली थी। पुलिस इस मामले में तब से आरोपी की तलाश कर रही थी। 16 मई को उसे गिरफ्तार कर लिया।

जांच में पता चला कि आरोपी लोकनाथ पटेल (30) चारपारा का रहने वाला है। साल 2024 में उसकी पहचान लैलूंगा की रहने वाली आराधना सिदार से हुई थी। वह रागयढ़ जिला अधिवक्ता संघ की सदस्य भी थी। दोनों के बीच मोबाइल पर बातचीत शुरू हुई और बाद में प्रेम संबंध बन गया। आराधना अब शादी करने की जिद्द करती थी, जबकि उसे पता था कि लोकनाथ शादीशुदा है। समझाने पर नहीं मानी तो आरोपी उसे रास्ते से हटाना चाहता था।

9 मई की रात दोनों की फोन पर बात हुई थी, जिसके बाद 10 मई की सुबह लोकनाथ उससे मिलने पंजरी प्लांट पहुंचा। वहां से आराधना को लेकर सक्ति की ओर निकल गया।

दोनों दमाउधारा मंदिर घूमने गए और शाम करीब 4:30 बजे वापस लौटे। इसके बाद आरोपी ने एक ठेले से खाना पैक कराया और शक्ति थाना के पास स्थित गुप्ता लॉज में कमरा लिया।

लॉज के रजिस्टर में उसने अपना और आराधना का नाम बदलकर पति-पत्नी के रूप में दर्ज कराया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि दोनों के बीच शादी की बात को लेकर पहले से विवाद चलता था। उसी रात लॉज में भी इसी बात पर झगड़ा हुआ था।

सब्जी काटने वाला चाकू खरीदा

आरोपी पहले ही एक दुकान से सब्जी काटने वाला पीले हैंडल का चाकू खरीद चुका था। अगली सुबह करीब 5:30 बजे आरोपी आराधना को बाइक से सक्ति से तुमीडीह जंगल ले गया। 7:30 बजे तक दोनों जंगल के अंदर तक चले गए थे। जहां दूर दूर तक कोई नहीं था।

मर्डर से पहले कपड़े उतारे

वहां आराधना ने रास्ता नहीं होने की बात कही, तभी आरोपी ने पीछे से उसका गला दबा दिया। युवती के बेसुध होकर गिरने के बाद उसने पत्थर से सिर और चेहरे पर कई वार किए। इसके बाद चाकू से गले पर हमला कर उसकी हत्या कर दी।

आरोपी ने पुलिस को गुमराह करने के लिए हत्या से पहले युवती के कपड़े भी उतारकर वहीं फेंक दिए थे और शव को जंगल में छोड़कर भाग गया। जिला अधिवक्ता संघ ने दोषी पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

मारने के बाद डैम के पानी से हाथ पैर धोया

घर लौटते समय आरोपी ने राबो डैम के पास हाथ-पैर से खून धोया। बाद में उसने युवती के बैग से मिले रुपए खर्च कर दिए और बैग तालाब के पास फेंक दिया। आधार और एटीएम कार्ड जला दिए। आरोपी को आराधना के मोबाइल और फोन-पे का पासवर्ड भी पता था। ऐसे में हत्या के बाद शक से बचने के लिए उसने मृतका के मोबाइल से उसकी बहन और सहेलियों को लड़की की आवाज निकालकर कॉल किया। बाद में मोबाइल को पत्थर से तोड़कर नाले के पास फेंक दिया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने पूरी वारदात कबूल कर ली।

खनन माफियाओं पर शिकंजा, 14 हाइवा जब्त

आरंग। छत्तीसगढ़ की जीवनदायिनी महानदी का सीना चीरकर अवैध कमाई में जुटे रेत माफियाओं के खिलाफ रायपुर खनिज विभाग ने अब तक की सबसे बड़ी और निर्णायक कार्रवाई की है। रायपुर कलेक्टर के सख्त आदेश और खनिज प्रशासन के उप संचालक राजेश मालवे के कड़े तेवरों के बाद विभाग ने आरंग-खरोरा मुख्य मार्ग पर ग्राम रानीसागर में आधी रात को बड़ी नाकेबंदी की। इस हाई-प्रोफाइल ऑपरेशन में अवैध रेत से लदे 14 भारी-भरकम हाइवा वाहनों की जब्ती की गई। इस कार्रवाई से खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया है।

जानकारी के मुताबिक, खनिज विभाग को पिछले कुछ समय से रंग क्षेत्र से रात के अंधेरे में बड़े पैमाने पर रेत तस्करी के लगातार इनपुट्स मिल रहे थे। सूचना की तस्दीक होते ही खनिज निरीक्षकों की टीम ने ग्राम रानीसागर के पास नाकेबंदी की। जैसे ही रेत से भरे हाइवा वाहनों का काफिला वहां से गुजरा, टीम ने उन्हें रोक लिया। जब चालकों से वैध दस्तावेज, रॉयल्टी रसीद और पीटपास (परिवहन पास) की मांग की गई, तो वे सकपका गए। बिना किसी वैध कागजात के शासकीय संपदा की चोरी कर जा रहे इन सभी 14 हाइवा वाहनों को तुरंत जब्त कर लिया गया। सभी वाहनों को खरोरा थाना परिसर में सुपुर्द कर दिया गया है। इन सभी वाहन स्वामियों और अवैध कारोबारियों के खिलाफ खनिज अधिनियम के तहत भारी जुर्माने और कानूनी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

नक्सल मामले में राज्य सरकार की अपील खारिज

बिलासपुर। नारायणपुर के चर्चित नक्सल प्रकरण में आरोपियों को मिली डिफॉल्ट बेल को चुनौती देने वाली राज्य सरकार की अपील को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि सिर्फ सरकारी प्रक्रियाओं और फाइलों के लंबित रहने का हवाला देकर देरी माफ नहीं की जा सकती। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति रविंद्र कुमार अग्रवाल की खंडपीठ ने 182 दिन की देरी को अस्पष्टीकृत और लापरवाहीपूर्ण मानते हुए अपील को समयसीमा से बाधित बताते हुए खारिज कर दिया।

दरअसल, मामला नारायणपुर जिले के ओरछा थाना में दर्ज अपराध से जुड़ा है। इस केस में चंपा कर्मा, मांगी मंडावी, संकू मंडावी और लच्छू मंडावी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, आर्म्स एक्ट और गैरकानूनी गतिविधि (निवारण) अधिनियम (यूएपीए) की गंभीर धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया गया था। विशेष न्यायाधीश, एनआईए एक्ट एवं अनुसूचित अपराध न्यायालय, नारायणपुर ने 11 सितंबर 2025 और 24 सितंबर 2025 को आरोपियों को डिफॉल्ट बेल दे दी थी। राज्य सरकार ने इस आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में अपील दाखिल की, लेकिन यह अपील निर्धारित समयसीमा से 182 दिन की देरी से दायर हुई।

सरकार को रेड टेप के आधार पर नहीं दी जा सकती राहत : हाई कोर्ट

राज्य की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि विधि एवं विधायी कार्य विभाग से प्रस्ताव आने, शासन की मंजूरी मिलने, दस्तावेज जुटाने और फाइल प्रक्रिया पूरी होने में समय लगा। उन्होंने कहा कि शासन एक बहुस्तरीय व्यवस्था है, जहां विभागीय औपचारिकताओं के कारण विलंब हो गया। मामले में हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि कानून की समयसीमा सभी पर समान रूप से लागू होती है और सरकार को केवल फाइल प्रक्रिया या रेड टेप के आधार पर राहत नहीं दी जा सकती।

कोर्ट ने पोस्टमास्टर जनरल बनाम लिविंग मीडिया इंडिया लिमिटेड और स्टेट ऑफ मध्यप्रदेश बनाम रामकुमार चौधरी मामलों का उल्लेख करते हुए कहा कि देरी माफी अपवाद है, अधिकार नहीं। यदि पर्याप्त और ठोस कारण नहीं बताए जाएं, तो देरी को स्वीकार नहीं किया जा सकता।

ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा नेटवर्क का भांडाफोड़

रायगढ़। मध्य भारत के बड़े ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा नेटवर्क के खिलाफ रायगढ़ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। एसएसपी शशि मोहन सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने संगठित सट्टा और हवाला नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए गोवा में छापेमारी कर 6 सट्टा संचालकों को गिरफ्तार किया है। यह नेटवर्क रायगढ़, रायपुर, सक्ती और खरसिया समेत कई शहरों से लेकर गोवा तक फैला हुआ था। पुलिस ने मौके से 10 मोबाइल फोन जब्त किए हैं और पूरे नेटवर्क की जांच तेज कर दी है।

पुलिस के अनुसार, कोतवाली थाना रायगढ़ में दर्ज अपराध क्रमांक 217/2026 एवं 218/2026 धारा 4, 7 छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत आरोपियों करन चौधरी उर्फ करन अग्रवाल, पुष्कर अग्रवाल तथा सुनील अग्रवाल की गिरफ्तारी के बाद जांच का दायरा बढ़ाया गया।

पूछताछ में हवाला के माध्यम से पैसों के लेनदेन और खरसिया निवासी अमित मित्तल के नेटवर्क से जुड़े महत्वपूर्ण इनपुट मिले, जिसके आधार पर साइबर थाना और कोतवाली पुलिस ने तकनीकी निगरानी शुरू की। जांच में पता चला कि आरोपी रायगढ़, रायपुर, सक्ती और खरसिया से जुड़े नेटवर्क के साथ हैदराबाद और मुंबई होते हुए गोवा में सक्रिय थे।

गोवा में दबिश, 6 आरोपी गिरफ्तार

एसएसपी शशि मोहन सिंह के निर्देशन पर सीएसपी मयंक मिश्रा और डीएसपी उत्तम प्रताप सिंह के नेतृत्व में साइबर थाना रायगढ़ की टीम गोवा पहुंची, जहां कैंडोलिम बीच क्षेत्र स्थित एक किराए के विला में छापेमार कार्रवाई की गई। पुलिस दबिश के दौरान अमित मित्तल के साथ मोहित सोमानी, प्रकाश वाधवानी, आकाश मोटवानी, राहुल खंडेलवाल और सुलभ खंडेलवाल को सट्टा संचालित करते हुए गिरफ्तार किया गया।

पुलिस कार्रवाई की भनक लगने पर आरोपी फरार होने की तैयारी में थे और उन्होंने अपने कॉलिंग फोन, लैपटॉप, हिसाब-किताब की डायरी तथा अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज नष्ट करने का प्रयास किया था। पुलिस की टीम ने मौके से 10 मोबाइल फोन जब्त कर सभी आरोपियों को पूछताछ के लिए रायगढ़ लाया गया।

बिहान योजना से मिली उषा राठौर के सपनों को उड़ान

गौरेला-पेन्ड्रा-मरवाही। ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में संचालित राज्य शासन की महत्वाकांक्षी ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान योजना गांव-गांव में बदलाव की नई कहानियां लिख रही है। इसी कड़ी में गौरेला विकासखंड के ग्राम लालपुर के आश्रित ग्राम मंदपुर निवासी श्रीमती उषा राठौर ने स्व सहायता समूह से जुड़कर अपनी जिंदगी को नई दिशा दी है। आज वे न केवल आत्मनिर्भर बनी हैं, बल्कि अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को भी मजबूती प्रदान कर रही हैं।

उषा राठौर सरस्वती महिला स्व सहायता समूह की सक्रिय सदस्य हैं। समूह से जुड़ने के बाद उन्हें आर्थिक सहयोग, प्रशिक्षण और व्यवसाय को आगे बढ़ाने का अवसर मिला। पहले वे छोटे स्तर पर दुकान संचालित करती थीं, जिससे सीमित आय होती थी और परिवार की जरूरतों को पूरा करना कठिन हो जाता था। लेकिन बिहान योजना के माध्यम से समूह से ऋण मिलने के बाद उन्होंने अपने व्यवसाय का विस्तार किया और कपड़े तथा किराना स्टोर्स की दुकानों का सफल संचालन शुरू किया।

उषा राठौर ने बताया कि स्व- सहायता समूह से जुड़ने के बाद उनके जीवन में बड़ा परिवर्तन आया है। अब उनके द्वारा संचालित दुकान से प्रतिमाह 10 से 12 हजार रुपए तक की नियमित आय हो रही है। इससे परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार आया है और बच्चों की पढ़ाई सहित घरेलू जरूरतों को पूरा करना आसान हो गया है।

अबूझमाड़ के दुर्गम इलाके में मानसून की चुनौती से निपटने बनाया 60 मीटर लंबा पुल

नारायणपुर। जिले के अबूझमाड़ के दुर्गम इलाकों में बारिश आते ही मुश्किलें बढ़ जाती हैं। उफनते नदी-नालों के कारण दर्जनों गांवों का संपर्क जिला मुख्यालय से कट जाता है। इस बार मानसून की चुनौती से निपटने कुड़मेल में लोगों के साथ आईटीबीपी के जवानों ने अस्थायी पुल का इंतजाम किया है। ओरछा थाना क्षेत्र के कुड़मेल नाले पर बांस-बल्ली के सहारे 60 मीटर लंबा पुल तान दिया गया है। खास बात यह है कि बारिश में इस पुल से न केवल लोग पैदल चलेंगे, बल्कि इससे बाइक भी गुजर पाएगी। बांस-बल्ली का पुल पूरे अबूझमाड़ में चर्चा और उम्मीद का विषय बना हुआ है।

कुड़मेल गांव ओरछा से करीब 20 किमी दूर घने जंगलों के बीच बसा है। हर साल बारिश में यहां का नाला विकराल रूप ले लेता था, जिससे राशन और इलाज जैसी जरूरी सुविधाएं ठप हो जाती थीं। इस समस्या को देखते हुए आईटीबीपी 38वीं वाहिनी के जवानों ने बीड़ा उठाया। कमांडेंट रोशन सिंह असवाल के मार्गदर्शन में 15 जवानों की टीम और स्थानीय ग्रामीणों ने मिलकर दिन-रात काम किया। गांव वालों को उम्मीद, सरकार जल्द यहां स्थायी पुल बनाएगी इस निर्माण में ग्रामीणों ने खुद आगे बढ़कर श्रमदान किया। किसी ने बल्लियां पहुंचाईं तो किसी ने बांधने में मदद की। इस छोटे से प्रयास ने सुरक्षा बलों और आदिवासियों के बीच आपसी भरोसे को और मजबूत किया है। ग्रामीणों ने बताया कि पहले बीमार लोगों या गर्भवती महिलाओं को उफनता नाला पार कराने के लिए खाट का सहारा लेना पड़ता था, जो काफी जोखिम भरा था। अब यह अस्थायी पुल स्वास्थ्य सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगा।

धान खरीदी केंद्र मुलमुला में डेढ़ करोड़ की वित्तीय गड़बड़ी, कारण बताओ नोटिस जारी

कोंडागांव। जिले के धान खरीदी केंद्र मुलमुला में जिला प्रशासन की विशेष जांच टीम जब केंद्र पर भौतिक सत्यापन के लिए पहुंची तो वहां की हालत देखकर अधिकारी भी दंग रह गए। ऑनलाइन रिकॉर्ड के अनुसार केंद्र में भारी मात्रा में धान का स्टॉक होना चाहिए था, लेकिन मुलमुला में जांच टीम को मौके पर केवल 577 बोरियां मतलब 230 क्विंटल धान ही मिला। विस्तृत मिलान करने पर यह बात सामने आई कि 4936.17 क्विंटल धान भौतिक रूप से गायब है। 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से गायब हुए धान की कुल कीमत के आधार पर 1.53 करोड़ रुपए की वित्तीय गड़बड़ी पाई गई है। जांच में यह भी स्पष्ट हुआ कि ऑनलाइन पोर्टल पर धान का उठाव और शेष स्टॉक जानबूझकर गलत तरीके से प्रदर्शित किया गया था। कोंडागांव कलेक्टर ने केंद्र प्रभारी कुमानता पटेल और कंप्यूटर ऑपरेटर रीना कौशिक से तीन दिन के भीतर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर जवाब मांगा है।

कहानी

तीसरा कमरा

रमेश कुमार 'रिपु'

कल्याणी जब पहली बार वॉकर पकड़कर अस्पताल के गलियारे में चली थी, तब उसके चेहरे पर दर्द से ज्यादा जिद थी। दोनों घुटनों का ऑपरेशन हुए अभी पाँच दिन ही हुए थे। हर कदम पर ऐसा लगता था जैसे किसी ने हड्डियों में कील ठोक दी हो, मगर वह रुकना नहीं चाहती थी।पीछे खड़े महेन्द्र की आँखों में बेचैनी थी।

डॉक्टर हँसते हुए बोले, 'मैडम से ज्यादा डर तो इनके चेहरे पर दिख रहा है।'

कल्याणी मुस्कुराई, 'इन्हें लगता है मैं मर जाऊँगी तो ये अकेले पड़ जाएँगे।'

महेन्द्र ने तुरंत उसकी बाँह थाम ली। 'तुम नहीं रहोगी तो मैं सिर्फ अकेला नहीं पड़ूँगा,खत्म हो जाऊँगा।'

कल्याणी हँसी,मगर भीतर कहीं वह काँप गई।साठ की उम्र में भी महेन्द्र बेहद सधे हुए आदमी लगते थे। हल्की सफेद दाढ़ी, चुस्त शरीर, हमेशा करीने से प्रेस की हुई शर्ट। कोई भी उन्हें चालीस-पैंतालीस से ज्यादा का नहीं मानता। वहीं कल्याणी के चेहरे पर बीमारी की लंबी कहानी लिखी थी। ब्रेस्ट कैंसर का ऑपरेशन, फिर गॉलब्लैडर की पथरी, अब घुटनों का रिप्लेसमेंट। शरीर धीरे-धीरे उसका साथ छोड़ता जा रहा था।लेकिन महेन्द्र ने कभी उसे यह महसूस नहीं होने दिया कि वह अधूरी है।

शादी के दस साल बाद जब डॉक्टरों ने साफ कह दिया कि अब संतान की उम्मीद लगभग खत्म है, तब भी महेन्द्र ने सिर्फ इतना कहा था, 'हर आदमी बाप बनने के लिए नहीं पैदा होता कुछ लोग सिर्फ पति बनने के लिए भी पैदा होते हैं।'

उस दिन कल्याणी देर तक रोई थी।घर लौटने के बाद स्नेहा ने जिस तरह उसकी सेवा शुरू की, उससे कल्याणी का सूना घर जैसे फिर से घर लगने लगा।स्नेहा ऊपर वाले दो कमरों में किराए से रहती थी। साथ में उसका पाँच साल का बेटा ईशान रहता था।

उसका पति सोहन मुंबई में इंजीनियर था। साल में एक-दो बार आता। फिर एक दिन पता चला,तलाक हो चुका है। कोर्ट ने बच्चे का खर्च तय कर दिया है। बस रिश्ता कागज़ पर खत्म हुआ था, आदतों में नहीं।एक रात छत पर कपड़े उतारते हुए कल्याणी ने उसे चुपचाप रोते देख लिया।

'क्या हुआ?'

स्नेहा पहले मुस्कुराई। फिर अचानक आँखें भर आईं।

'कुछ नहीं आंटी, बस कभी-कभी लगता है किसी का इंतजार आदत बन जाए ना तो नींद मर जाती है।'

उस रात पहली बार कल्याणी को लगा,यह लड़की भीतर से बहुत अकेली है।धीरे-धीरे वह किराएदार कम, घर की सदस्य ज्यादा हो गई।

सुबह नाश्ता बनाकर लाती। दोपहर में दवा देती। रात में घुटनों पर सिकाई करती। कई बार महेन्द्र ऑफिस से लौटते तो स्नेहा चाय बनाकर उनके सामने रख देती।

'अंकल, आज शुगर कम डाली है।'

'तुम्हें कैसे पता मुझे कितनी शुगर पसंद है?'

'आंटी ने बताया।'

तीनों हँस पड़ते।और यहीं से शायद वह महीन धागा बुना जाना शुरू हुआ जिसे बाद में कल्याणी खुद काट नहीं पाई।

एक दिन स्नेहा को तेज दर्द उठा। जाँच हुई। रिपोर्ट में बच्चेदानी में गांठ निकली।वह डर गई।कल्याणी ने तुरंत कहा, 'घबराओ मत। तुम्हारे अंकल के बहुत डॉक्टर परिचित हैं। सब ठीक हो जाएगा।'

उस दिन पहली बार महेन्द्र उसे डॉक्टर के पास लेकर गए।वापसी में रास्ते भर स्नेहा चुप रही।फिर अचानक बोली, 'अगर मुझे कुछ हो गया ना तो ईशान का क्या होगा?'

महेन्द्र ने स्टीयरिंग पर हाथ कस लिया।

'कुछ नहीं होगा तुम्हें।'

'सब यही कहते हैं।'

'मैं कह रहा हूँ।'

उसके स्वर में एक अजीब भरोसा था।घर लौटकर उसी रात स्नेहा ने उन्हें मैसेज किया, 'आज अगर आप साथ नहीं होते तो मैं बहुत डर जाती।'

महेन्द्र फोन टेबल पर छोड़कर नहाने चले गए।स्क्रीन चमकी।मैसेज कल्याणी ने पढ़ लिया।बस वही क्षण था जब उसके भीतर की औरत पहली बार चुपचाप जागी।कुछ दिनों बाद महेन्द्र एक साड़ी खरीदकर लाए।कल्याणी खुश हो गई।

'अरे वाह! मेरी पसंद याद है अभी तक?'

महेन्द्र सहज स्वर में बोले, 'स्नेहा ने पसंद करवाई।'

पता नहीं क्यों, उस एक वाक्य ने भीतर कहीं हल्की-सी चुभन पैदा कर दी।उस रात कल्याणी देर तक आईने के सामने खड़ी रही।ढीली पड़ती त्वचा। ऑपरेशन के निशान। झुकी देह।उसी समय बाहर से स्नेहा की खिलखिलाहट सुनाई दी। खुले बाल। जवान चेहरा। जिंदा आँखें।

कल्याणी ने धीरे से अपने प्रतिबिंब से कहा, 'औरत पहले अपने शरीर से हारती है फिर दुनिया से।' महेन्द्र को अभी भी कुछ समझ नहीं आया था।उन्हें लगता था,कल्याणी बस बीमारी और उम्र की वजह से भावुक हो रही है।लेकिन शक बहुत धीरे जन्म लेता है। और एक बार जन्म ले ले तो हर चीज़ में अपना प्रमाण खोज लेता है।

अब कल्याणी नोटिस करने लगी,महेन्द्र स्नेहा के बेटे के लिए खिलौने लाते हैं।स्नेहा महेन्द्र की पसंद का दलिया बनाती है।महेन्द्र कहते, 'तुम अकेले डॉक्टर के पास मत जाया करो।'

स्नेहा पूछती, 'ऑफिस से लौटने में देर हो जाएगी क्या?'

सामान्य बातें थीं।लेकिन अब सामान्य कुछ नहीं रह गया था।कल्याणी का जन्मदिन आया।घर सजाया गया। केक आया। तस्वीरें खिंचीं।एक फोटो में फोटोग्राफर ने महेन्द्र और स्नेहा को साथ खड़ा कर दिया। पीछे हल्की लाइट थी। दोनों सचमुच पति-पत्नी जैसे लग रहे थे।फोटो सोशल मीडिया पर डाली गई।कमेंट आने लगे, 'क्या खूबसूरत कपल है!'

'ऐसा पति मिले तो जिंदगी बन जाए!'

'जोड़ी हो तो ऐसी!'

कल्याणी सब पढ़ती रही।चेहरे पर मुस्कान थी।लेकिन भीतर कोई धीरे-धीरे टूट रहा था।उस रात उसने पहली बार महेन्द्र से पूछा, 'तुम्हें स्नेहा अच्छी लगती है?'

महेन्द्र हँस पड़े। 'तुम्हें क्या हो गया है?'

'सीधा जवाब दो।'

'अच्छी लड़की है।'

'बस लड़की?'

महेन्द्र ने पहली बार उसकी आँखों में देखा। वहाँ मजाक नहीं था।उसके बाद घर बदलने लगा।अब कल्याणी छोटी-छोटी बातों पर चिढ़ने लगी।

'बहुत फिक्र रहती है तुम्हें उसकी।'

'अरे बीमार है।'

'और मैं?'

'तुम्हारे लिए ही तो सब कर रहा हूँ!'

'या मेरे सामने कुछ और पीछे कुछ और?'

महेन्द्र अवाक रह जाते।एक दिन तो उसने साफ कह दिया, 'मैं जानती हूँ तुम दोनों के बीच क्या चल रहा है।'

महेन्द्र जैसे सुन्न पड़ गए। 'होश में हो?'

'उस रात लाइट गई थी। दस मिनट अंधेरा था। मैं कमरे में थी। तुम दोनों बाहर थे। मुझे सब समझ आता है।'

असलियत यह थी कि रिपोर्ट देखकर स्नेहा डर गई थी और रोने लगी थी। महेन्द्र उसे पानी पिला रहे थे।लेकिन अंधेरा हमेशा सच नहीं दिखाता। कई बार वह डर दिखाता है।धीरे-धीरे कल्याणी के आरोप वही करने लगे जिससे वह डरती थी।अब महेन्द्र सचमुच स्नेहा के प्रति सजग रहने लगे।एक दिन कल्याणी ने सबके सामने स्नेहा का अपमान कर दिया। 'बहुत सेवा कर ली तुमने इस घर की!'

स्नेहा का चेहरा सफेद पड़ गया।वह ऊपर जाकर सामान पैक करने लगी।

कविता

व्यक्तित्व

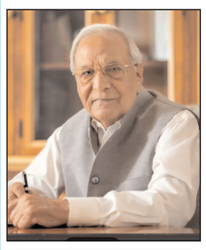

बी. एल. गौड़

एक आम बूढ़े आदमी के पास सब कुछ होता है
अगर कुछ नहीं होता तो उसका अपना
व्यक्तित्व नहीं होता ।

उसके पास
गिले शिकवे तो
बहुत होते हैं
पर, करें किस से ?
होने को तो उसके पास
अपने बहुत होते हैं
पर जिस से
कर सके शिकवा शिकायत
वह दूर दूर तक नहीं होता ।
यों तो करने को उसके पास
कुछ नहीं होता
लेकिन ऐसा भी नहीं
कि वह कुछ करना नहीं चाहता.
चाहकर भी वह
विचारों के भँवर से
बाहर निकलने में
कामयाब नहीं हो पाता ।
कहीं भी पहुँचने में
उसे अक्सर देर हो जाती है
इसका उसे बहुत मलाल होता है
उसके पास –
तमाम तकलीफें ,गिले शिकवे
पपड़ी जमे घाव,लकवा ग्रस्त दर्द
अहम और वहमों खा
एक बड़ा खजाना होता है
कहीं दूर से एक आवाज़ आती है –
फ़िक्र मत कर मेरे दोस्त
उस दिन तुझे
बिल्कुल भी देर नहीं होगी
जिस दिन ' वह '
सज सँवरकर
तुझे लेने आएगी
और इन तमाम तकलीफ़ों से
तुझे छुटकारा दिलाएगी
अच्छी बात है –
तू अंतिम साँस तक खुश रहता है
क्योंकि तुझे उसके आने का
गुमान तक नहीं होता ।

लघुकथा

खुलती राहें

संदीप तोमर

रोशनलाल की पत्नी को मरे काफ़ी समय हो गया था। उसकी मौत के समय बेटा बमुश्किल पाँच साल का था। उसने दूसरी शादी न करने का फ़ैसला किया और बच्चे को पढ़ाने-लिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। वक़्त को न मालूम क्या मंज़ूर था—बच्चे ने बारहवीं की परीक्षा पास की ही थी कि भारत मिल बंद होने की ख़बर जंगल की आग की तरह फैल गई। इस आग में न जाने कितने घर झुलसने की कगार पर आ गए थे। रोशनलाल उसी कपड़ा मिल में चौकीदार था।

मिल बंद हुई तो सभी वर्कर्स को मुआवज़े की रकम मिली। अधिकांश लोगों ने नई बस रही कॉलोनियों में सस्ती दरों पर प्लॉट खरीद लिए और उन्हीं प्लॉटों पर छोटे-मोटे रोज़गार भी शुरू कर दिए। रोशनलाल को बेटे के करियर की फ़िक्र सता रही थी। उसने मुआवज़े के पैसों से बेटे को विदेश पढ़ाई के लिए भेजने का विकल्प चुना और खुद किराए के कमरे में रहकर छोटे-मोटे काम करके गुज़र-बसर करने लगा।

चार-पाँच साल पढ़ाई करने के बाद बेटे ने विदेश में ही नौकरी शुरू कर दी। बेटा अब उसके अकाउंट में कभी-कभी कुछ पैसे भेज देता और कहता—'पिताजी, अब आपको छोटे-मोटे काम करने की ज़रूरत नहीं है। मैं आपको पैसे भेजता रहूँगा। जैसे ही मकान लूँगा, आपको भी यहीं बुला लूँगा।'

बेटे की बात सुनकर रोशनलाल का सीना फूल जाता। धीरे-धीरे बेटे ने पैसे भेजना बंद कर दिया। रोशनलाल को चिंता हुई, लेकिन उसने अपने अकाउंट में जमा बचत से गुज़ारा करना जारी रखा। बेटे से कोई शिकायत नहीं की।

एक दिन उसे एक अंतरराष्ट्रीय चिट्ठी मिली। खोलकर पढ़ा तो लिखा था—'पिताजी, मैंने शादी कर ली है। खर्चे बढ़ गए हैं, इसलिए आपके अकाउंट में पैसा भेज पाने में असमर्थ हूँ। आशा है, आप मेरी विवशता समझेंगे।'

रोशनलाल की आँखें मायूसी से नम हो गईं। वह गहरी चिंता में डूबा था कि तभी किसी ने उसके कमरे के बाहर से आवाज़ लगाई। वह बाहर आया तो देखा—पड़ोस में बन रही मल्टी-स्टोरी बिल्डिंग का बिल्डर था। उसने कहा— 'रोशनलाल, हमारी बिल्डिंग बनकर तैयार हो गई है। कुछ फ़्लैटों में परिवार रहने भी लगे हैं, कुछ में जल्दी ही आ जाएँगे। मुझे वहाँ एक गार्ड की ज़रूरत है। गार्ड रूम इस तरह बनाया गया है कि सोने, खाने और स्नान आदि की कोई परेशानी नहीं होगी। मैं तुम्हारे जैसे ईमानदार व्यक्ति को ही यह ज़िम्मेदारी देना चाहता हूँ। अगर तुम हाँ कहो तो...

रोशनलाल की आँखों में एक चमक उभरी। वह मन-ही-मन बुदबुदाया—'ईश्वर जब एक रास्ता बंद करता है, तो दूसरा रास्ता भी खोल देता है।'

उसने उत्तर में बस हाथ जोड़ दिए। उसकी आँखें ठेकेदार के प्रति कृतज्ञता व्यक्त कर रही थीं।

सम्पर्क: ड़ी 2/1 जीवन पार्क, उत्तम नगर नई दिल्ली 110059
मोबाइल: 8377875009
ईमेल आईडी: gangdhari.sandy@gmail.com

पुस्तक समीक्षा

सोचने पर विवश करती लघुकथाएँ

पं.श्याम बिहारी जोशी

'मन न बाँचे कोई' समकालीन हिंदी लघुकथा साहित्य का एक महत्त्वपूर्ण और बहुआयामी संकलन है, जिसमें विविध रचनाकारों की रचनात्मकता और संवेदनात्मक दृष्टि का सुंदर संगम देखने को मिलता है। शीर्षक अपने आप में गहरी दार्शनिक अनुभूति लिए हुए है–मनुष्य के मन की वे अनकही, अनपढ़ी परतें, जिन्हें कोई पूरी तरह नहीं समझ पाता। यही भाव इस संग्रह की अधिकांश लघुकथाओं में विभिन्न रूपों में अभिव्यक्त होता है।

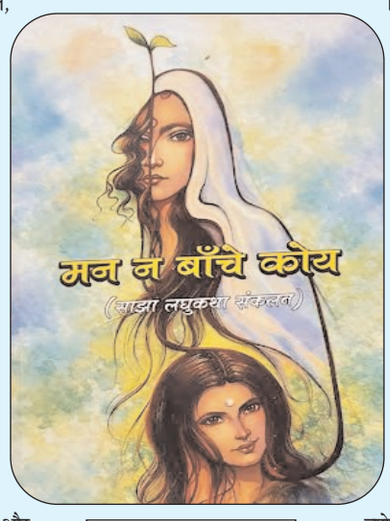

पुस्तक- मन न बाँचे कोय
प्रकाशन -अनुकृति प्रकाशन
संपादक-डॉ.जयश्री शर्मा
पृष्ठ-220, मूल्य-300

इस संग्रह की लघुकथाएँ केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे समाज का आईना प्रस्तुत करती हैं। इनमें बदलते पारिवारिक रिश्ते, पीढ़ियों के बीच बढ़ती दूरी, नारी के आत्मसम्मान और संघर्ष, सामाजिक विसंगतियाँ और नैतिक पतन, आधुनिक जीवन की विडंबनाएँ, तथा ग्रामीण और शहरी जीवन के द्वंद्व– जैसे अनेक विषयों को अत्यंत सूक्ष्मता और प्रभाव के साथ प्रस्तुत किया गया है। लघुकथा की संक्षिप्तता के बावजूद, इन रचनाओं में भावों की तीव्रता और संदेश की स्पष्टता पाठक को गहराई तक प्रभावित करती है। कई कथाएँ अपने अंत में ऐसा मोड़ (ट्विस्ट) देती हैं जो पाठक को चौंकाने के साथ-साथ सोचने पर विवश कर देता है।

इस संग्रह की सबसे बड़ी शक्ति इसकी बहु-रचनाकार संरचना है। इसमें डॉ. योगिता जोशी की ग्यारह लघुकथाएँ शामिल हैं, जो अपने गहन भावबोध और सहज अभिव्यक्ति के कारण विशेष स्थान रखती हैं।

इनकी सभी लघुकथाएँ मैंने पढ़ी हैं दो कारणों से एक तो सभी लघुकथाएँ बहुत ही शिक्षाप्रद एवं प्रेरित करने वाली होने के साथ साथ लघुकथा का जो मूलभूत पैमाना है -गागर में सागर भरना,उस पर डॉ.योगिता की सभी लघुकथाएँ खड़ी उतरती हैं । ग्यारह लघुकथाओं में से जो सबसे ज़्यादा दिल को छूती है वो है-डिजिटल बाबूजी,शरारतें ऑफलाइन थी और गूगल माँ ।

डॉ. योगिता की ग्यारह लघुकथाएँ इस संग्रह का एक सशक्त स्तंभ हैं। उनकी लेखनी की सबसे बड़ी विशेषता है–सरलता में गहराई। वे बिना किसी जटिल भाषा या अलंकरण के, सीधे पाठक के हृदय तक पहुँचती हैं। उनकी रचनाओं में नारी मन की पीड़ा और आत्मबल, परिवार के भीतर छिपी संवेदनाएँ, समाज की सूक्ष्म विसंगतियाँ, तथा मानवीय मूल्यों की पुनर्स्थापना की आकांक्षा स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होती है। उनकी कई लघुकथाएँ ऐसी हैं, जो पढ़ने के बाद देर तक मन में गूँजती रहती हैं और पाठक को आत्मचिंतन के लिए प्रेरित करती हैं।

नीलिमा टिक्कू की लघुकथा -भारतीय, भारतवासी होने का गर्व दर्शाती है वही उनकी लघुकथा 'निर्णय ' ढाई पृष्ठ की है जो लघुकथा कम और लघुकहानी का ज़्यादा आभास करती है ।आरती भदौरिया की इस संग्रह में छः लघुकथाएँ हैं ,सभी अच्छी हैं, जिनमें से स्पर्श अपना-सा में दादी -पोती के खूबसूरत रिश्ते को दिखाया गया है जो दिल को सुकून देता है ।कविता माथुर की सभी लघुकथाएँ बेहद सुंदर हैं परन्तु सिर्फ़ एक माँ ,दिल को अनायास ही छू जाती है ।अन्य रचनाकारों में रंजना जायसवाल, कंचना सक्सेना, ज्योत्सना सक्सेना, अशोक अजनबी, वीना करमचंदानी, अर्चना त्यागी तथा प्रबोध गोविल जैसे रचनाकारों की उपस्थिति इस संग्रह को बहुआयामी बनाती है।

हर लेखक की अपनी शैली, दृष्टि और कथ्य है–कोई व्यंग्य के माध्यम से चोट करता है, तो कोई भावुकता के माध्यम से हृदय को छूता है। यह विविधता पाठक को एकरसता से बचाकर निरंतर नवीन अनुभव प्रदान करती है। संग्रह की भाषा सहज, संप्रेषणीय और प्रभावशाली है। लघुकथा विधा के अनुरूप शब्दों की मितव्ययिता के साथ गहन अर्थ प्रस्तुत करना इस संकलन की प्रमुख उपलब्धि है संवाद छोटे लेकिन प्रभावी हैं अंत प्रायः मारक (impactful) हैं प्रतीक और बिंबों का सटीक प्रयोग हुआ है।

कथाओं में अनावश्यक विस्तार नहीं है, जिससे पाठक की रुचि बनी रहती है और संदेश सीधे मन तक पहुँचता है।

'मन न बाँचे कोई' केवल एक साहित्यिक संकलन नहीं, बल्कि यह समाज और मानवीय मनोविज्ञान का दर्पण है। यह संग्रह पाठक को स्वयं के भीतर झाँकने और आसपास के परिवेश को नए दृष्टिकोण से देखने के लिए प्रेरित करता है।

निष्कर्षतः, यह पुस्तक लघुकथा प्रेमियों के लिए एक मूल्यवान कृति है। इसमें न केवल साहित्यिक गुणवत्ता है, बल्कि सामाजिक चेतना और मानवीय संवेदना का भी गहरा स्पर्श है।

व्यंग्य

प्रतिभा और प्रतिमा

अख्तर अली

पहले प्रतिभा की प्रतिमा स्थापित कर प्रतिभा का सम्मान किया जाता था । फिर पृथ्वी पर नई प्रतिभा अवतरित हुई और उसने मूल्यांकन का पैमाना बदल दिया । अब ऐसी भी प्रतिमा है जिसमें प्रतिभा नहीं और ऐसी भी प्रतिभा हुई है जिसकी कहीं प्रतिमा नहीं है ।

पहले प्रतिभा और प्रतिमा का गहरा रिश्ता था अब रिश्तों में दरार पैदा कर दी गई है । हालात इस कदर बिगड़े कि प्रतिमा से प्रतिभा अलग हो गई । गुज़रे वक्त में आदमी पहले अपनी प्रतिभा साबित करता था बाद में उसकी प्रतिमा स्थापित की जाती थी मौजूदा समय में प्रतिमा पहले स्थापित की जाती है बाद में उसकी प्रतिभा खोजी जाती है ।

जब से प्रतिमा और प्रतिभा में अलगाव हुआ है प्रतिमा निर्माण में तेज़ी आई है ।अब इसमें सिर्फ बनाना है अब यह क्यों बनाना के प्रश्न से मुक्त है । अब अप्रमाणित प्रतिभा की भी प्रतिमा बनाई जा सकती है । आप जिस विचारधारा से असहमत है उस विचारधारा के पक्ष में किसी ने सैकड़ो वर्ष पहले भी प्रचार किया हो जब आप का जन्म भी नहीं हुआ था तो पछताने की कोई ज़रूरत नहीं है आप आज भी उसकी प्रतिमा बनवाकर उसे अपमानित कर सकते है । किसी के मुंह पर उसका अपमान करना , उसके सामने उसकी उपेक्षा करना तो उसका क्षणिक अपमान होगा ।

यदि आप चाहते हैं कि आने वाली नस्ले तक उसका अपमान करे , यह सिलसिला थमे नहीं , कहानी चलते रहे , फिल्म जारी रहे तो उसकी प्रतिमा लगाओ । प्रतिमा लगने से आस पास के लोगो को कचरा फेकने के लिये अच्छा स्थान मिल जाता है । शुरू शुरू में लोग वहां कचरा नहीं फेकते हैं फिर आप वहां लिखवाओ कि यहां कचरा न फेके फिर देखिये देखते ही देखते वहां कचरे का ढेर लग जायेगा । अगर यह भी लिख दिया कि यहां पेशाब करना मना है फिर तो ..... । शुरू शुरू में लोग झिझकते है लेकिन अभ्यास के बाद यह नियमित कार्य हो जाता है ।

यह निर्माण और विध्वंस का मजेदार खेल हो गया है । प्रतिमा के लिये हमारे मन में कितनी नफ़रत और कुंठा है यह उसके प्रति उपेक्षा से पता चलता है । स्थापक चुप रहता है और प्रतिमा के नीचे जुआड़ी और शराबियों की महफिले जमने लगती है , प्रतिमा पर पेशाब कर दी जाती है , उसका चश्मा और लाठी तोड़ दी जाती है , उसके मुंह पर कालिख पोत देते है ।

अपमान का सिलसिला यही समाप्त नहीं होता अब यातायात में व्यवधान के नाम पर प्रतिमा का स्थान परिवर्तन किया जायेगा । इधर से उधर तक की यात्रा में प्रतिमा का कद घट जाता है । जो आदमकद थी वह पासपोर्ट साईज़ की फोटो जितनी हो जाती है । स्थान परिवर्तन के पक्ष और विरोध में लोग डट जायेगे एक बार में करोड़ो लोगो की आस्था खंडित करना है तो एक प्रतिमा खंडित करो ।

प्रतिमा का अपमान करना नफ़रत और हिंसा के व्यवसाय का नया प्रारूप है । यह अनियोजित नहीं बल्कि सुनियोजित और प्रायोजित कार्यक्रम होता है । प्रतिमा में भी प्रतिभा होती है यह बाढ़ और भूकंप जैसा कहर बरपा सकती है ।

प्रतिमा स्थापित वाला क्षेत्र संवेदनशील क्षेत्र हो जाता है । बिल्डर अपने विज्ञापन में यह भी कह सकते है कि हमारे द्धारा विकसित की गई कालोनी में दूर दूर तक कोई प्रतिमा नहीं है । इज़्ज़तदार लोगो को यही चिंता खाये जा रही है कि उनकी मृत्यु के बाद कोई उनकी प्रतिमा न स्थापित कर दे.

निकट मेडी हेल्थ हास्पिटल
आमानाका , रायपुर (छत्तीसगढ़)
मो.न. 9826126781

कविता

समय

मोनिका डागा 'आनंद'

हर पल बड़ा, बलवान है, सबका समय, भगवान है।
मेहनत से, मुस्कान है, सुंदर बने, दिनमान है।।
हिम्मत कर, विश्वास रख, मेहनत का, परिणाम चख।
रख हौसला, पाले विजय, कर साधना, हो दिग्विजय।।
छू ले गगन, सपना सजा, श्रम गीत गा, बाजा बजा।
सीढ़ी बना, विस्तार दे, नूतन सपन, आकार दे।।
सम्मान कर, तू काल का, चलते समय, गतिमान का।
थमता नहीं, डरना नहीं, बाधा कहीं, मुश्किल कहीं।।
राही कदम, रखना सही, मंज़िल मिले, इच्छित वही।
हर पल यहाँ, तो दौड़ हैं, सुख-दुख समय, का जोड़ हैं।।
कमजोर क्यूँ, इतना बना, तू है निडर, उर को मना।
होगी विजय, इस प्यास की, आत्मिक सुखद, विश्वास की।।
जगती सदा, आशा वहीं, जो धैर्य को, छोड़े नहीं।
तू समझ लें, इस बात को, पा सुखद सी, सौगात को।।
बीता समय, वापस कभी, आता नहीं, रोते सभी।
मौका मिले, कल हों नहीं, चिंता सदा, रहती वहीं।।
राहें बने , व्यहवार से, स्वीकृति सहज, स्वीकार से ।
आगे निकल, छोड़कर दुख, 'आनंद' भर, जीतकर सुख।।
तू मत बिखर, कर प्यार कुछ, करता समय, ही कुछ न कुछ।
भीतर जगा, उस चाह को, तू सीख जा, उस वाह को।।
गतिमय समय, पल-पल घटे, खुश हो चला, संकट छटे।
कीमत समझ, कर जो चलें, शुभ ही सदा, प्रतिफल मिलें ।

चेन्नई

दोहे

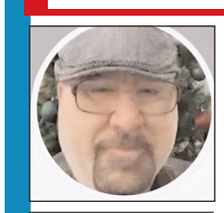

अशोक मतवाला

1 फोटो भेजी देव की, हर दिन बारंबार।
घर में बैठे बाप से, न राम-राम न प्यार॥
2 मोबाइल में भक्ति है , हैं संदेश भरमार।
दो बोल माँ बाप संग लगते उनको भार॥
3 मंदिर जाकर माँगते, सुख-समृद्धि अपार।
पर बूढ़े माँ-बाप से, करते रोज़ तकरार॥
4 झूठ यहाँ ऊँचा खड़ा, सच रहता लाचार।
फिर भी सच की रोशनी, करती जग उजियार॥
5 कुर्सी का है नशा बड़ा, भूल गए व्यवहार।
कल तक जो थे मित्र सब, आज हुए दरबार॥
6धन के पीछे दौड़ते, भूल गए परिवार।

इस हफ्ते सेंसेक्स और निफ्टी में आई 2 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और वैश्विक तनाव से निवेशकों में चिंता

मुंबई। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के बीच भारतीय शेयर बाजार में एक और सप्ताह भारी गिरावट दर्ज की गई और प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी 2 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट के साथ बंद हुए।

इस सप्ताह एनएसई निफ्टी 50 2.2 प्रतिशत यानी 532 अंक गिरकर पिछले शुक्रवार के बंद भाव के मुकाबले 23,643.5 पर बंद हुआ, तो वहीं बीएसई सेंसेक्स 2.7 प्रतिशत यानी 2,000 अंकों से ज्यादा टूटकर 75,238 पर बंद हुआ।

इस बीच, व्यापक बाजार पर और ज्यादा दबाव देखने को मिला। मिडकैप इंडेक्स में 2 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई, जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स करीब 4 प्रतिशत टूट गया।

सेक्टोरल आधार पर रियल्टी शेयर सबसे ज्यादा दबाव में रहे। बीएसई रियल्टी के शेयरों में करीब 8 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली।

इसके अलावा, आईटी शेयरों पर भी दबाव बना रहा, बीएसई आईटी इंडेक्स में 5.7 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके बाद ऑटो, कैपिटल गुड्स और कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर के शेयरों में भी कमजोरी देखी गई। बैंकिंग और पीएसयू शेयरों में भी बिकवाली का दबाव रहा। बीएसई बैंकेक्स और बीएसई पीएसयू, दोनों में करीब 3-3 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

हालांकि, कुछ डिफेंसिव सेक्टर बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहे, जिसमें बीएसई मेटल में 1.5 प्रतिशत की बढ़त रही, जबकि हेल्थकेयर शेयरों में 1.4 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई।

30 शेयरों वाले सेंसेक्स पैक में टाइटन कंपनी सबसे बड़ा नुकसान झेलने वाला शेयर रहा, जिसमें 7.6 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज, टेक महिंद्रा और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में भी कमजोरी रही।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, पश्चिम एशिया तनाव में कोई ठोस कमी नहीं आने और उसके कच्चे तेल की कीमतों, महंगाई और रुपए पर असर को लेकर निवेशकों में चिंता बनी हुई है।

विशेषज्ञों ने कहा कि ऊंचे कच्चे तेल के दाम, वैश्विक बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी और अमेरिकी डॉलर की मजबूती का असर उभरते बाजारों पर पड़ रहा है, जिसके चलते विदेशी निवेशकों की बिकवाली और मुद्रा पर दबाव देखने को मिल रहा है।

विश्लेषकों का कहना है कि थोक महंगाई में बढ़ोतरी, ईंधन कीमतों का असर और ऊंची बॉन्ड यील्ड ने भविष्य की मौद्रिक नीति और आर्थिक स्थिरता को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं।

वैश्विक संकेत भी कमजोर बने रहे क्योंकि पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के कोई संकेत नहीं मिले।

इसके अलावा, होर्मुज जलडमरूमध्य में सप्लाई बाधित होने की आशंका के कारण ब्रेंट क्रूड की कीमतें 105 से 110 डॉलर प्रति बैरल के बीच बनी रहीं।

हालांकि बाजार में गिरावट के बावजूद घरेलू संस्थागत निवेशकों ने बाजार को कुछ सहारा दिया। मजबूत रिटेल निवेश और व्यवस्थित निवेश योजना (एसआईपी) के जरिए लगातार निवेश बाजार के लिए समर्थन बना रहा।

बिहार: मुजफ्फरपुर, किशनगंज में खुलेगी सीमेंट फैक्ट्री, हाजीपुर में बनेगा एनआईएफटीईएम

पटना । बिहार में विधानसभा चुनाव के बाद बनी एनडीए सरकार प्रदेश में युवाओं की नौकरी और रोजगार को लेकर लगातार प्रयास कर रही है। इसके तहत राज्य में उद्योगों को बढ़ाने को लेकर भी सरकार सजग है। इस बीच, बिहार सरकार ने मुजफ्फरपुर और किशनगंज में नई सीमेंट फैक्ट्रियों तथा हाजीपुर में राष्ट्रीय स्तर के फूड प्रोसेसिंग संस्थान की स्थापना को मंजूरी दी है।

इसकी जानकारी बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने स्वयं दी है। मुख्यमंत्री ने शनिवार को सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर इसकी जानकारी साझा करते हुए लिखा कि बिहार में औद्योगिक निवेश का नया अध्याय शुरू हो चुका है। उन्होंने आगे लिखा, 'राज्य निवेश प्रोत्साहन बोर्ड (एसआईपीबी) की 67वीं बैठक में मुजफ्फरपुर और किशनगंज में डालमिया और अंबुजा सीमेंट की बड़ी इकाइयों को स्वीकृति दी गई है।'

मुख्यमंत्री ने कहा कि साथ ही 16 परियोजनाओं को स्टेज-1 क्लीयरेंस और 4 परियोजनाओं को वित्तीय मंजूरी मिली है। सीमांचल के युवाओं को अब रोजगार के लिए घर छोड़ने की जरूरत नहीं, उद्योग खुद उनके द्वार तक आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार बदल रहा है, क्योंकि हमारा संकल्प अटल है, विकसित बिहार, समृद्ध बिहार। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने यह भी कहा कि बिहार को फूड प्रोसेसिंग का राष्ट्रीय केंद्र बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। वैशाली जिले के हाजीपुर में देश के तीसरे एनआईएफटीईएम राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी, उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान की स्थापना को मंजूरी दी गई है। यह संस्थान 100 एकड़ में विकसित होगा।

सरकार का कहना है कि यह संस्थान खाद्य प्रसंस्करण, रिसर्च, तकनीकी शिक्षा और उद्यमिता को नई ऊंचाई देगा और हमारे किसानों, युवाओं और उद्यमियों के लिए नए अवसरों के द्वार खोलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार का संकल्प स्पष्ट है, नए अवसर, नई रफ्तार, और समृद्ध बिहार। सरकार का मानना है कि इन योजनाओं के आने के बाद यहाँ के युवाओं को रोजगार की तलाश में दिल्ली, मुंबई और अन्य राज्यों की ओर पलायन करने के बजाय हजारों की संख्या में युवाओं को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

सोने का दाम एक हफ्ते में 8 हजार रुपए से अधिक बढ़ा, चांदी 2.68 लाख रुपए के पार

नई दिल्ली। सोने और चांदी की कीमतों में इस हफ्ते तेजी देखने को मिली है। सोने का दाम 8,100 रुपए प्रति 10 ग्राम से अधिक और चांदी की कीमतों में 12,900 रुपए प्रति किलो का इजाफा हुआ है।

इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम बढ़कर 1,58,210 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पिछले हफ्ते इसी दिन 1,51,078 रुपए प्रति 10 ग्राम था। यह दिखाता है कि सोने की कीमतों में बीते एक हफ्ते के दौरान 8,132 रुपए प्रति 10 ग्राम का इजाफा हुआ है।

22 कैरेट सोने का दाम बढ़कर 1,44,920 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,38,387 रुपए प्रति 10 ग्राम था। वहीं, 18 कैरेट सोने की कीमत 1,13,309 रुपए प्रति 10 ग्राम से बढ़कर 1,18,658 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है। सोने के साथ चांदी की कीमतों में भी तेजी बनी हुई है। चांदी की कीमत एक हफ्ते में 12,900 रुपए बढ़कर 2,68,500 रुपए प्रति किलो हो गई है, जो कि बीते हफ्ते 2,55,600 रुपए प्रति किलो थी।

इस हफ्ते के दौरान हाजिर बाजार में 24 कैरेट के सोने ने 14 मई को सुबह के सत्र में 1,61,349 रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम भाव छुआ। वहीं, न्यूनतम भाव 11 मई को 1,49,677 रुपए प्रति 10 ग्राम शाम के सत्र में देखा गया।

चांदी ने 14 मई को सुबह के सत्र में 2,87,350 रुपए प्रति किलो का उच्चतम भाव छुआ। वहीं, न्यूनतम भाव 11 मई को 2,55,300 रुपए प्रति किलो सुबह के सत्र में देखा गया। आईबीजेए द्वारा सुबह और शाम के सत्र में दो बार कीमतें जारी की जाती हैं।

इस हफ्ते सोने-चांदी की कीमतों में तेजी की वजह मोदी सरकार की ओर से कीमती धातुओं पर आयात शुल्क को (सेस सहित) बढ़कर 15 प्रतिशत करना था, जो कि पहले 6 प्रतिशत था।

पेट्रोल-डीजल महंगा होते ही गिग वर्कर्स का बड़ा विरोध, 20 रुपये प्रति किलोमीटर की मांग, 5 घंटे तक ऐप बंद का ऐलान

नई दिल्ली। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी के खिलाफ अब देशभर के गिग और ऐप आधारित वर्कर्स में नाराजगी बढ़ती जा रही है। गिग और प्लेटफॉर्म सेवा श्रमिक संघ (जीआईपीएसडब्ल्यूयू) ने सरकार और डिजिटल प्लेटफॉर्म कंपनियों के खिलाफ बड़ा विरोध प्रदर्शन शुरू करने का ऐलान किया है।

यूनियन ने मांग की है कि ऐप आधारित डिलीवरी और ट्रांसपोर्ट वर्कर्स को कम से कम 20 रुपये प्रति किलोमीटर का भुगतान किया जाए। साथ ही शनिवार को दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक देशभर में ऐप सेवाओं के अस्थायी बंद का आह्वान किया गया है।

यूनियन का कहना है कि 15 मई को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में करीब 3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी ने लाखों गिग वर्कर्स की आर्थिक मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। जीआईपीएसडब्ल्यूयू के मुताबिक यह लगभग चार साल बाद ईंधन कीमतों में पहली बड़ी राष्ट्रीय स्तर की बढ़ोतरी है।

यूनियन ने कहा कि देश में करीब 1.2 करोड़ गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स सीधे तौर पर इस फैसले से प्रभावित होंगे। इनमें फूड डिलीवरी, ट्रांसपोर्ट, लॉजिस्टिक्स और अन्य ऐप आधारित सेवाओं से जुड़े लोग शामिल हैं।

जीआईपीएसडब्ल्यूयू ने ईंधन कीमतों में बढ़ोतरी के पीछे अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को जिम्मेदार बताया है। यूनियन की अध्यक्ष सीमा सिंह ने कहा कि पेट्रोल-डीजल महंगा होने के साथ-साथ एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में पहले हुई बढ़ोतरी ने भी कामगारों पर भारी आर्थिक दबाव डाला है।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर जल्द भुगतान संरचना में बदलाव नहीं किया गया, तो बड़ी संख्या में गिग वर्कर्स इस क्षेत्र को छोड़ने पर मजबूर हो सकते हैं। सीमा सिंह ने सरकार और स्विगी, जोमैटो और ब्लिंकिट जैसी कंपनियों से मांग की कि डिलीवरी और ट्रांसपोर्ट वर्कर्स के लिए न्यूनतम 20 रुपए प्रति किलोमीटर सेवा दर तय की जाए।

उन्होंने कहा कि इन प्लेटफॉर्म्स से जुड़े कर्मचारी लंबे समय तक तेज गर्मी और खराब मौसम में मोटरसाइकिल और स्कूटर चलाकर काम करते हैं, इसलिए बढ़ती ईंधन कीमतों का सबसे ज्यादा असर इन्हीं पर पड़ रहा है।

ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी से तेल कंपनियों को 52,700 करोड़ रुपए की राहत मिलने की संभावना: रिपोर्ट

नई दिल्ली। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में हाल ही में की गई 3 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी से सरकारी तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) के बढ़ते घाटे में कमी आने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस फैसले से कंपनियों को लगभग 52,700 करोड़ रुपए की राहत मिल सकती है।

एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट में कहा गया है कि यह राहत वित्त वर्ष 2026-27 में ओएमसी के अनुमानित कुल घाटे का करीब 15 प्रतिशत है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पेट्रोल और डीजल पर अंडर-रिकवरी लगातार बढ़ रही थी क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमतें बढ़ने के बावजूद खुदरा ईंधन कीमतों में लंबे समय तक बदलाव नहीं किया गया। सरकार के अनुमान के अनुसार, तेल कंपनियों को रोजाना करीब 1,000 करोड़ रुपए और सालाना लगभग 3.6 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ईंधन कीमतों में बढ़ोतरी का सालाना तेल खपत पर ज्यादा असर पड़ने की संभावना नहीं है।

पिछले अनुभव बताते हैं कि कीमत बढ़ने के तुरंत बाद खपत में थोड़ी गिरावट आती है, लेकिन बाद में पूरे साल के दौरान मांग फिर सामान्य हो जाती है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि मई-जून 2026 के दौरान उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई पर इसका तत्काल असर करीब 15 से 20 बेसिस पॉइंट तक हो सकता है।

इसी वजह से वित्त वर्ष 2026-27 के लिए महंगाई दर का अनुमान बढ़ाकर 4.7 प्रतिशत कर दिया गया है। हालांकि, रिपोर्ट में कहा गया कि इस बढ़ोतरी का सरकार की वित्तीय स्थिति पर सीधा असर नहीं पड़ेगा।

गौरतलब है कि इससे पहले सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपए की कटौती की थी ताकि तेल कंपनियों को राहत मिल सके। इस फैसले से केंद्र सरकार को करीब 1.1 लाख करोड़ रुपए के राजस्व का नुकसान हुआ था।

रिपोर्ट में कहा गया कि अगर ओएमसी को राहत देने के लिए एक्साइज ड्यूटी को फिर से शून्य किया जाता है, तो इससे केंद्र सरकार को लगभग 1.9 लाख करोड़ रुपए और राज्यों को करीब 80,000 करोड़ रुपए का नुकसान हो सकता है।

रिपोर्ट में इस बात पर चिंता जताई गई है कि अगर रुपए में और कमजोरी आती है तो ईंधन कीमत बढ़ोतरी से मिलने वाला फायदा खत्म हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, अगर डॉलर के मुकाबले रुपया वित्त वर्ष 2026-27 के औसत 94 रुपए से और 2 रुपए कमजोर होता है, तो घरेलू ईंधन कीमत बढ़ोतरी से मिलने वाला पूरा लाभ समाप्त हो जाएगा।

रिपोर्ट में कहा गया, 'रुपया पहले ही एक महत्वपूर्ण गिरावट के स्तर के करीब पहुंच चुका है। इससे आगे अगर मुद्रा में और कमजोरी आती है, तो घरेलू ईंधन कीमत संशोधन से मिलने वाला फायदा काफी हद तक कम हो सकता है।

अमेरिका-ईरान तनाव के चलते इस सप्ताह कच्चे तेल की कीमतों में आई 8 प्रतिशत तक की उछाल

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के चलते इस सप्ताह वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल देखने को मिला। शुक्रवार को कारोबार के अंत में प्रमुख बेंचमार्क क्रूड कॉन्ट्रैक्ट 3 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त के साथ बंद हुए।

तनाव बढ़ने से होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर निकट भविष्य में किसी तरह के समाधान की उम्मीद कमजोर पड़ गई है, जो दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल परिवहन मार्गों में से एक है।

शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड वायदा 3.54 डॉलर यानी 3.35 प्रतिशत बढ़कर 109.26 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। वहीं, अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 4.25 डॉलर यानी 4.2 प्रतिशत बढ़कर 105.42 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

पूरे सप्ताह के दौरान ब्रेंट क्रूड में 7.84 प्रतिशत और डब्ल्यूटीआई में 10.48 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। बाजार में ईरान संघर्ष के बीच नाजुक युद्धविराम और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने की आशंका को लेकर चिंता बनी रही।

निवेशकों की चिंता तब और बढ़ गई जब ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराकची ने कहा कि तेहरान को अमेरिका पर 'कोई भरोसा नहीं' है और ईरान तभी बातचीत करेगा जब वॉशिंगटन गंभीरता दिखाएगा।

उन्होंने यह भी कहा कि ईरान दोबारा संघर्ष और कूटनीतिक बातचीत, दोनों के लिए तैयार है। यह बयान ऐसे समय आया जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर नाराजगी जताई और दोहराया कि तेहरान को परमाणु हथियार विकसित करने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

ट्रंप ने यह भी कहा कि ईरान को होर्मुज जलडमरूमध्य फिर से खोलना चाहिए। इस मार्ग से दुनिया की करीब 20 प्रतिशत तेल और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) आपूर्ति गुजरती है। यह जलडमरूमध्य सऊदी अरब, इराक और कतर जैसे खाड़ी देशों के लिए मुख्य निर्यात मार्ग है। इसलिए इसमें किसी भी तरह की रुकावट वैश्विक ऊर्जा बाजार के लिए बड़ी चिंता मानी जा रही है।

बाजार को पहले उम्मीद थी कि ईरान और उसके प्रतिद्वंद्वियों के बीच युद्धविराम से क्षेत्र में जहाजों की आवाजाही सामान्य हो जाएगी। हालांकि, वॉशिंगटन और तेहरान की हालिया बयानबाजी के बाद जलडमरूमध्य जल्द खुलने की उम्मीद काफी कम हो गई है, जिससे लंबे समय तक आपूर्ति प्रभावित रहने का डर बढ़ गया है।

महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर ने टाटा ट्रस्ट्स को बोर्ड बैठक स्थगित करने का दिया निर्देश

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के चैरिटी कमिश्नर ने टाटा ट्रस्ट्स को शनिवार को होने वाली एक अहम बोर्ड बैठक स्थगित करने का निर्देश दिया है। यह फैसला सर रतन टाटा ट्रस्ट (एसआरटीटी) के ट्रस्टी बोर्ड की संरचना में कथित नियम उल्लंघन को लेकर मिली शिकायतों के बाद लिया गया।

एक बयान में टाटा ट्रस्ट्स ने कहा कि यह आदेश एकतरफा (एक्स-पार्टी) तरीके से जारी किया गया है और यह केवल सर रतन टाटा ट्रस्ट पर लागू होता है।

टाटा ट्रस्ट्स ने कहा, 'चैरिटी कमिश्नर कार्यालय से मिले निर्देशों की सर रतन टाटा ट्रस्ट द्वारा जांच की जा रही है।'

यह बैठक इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही थी क्योंकि इसमें टाटा संस से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना थी। इनमें कंपनी की संभावित लिस्टिंग, चेयरमैन एन चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति और अन्य नॉमिनी डायरेक्टर्स से जुड़े विषय शामिल थे।

यह बैठक पहले 8 मई को होने वाली थी, लेकिन बाद में इसे 16 मई तक के लिए टाल दिया गया था।

टाटा ट्रस्ट्स ने यह भी कहा कि यह निर्देश बिना किसी पूर्व सूचना या एसआरटीटी को अपना पक्ष रखने का मौका दिए जारी किया गया।

महाराष्ट्र के चैरिटी कमिश्नर अमोघ एस. कालोटी ने कहा कि एसआरटीटी के ट्रस्टी बोर्ड की संरचना को लेकर मिली शिकायतों के बाद जांच जारी है।

आदेश में यह भी कहा गया है कि जब तक इंस्पेक्टर की जांच रिपोर्ट जमा नहीं हो जाती, तब तक ट्रस्ट इस तरह की कोई बैठक आयोजित न करे।

वकील कात्यायनी अग्रवाल, जिन्होंने चैरिटी कमिश्नर से हस्तक्षेप की मांग की थी, ने कहा कि जांच पूरी होने तक टाटा ट्रस्ट्स को भविष्य की सभी बोर्ड बैठकें स्थगित करने के लिए कहा गया है।

उन्होंने बताया कि मामले में नियुक्त इंस्पेक्टर जांच करेगा और अपनी रिपोर्ट चैरिटी कमिश्नर को सौंपेगा। अग्रवाल ने 18 अप्रैल को चैरिटी कमिश्नर से संपर्क किया था। सितंबर 2025 में लागू किए गए संशोधित प्रावधान के अनुसार, किसी ट्रस्ट के कुल बोर्ड में स्थायी या आजीवन ट्रस्टियों की संख्या 25 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकती। सर रतन टाटा ट्रस्ट के पास टाटा संस में 23.6 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जो 180 अरब डॉलर से अधिक मूल्य वाले टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी है। शिकायत के अनुसार, एसआरटीटी में फिलहाल छह ट्रस्टी हैं, जिनमें जिमी नवल टाटा, जहांगीर एचसी जहांगीर और नोएल नवल टाटा आजीवन ट्रस्टी हैं।

क्या क्रिएटिन पीने से झड़ते हैं बाल? जिम जाने वाले हो जाएं सावधान

क्रिएटिन एक नेचुरल कंपाउंड है, जो हमारे शरीर में भी बनता है और मांसपेशियों को ऊर्जा देने में अहम भूमिका निभाता है। खासतौर पर हाई-इंटेंसिटी वर्कआउट जैसे वेट ट्रेनिंग या स्प्रिंट के दौरान यह शरीर को तुरंत ऊर्जा उपलब्ध कराता है। यही वजह है कि जिम जाने वाले लोग इसे सप्लीमेंट के रूप में लेते हैं, ताकि उनकी ताकत, स्टैमिना और ओवरऑल परफॉर्मेंस बेहतर हो सके।

हेल्थलाइन की रिपोर्ट के अनुसार, क्रिएटिन और हेयर फॉल के बीच संबंध की चर्चा एक छोटे से रिसर्च के बाद शुरू हुई थी। इस अध्ययन में यह पाया गया कि क्रिएटिन लेने से शरीर में DHT (डाइहाइड्रोटेस्टोस्टेरोन) नामक हार्मोन का स्तर बढ़ सकता है। DHT को Androgenetic Alopecia यानी पैटर्न बाल्डनेस से जोड़ा जाता है। हालांकि, इस रिसर्च में कहीं भी सीधे तौर पर यह साबित नहीं हुआ कि क्रिएटिन लेने से बाल झड़ने लगते हैं।

क्या सच में क्रिएटिन से होता है हेयर फॉल?

अब तक के ज्यादातर वैज्ञानिक शोध इस बात की पुष्टि नहीं करते कि क्रिएटिन सीधे तौर पर बाल झड़ने का कारण बनता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, अगर किसी व्यक्ति में पहले से ही जेनेटिक हेयर लॉस की समस्या है, तो DHT का बढ़ा हुआ स्तर इस प्रक्रिया को थोड़ा तेज कर सकता है। लेकिन यह हर व्यक्ति के साथ नहीं होता। यानी जिन लोगों में बाल झड़ने की पारिवारिक समस्या नहीं है, उनमें क्रिएटिन से हेयर फॉल होने की संभावना काफी कम होती है।

क्रिएटिन के फायदे भी जान लें

क्रिएटिन सिर्फ एक सप्लीमेंट नहीं, बल्कि फिटनेस के लिहाज से काफी असरदार माना जाता है। यह मसल्स रिकवरी को तेज करता है, वर्कआउट के दौरान एनर्जी लेवल बढ़ाता है और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग में बेहतर रिजल्ट देने में मदद करता है। यही कारण है कि यह दुनियाभर में सबसे ज्यादा इस्तेमाल किए जाने वाले सप्लीमेंट्स में शामिल है।

क्रिएटिन लेने का सही तरीका क्या है

कई लोग क्रिएटिन लेने के समय और तरीके को लेकर कन्फ्यूज रहते हैं। कुछ लोग इसे खाली पेट वर्कआउट से पहले ले लेते हैं, जो हर किसी के लिए सही नहीं होता। बेहतर यह है कि इसे किसी मील के साथ या वर्कआउट के बाद लिया जाए, ताकि शरीर इसे आसानी से एब्जॉर्ब कर सके। इसके साथ ही पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बेहद जरूरी है, क्योंकि क्रिएटिन शरीर में पानी की जरूरत बढ़ा सकता है।

केदारनाथ यात्रा की योजना बना रहे हैं? ट्रेक से पहले ये जरूरी हेल्थ चेक्स न करें नजरअंदाज

केदारनाथ धाम यात्रा शुरू हो चुकी है, लेकिन शुरुआत में ही चिंताजनक खबरें सामने आई हैं। एक 69 वर्षीय श्रद्धालु की पहले ही दिन हार्ट अटैक से मौत हो गई, जबकि एक अन्य घटना में 32 वर्षीय युवक की सोनप्रयाग में दिल का दौरा पड़ने से जान चली गई। इन लगातार घटनाओं ने एक बार फिर अहम सवाल खड़ा कर दिया है।

केदारनाथ ट्रेक कितना चुनौतीपूर्ण है?

केदारनाथ मंदिर तक पहुंचने का रास्ता सिर्फ आध्यात्मिक ही नहीं, बल्कि शारीरिक रूप से भी काफी कठिन है। गौरीकुंड से लगभग 16-18 किलोमीटर लंबा ट्रेक है, जिसमें खड़ी चढ़ाई, ऊबड़-खाबड़ रास्ते और 11,000 फीट से अधिक ऊंचाई शामिल है।

इस ऊंचाई पर ऑक्सीजन का स्तर कम हो जाता है, जिससे शरीर को सामान्य गतिविधियां करने के लिए भी ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। लंबे समय तक चलना, बदलता मौसम और भीड़—ये सभी मिलकर दिल और फेफड़ों पर दबाव बढ़ा सकते हैं, खासकर बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों में।

यात्रा के दौरान हेल्थ इमरजेंसी क्यों होती हैं?

ऐसी यात्राओं के दौरान अचानक दिल से जुड़ी समस्याएं अक्सर छिपी हुई बीमारियों, तैयारी की कमी या शरीर की क्षमता से ज्यादा मेहनत करने के कारण होती हैं।

ऊंचाई पर ऑक्सीजन की कमी, दिल की धड़कन का तेज होना और ब्लड प्रेशर का बढ़ना आम है। अगर शरीर इसके लिए तैयार नहीं है, तो ये स्थिति खतरनाक हो सकती है। कई बार जो लोग खुद को फिट मानते हैं, उनमें भी हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज या दिल की बीमारी जैसे जोखिम छिपे होते हैं, जो इस तरह की परिस्थितियों में अचानक सामने आ जाते हैं।

ट्रेक से पहले कौन-कौन से हेल्थ चेक्स जरूरी हैं?

केदारनाथ यात्रा की योजना बनाने से पहले सामान्य चेकअप काफी नहीं है, बल्कि दिल और फेफड़ों की फिटनेस की विशेष जांच जरूरी है।

40 वर्ष से अधिक उम्र या दिल की बीमारी का पारिवारिक इतिहास होने पर कार्डियक स्क्रीनिंग कराएं

ईसीजी (ECG), स्ट्रेस टेस्ट और इकोकार्डियोग्राफी जैसे टेस्ट से दिल की कार्यक्षमता जांचें ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर की जांच जरूर कराएं अगर सांस से जुड़ी समस्या है, तो लंग फंक्शन टेस्ट कराएं

सीने में दर्द, सांस फूलना, चक्कर या थकान जैसे लक्षणों को बिल्कुल नजरअंदाज न करें ट्रेक के लिए शरीर को कैसे तैयार करें?

रिपोर्ट्स सामान्य आने के बाद भी तैयारी जरूरी है। बिना तैयारी के ट्रेक करना जोखिम भरा हो सकता है।

क्या है हंता वायरस जिसने ली 3 लोगों की जान?

दुनिया अभी महामारियों के दौर से पूरी तरह उबर भी नहीं पाई है कि एक और वायरस 'हंता वायरस' ने दस्तक दे दी है। हाल ही में अटलांटिक महासागर में एक क्रूज शिप पर इस वायरस के कारण 3 लोगों की मौत की खबर ने स्वास्थ्य विशेषज्ञों को अलर्ट कर दिया है। यह वायरस चूहों से फैलता है और इसकी मृत्यु दर काफी अधिक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की हालिया 'डिजीज आउटब्रेक न्यूज' और विशेषज्ञों के अनुसार, अर्जेंटीना से दक्षिण अफ्रीका जा रहे क्रूज जहाज 'MV Hondius' पर यह संक्रमण फैला, जिसमें 3 यात्रियों की जान चली गई। तो चलिए जानते हैं कि यह वायरस क्या है, कितना खतरनाक है और बचाव का क्या तरीका है।

हंता वायरस असल में क्या है?

जवाब: हंता वायरस विषाणुओं का एक परिवार है, जो मुख्य रूप से चूहों (Rodents) के जरिए फैलता है। यह कोई नया वायरस नहीं है, लेकिन इसकी घातकता इसे डरावना बनाती है। यह इंसान के फेफड़ों (।lक्रू) या किडनी (।lन्नक्रू) पर सीधा हमला करता है। फेफड़ों में संक्रमण होने पर सांस लेना लगभग नामुमकिन हो जाता है, जिससे मरीज की मौत हो सकती है।

यह चूहों से इंसानों तक कैसे पहुँचता है?

जवाब: यह वायरस हवा के जरिए फैलता है, जिसे 'एरोसोल' (Aerosolization) प्रक्रिया कहते हैं। जब संक्रमित चूहों का मल, मूत्र या लार सूख जाती है और धूल के कणों में मिल जाती है, तो वे हवा में तैरने लगते हैं। जब कोई व्यक्ति उस हवा में सांस लेता है, तो वायरस सीधे उसके फेफड़ों में

चला जाता है। इसके अलावा, संक्रमित सतह को छूने और फिर मुँह या नाक पर हाथ लगाने से भी यह फैल सकता है।

क्या यह कोरोना की तरह एक इंसान से दूसरे इंसान में फैलता है?

जवाब: राहत की बात यह है कि हंता वायरस आमतौर पर एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलता। यह केवल चूहों के सीधे संपर्क या उनके दूषित वातावरण में रहने से होता है। हालांकि, दक्षिण अमेरिका में पाए जाने वाले 'एंडिस' (Andes) स्ट्रेन में इंसान से इंसान में फैलने के कुछ दुर्लभ मामले देखे गए हैं, लेकिन फिलहाल के मामले चूहों से ही संबंधित हैं।

हंता वायरस के शुरुआती लक्षण क्या हैं?

जवाब: इसके लक्षण शुरू में एक सामान्य फ्लू (Flu) की तरह दिखते हैं, जो भ्रम पैदा कर सकते हैं:

तेज बुखार और कंपकंपी (Chills)

हाथों-पैरों और पीठ की मांसपेशियों में तेज दर्द। सिरदर्द, चक्कर आना और थकान। पेट में दर्द, उल्टी या दस्त (डायरिया)। सेहत, रिलेशनशिप, लाइफ या धर्म-ज्योतिष से जुड़ी कोई निजी उलझन है तो हमें WhatsApp करें, आपका नाम गोपनीय रखकर जानकारी दी जाएगी।

संक्रमण गंभीर होने पर क्या होता है?

जवाब: संक्रमण के 4 से 10 दिनों के बाद 'हंता वायरस पल्मोनरी सिंड्रोम' (HPS) के लक्षण दिखते हैं:

फेफड़ों में पानी भर जाना।

सांस लेने में भारी तकलीफ (ऐसा महसूस होना जैसे छाती पर कोई बैठा हो)।

हेल्दी खाने के बावजूद बढ़ रहा है वजन? एक्सपर्ट्स ने बताई वजह

महिलाओं में वजन बढ़ने को अक्सर केवल 'कैलोरी इन बनाम कैलोरी आउट' के रूप में समझा जाता है, लेकिन हकीकत इससे कहीं ज्यादा जटिल है। मणिपाल हॉस्पिटल, येलहंका की कंसल्टेंट (प्रसूति एवं स्त्री रोग) डॉ. सश्मिता कहती हैं, 'हम लगातार ऐसी महिलाओं को देख रहे हैं जो संतुलित आहार लेती हैं और सक्रिय रहती हैं, फिर भी उनका वजन बिना किसी स्पष्ट कारण के बढ़ता है। इससे साफ है कि इसके पीछे जैविक और हार्मोनल कारक भी भूमिका निभाते हैं, जिन्हें अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है।'

डॉ. सश्मिता बताती हैं, 'हार्मोनल असंतुलन इसके प्रमुख कारणों में से एक है। पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (PCOS) जैसी स्थितियां इंसुलिन रेजिस्टेंस पैदा कर सकती हैं, जिससे शरीर में खासकर पेट के आसपास चर्बी जमा होने लगती है। इसी तरह, हाइपोथायरॉइडिज्म जैसे थायरॉयड विकार मेटाबॉलिज्म को धीमा कर देते हैं, जिससे बिना ज्यादा खानपान में बदलाव के भी धीरे-धीरे वजन बढ़ सकता है।'

वह आगे कहती हैं, 'क्रॉनिक स्ट्रेस एक और छिपा हुआ कारण है, जिसे लोग अक्सर कम आंकते हैं। तनाव के दौरान बढ़े हुए कॉर्टिसोल और अन्य हार्मोन भूख बढ़ाते हैं, फैट स्टोरेज को बढ़ावा देते हैं और नींद के पैटर्न को बिगाड़ते हैं। खराब नींद फिर हार्मोनल संतुलन को और प्रभावित करती है, जिससे एक दुष्चक्र बन जाता है और वजन नियंत्रित करना और मुश्किल हो जाता है।'

डॉ. सश्मिता आधुनिक जीवनशैली की भूमिका पर भी जोर देती हैं। 'बैठे रहने की आदत, अनियमित खाने का समय और अत्यधिक स्क्रीन टाइम मेटाबॉलिक हेल्थ को नुकसान पहुंचा सकते हैं, भले ही व्यक्ति को लगे कि वह सही खा रहा है।

इसके अलावा, गट हेल्थ, जिसे अक्सर नजरअंदाज किया जाता है, यह तय करने में अहम भूमिका निभाती है कि शरीर भोजन को कितनी प्रभावी तरीके से मेटाबोलाइज करता है और वजन को कैसे नियंत्रित करता है।'

वह कहती हैं, 'वजन प्रबंधन के लिए एक ही तरीका सभी पर लागू नहीं होता। जिन महिलाओं का वजन बिना कारण बढ़ रहा है, उन्हें व्यापक जांच करवानी चाहिए, जिसमें हार्मोनल जांच, थायरॉयड फंक्शन टेस्ट और मेटाबॉलिक स्क्रीनिंग शामिल हैं। शुरुआती पहचान और व्यक्तिगत उपचार—चाहे वह दवा हो या लक्षित जीवनशैली में बदलाव—बड़ा फर्क ला सकते हैं।'

अंत में, डॉ. सश्मिता कहती हैं, 'वजन बढ़ना हमेशा इच्छाशक्ति की कमी नहीं होता। अक्सर यह संकेत होता है कि शरीर के भीतर कुछ गहरे असंतुलन हैं, जिन्हें सही ध्यान और देखभाल की जरूरत है।

भारत में हीट स्ट्रोक अब सिर्फ 'दोपहर की तेज़ गर्मी' की समस्या क्यों नहीं रहा

पहले हीट स्ट्रोक को दिन के सबसे गर्म घंटों—खासतौर पर दोपहर—से जोड़ा जाता था। लेकिन अब स्थिति बदल चुकी है। यह समस्या अब सिर्फ कुछ घंटों की तेज़ गर्मी नहीं, बल्कि पूरे दिन और रात में जमा होने वाली गर्मी (heat accumulation) से जुड़ी हो गई है। यानी जोखिम अब 24 घंटे बना रहता है।

लंबे समय तक गर्मी का असर (थर्मल एक्यूम्युलेशन)

हमारा शरीर पसीने और हीट रिलीज़ के जरिए तापमान संतुलित रखता है। लेकिन जब लंबे समय तक गर्मी में रहना पड़ता है, तो यह सिस्टम धीरे-धीरे कमजोर पड़ने लगता है।

इसका मतलब है कि शरीर में गर्मी जमा होती रहती है और लक्षण तुरंत नहीं, बल्कि शाम या रात में भी दिख सकते हैं। डिहाइड्रेशन और इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन इस जोखिम को और बढ़ा देते हैं।

रात में भी नहीं मिलती राहत

पहले रात का समय शरीर को ठंडा होने और रिकवर करने का मौका देता था। लेकिन अब रात का तापमान भी ज्यादा रहने लगा है।

जब शरीर रात में ठंडा नहीं हो पाता, तो अगला दिन पहले से ही 'हीट स्ट्रेस' के साथ शुरू होता है। इससे लगातार कई दिनों तक शरीर पर दबाव बना रहता है और हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।शहरी गर्मी (Urban Heat Effect) शहरों में कंक्रीट, कम हरियाली और घनी आबादी के कारण गर्मी फंस जाती है। इसे 'अर्बन हीट आइलैंड' प्रभाव कहा जाता है।

इस वजह से सूरज ढलने के बाद भी तापमान ज्यादा बना रहता है। साथ ही, ज्यादा नमी (humidity) पसीने को जल्दी सूखने नहीं देती, जिससे शरीर की कूलिंग प्रक्रिया कमजोर हो जाती है—यहां तक कि घर के अंदर भी। अब रुक-रुक कर नहीं, लगातार गर्मी का असर

जो लोग बाहर काम करते हैं या रोज़ यात्रा करते हैं, उनके लिए गर्मी अब बीच-बीच में नहीं, बल्कि लगातार बनी रहती है।

सिर्फ दोपहर की धूप से बचना अब काफी नहीं है। अगर पूरे दिन शरीर को ठंडा रखने, पानी पीने और ब्रेक लेने का ध्यान नहीं रखा गया, तो खतरा बढ़ जाता है।

हीट स्ट्रोक: एक गंभीर मेडिकल इमरजेंसी

हीट स्ट्रोक सिर्फ ज्यादा गर्मी लगना नहीं है, बल्कि यह जानलेवा स्थिति बन सकती है।

जब शरीर का तापमान 40एष्ट से ऊपर चला जाता है, तो दिमाग और शरीर के अन्य अंग प्रभावित होने लगते हैं। इसके लक्षणों में भ्रम (delirium), दौरे (seizures) और कोमा तक शामिल हो सकते हैं।

गंभीर मामलों में शरीर में सूजन (inflammation), ब्लड क्लॉटिंग की समस्या और कई अंगों का फेल होना भी हो सकता है।

जल्दी इलाज क्यों जरूरी है

हीट स्ट्रोक में सबसे जरूरी है—शरीर को तेजी से ठंडा करना।

जितनी जल्दी शरीर का तापमान कम किया जाएगा, उतना ही खतरा कम होगा। देरी होने पर लंबे समय तक दिमागी और शारीरिक नुकसान हो सकता है।

बदलती रणनीति: अब लगातार बचाव जरूरी

सबसे बड़ा बदलाव यही है कि अब हीट स्ट्रोक से बचाव सिर्फ 'दोपहर से बचने' तक सीमित नहीं रह गया है।

अब जरूरी है कि:

पूरे दिन पानी और इलेक्ट्रोलाइट लेते रहें

शरीर को ठंडा रखने के उपाय अपनाएं

रात में भी ठंडा माहौल बनाने की कोशिश करें।

नो शुगर ड्रिंक में जब नहीं होती चीनी, तो मीठा करने के लिए क्या डाला जाता है? क्या यह फायदेमंद है?

आजकल बाजार में नो शुगर, जीरो शुगर और शुगर-फ्री ड्रिंक्स तेजी से लोकप्रिय हो रही हैं। कई लोग वजन कम करने, डायबिटीज कंट्रोल करने या कम कैलोरी लेने के लिए इन्हें चुनते हैं। लेकिन जब बोतल पर साफ लिखा होता है कि इसमें चीनी नहीं है, तब सबसे बड़ा सवाल यही उठता है कि फिर इसका स्वाद मीठा कैसे होता है? आखिर बिना चीनी के कोई ड्रिंक मीठी कैसे लग सकती है? इसका जवाब स्वाद बढ़ाने वाले खास तत्वों में छिपा होता है, जिन्हें कम मात्रा में मिलाकर मीठापन दिया जाता है।

असल में, इन ड्रिंक्स में साधारण चीनी की जगह ऐसे पदार्थ डाले जाते हैं जो जीभ के स्वाद रिसेप्टर्स को मीठा महसूस कराते हैं। यानी शरीर को मीठा स्वाद मिलता है, लेकिन उसमें सामान्य चीनी जैसी कैलोरी या ब्लड शुगर बढ़ाने वाला असर कम या बिल्कुल नहीं होता। यही वजह है कि ये ड्रिंक्स उन लोगों के बीच लोकप्रिय हैं, जो मीठा स्वाद चाहते हैं लेकिन चीनी से बचना चाहते हैं।

आर्टिफिशियल स्वीटनर क्या होते हैं

ई नो शुगर ड्रिंक्स में आर्टिफिशियल स्वीटनर मिलाए जाते हैं। इनमें एस्पार्टेम, सुक्रालोज और एसेसल्फेम पोटैशियम जैसे नाम शामिल हैं। ये सामान्य चीनी से कई गुना ज्यादा मीठे होते हैं, इसलिए बहुत कम मात्रा में ही इस्तेमाल किए जाते हैं। थोड़ी-सी मात्रा में भी ये ड्रिंक को मीठा स्वाद दे देते हैं। इसी वजह से कैलोरी भी काफी कम रहती है।

नेचुरल विकल्प भी होते हैं

कुछ कंपनियां प्राकृतिक स्रोतों से मिलने वाली मिठास का इस्तेमाल करती हैं, जैसे स्टीविया और मोंक फ्रूट एक्सट्रैक्ट। स्टीविया एक पौधे की पत्तियों से मिलता है और यह बिना चीनी के मीठा स्वाद देता है। इसी तरह मोंक फ्रूट भी प्राकृतिक विकल्प माना जाता है। ये दोनों आमतौर पर उन लोगों को पसंद आते हैं, जो आर्टिफिशियल चीजों से बचना चाहते हैं।

ऑडिशन की लाइन से स्टारडम तक, 'प्यार का पंचनामा' ने बदली नुसरत भरूचा की किस्मत

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री नुसरत भरूचा ने छोटे-छोटे रोल और लंबे संघर्ष के बाद इंडस्ट्री में अपनी मजबूत जगह बनाई, लेकिन उनकी किस्मत का असली मोड़ एक फिल्म से आया, जिसके लिए वह पहली पसंद नहीं थीं। कई ऑडिशन और टेस्ट के बाद जब उन्हें 'प्यार का पंचनामा' में मौका मिला तो उसी फिल्म ने उनकी पूरी जिंदगी बदल दी और उन्हें एक नई पहचान दिलाई।

नुसरत भरूचा का जन्म 17 मई 1985 को मुंबई में हुआ था। उन्होंने अपनी पढ़ाई मुंबई में ही पूरी की। बचपन से ही उन्हें अभिनय में दिलचस्पी थी और इसी वजह से उन्होंने बहुत कम उम्र में टीवी इंडस्ट्री की ओर कदम बढ़ाया। उनके करियर की शुरुआत साल 2002 में टीवी शो 'किट्टी पार्टी' से हुई थी। इस शो में उनका रोल छोटा था, लेकिन कैमरे के सामने काम करने का यह उनका पहला अनुभव था।

इसके बाद वह टीवी शो 'सेवन' में भी नजर आईं, जहां उन्हें लीड रोल मिला, हालांकि टीवी पर उन्हें बड़ी पहचान नहीं मिल पाई और उन्होंने फिल्मों की ओर रुख कर लिया।

साल 2006 में नुसरत ने फिल्म 'जय संतोषी मां' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। यह फिल्म उनके लिए एक बड़ा मौका थी, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हो सकी। इसके बाद उन्होंने 'लव सेक्स और धोखा' जैसी फिल्मों में भी काम किया, लेकिन शुरुआती दौर में उन्हें लगातार संघर्ष और असफलताओं का सामना करना पड़ा। वह इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने के लिए लगातार ऑडिशन देती रहती थी।

नुसरत के करियर का सबसे बड़ा मोड़ फिल्म 'प्यार का पंचनामा' से आया लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि इस फिल्म के लिए वह पहली पसंद नहीं थीं। इस रोल के लिए कई एक्ट्रेसेस के ऑडिशन हुए थे और नुसरत को भी कई टेस्ट देने पड़े थे। काफी मेहनत और स्क्रीन टेस्ट के बाद उन्हें यह किरदार मिला। जब फिल्म रिलीज हुई, तो उनकी एक्टिंग और स्क्रीन प्रजेंस को दर्शकों ने खूब पसंद किया। यह फिल्म हिट साबित हुई और यहीं से नुसरत को असली पहचान मिली।

इसके बाद उन्होंने 'प्यार का पंचनामा 2' में भी काम किया। यह भी बड़ी सफल साबित हुई। आगे चलकर 'सोनू के टीटू की स्वीटी' फिल्म ने उन्हें और भी लोकप्रिय बना दिया। इसके बाद नुसरत ने 'ड्रीम गर्ल', 'जनहित में जारी', 'राम सेतु', 'सेल्फी' और 'छोरी' जैसी फिल्मों में भी काम किया। इन फिल्मों में उन्होंने अलग-अलग तरह के किरदार निभाए।

नुसरत भरूचा ने अपने करियर में कई रिजेक्शन देखे, ऑडिशन दिए और संघर्ष किया, लेकिन हर बार खुद को बेहतर बनाया। आज नुसरत उन अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं, जिन्होंने बिना किसी फिल्मी बैकग्राउंड के अपने दम पर सफलता हासिल की है।

जब तक तलाक नहीं होता, कोई फिल्म नहीं करूंगा: अभिनेता रवि मोहन

मुंबई। साउथ सिनेमा के जाने-माने अभिनेता रवि मोहन इन दिनों अपने निजी जीवन को लेकर चर्चा का विषय बने हुए हैं। शनिवार को उन्होंने जानकारी दी कि जब उनके जीवन में चल रही उथल-पुथल ठीक नहीं हो जाती है, वे काम नहीं करेंगे।

अभिनेता ने अपने ऑफिस के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस रखी। इस दौरान वे काफी भावुक नजर आ रहे थे।

अभिनेता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में नम आंखों से पत्रकारों को संबोधित करते हुए बताया कि जब तक उनका तलाक नहीं हो जाता है, उनकी कोई भी फिल्म रिलीज नहीं होगी और न ही वे किसी नए प्रोजेक्ट में काम करेंगे। उन्होंने भावुक होते हुए बताया, 'ये फैसला मैंने इसलिए किया है क्योंकि मैं ऐसे हालात में अभिनय नहीं कर सकता। मैं उन अनावश्यक अपमानों को सहन नहीं कर सकता, जिनका मुझे सामना करना पड़ रहा है।'

उन्होंने एक तमिल कहावत कही, ''साधु मिरंडल काडू कोल्लाधु' (जिसका अर्थ है कि जब धैर्यवान लोग अंततः अपना धैर्य खो देते हैं, तो जंगल भी उनके क्रोध को सहन नहीं कर पाता)। वह एक साधु (धैर्यवान व्यक्ति) थे और कई लोग उन्हें उकसाने की कोशिश कर रहे थे।'

उन्होंने कहा, 'मैं अब और धैर्यवान नहीं रहूंगा। अब जो लोग मुझे उकसाने की कोशिश कर रहे थे, वे अब ऐसा कर सकते हैं। यह मेरा दफ्तर है और जो लोग मुझे 'पंचिंग बैग' की तरह इस्तेमाल करना चाहते थे, वे अब यहां आ सकते हैं। मैं 'कराते बाबू' की तरह लातें मारूंगा।'

अभिनेता रवि मोहन ने बताया कि वे अच्छी तरह से जानते हैं कि उन्हें अपने काम को किस तरह से ठीक करना है।

पत्रकारों ने अभिनेता से पूछा कि क्या उनका फैसला केवल नए प्रोजेक्ट्स से संबंधित है और क्या वह उन मौजूदा फिल्मों को पूरा करेंगे जिन पर वह काम कर रहे थे, तो अभिनेता ने जवाब दिया, 'मैं ऐसा कुछ भी नहीं करूंगा, जिससे किसी को भी कोई हानि पहुंचे। मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि भले ही मैंने पैसे लिए हों, मैं उन्हें लौटाने का इंतजाम करूंगा और उसके बाद ही जाऊंगा।

इसलिए, चिंता न करें। मेरी वजह से किसी पर भी कोई बुरा असर नहीं पड़ेगा।

विक्की के जन्मदिन पर पिता श्याम कौशल ने बरसाया प्यार, कहा- 'ऐसा बेटा पाकर गर्व महसूस होता है'

मुंबई। हिंदी सिनेमा के मशहूर एक्शन निर्देशक श्याम कौशल ने अपने बड़े बेटे और अभिनेता विक्की कौशल के जन्मदिन के मौके पर सोशल मीडिया पर प्यार भरा पोस्ट साझा किया। उनका यह पोस्ट अब जमकर वायरल हो रहा है। इस पोस्ट में उन्होंने विक्की की सफलता पर गर्व जाहिर किया। बता दें कि 16 मई को विक्की कौशल 38वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रहे हैं। इस खास मौके पर उनके पिता श्याम कौशल ने इंस्टाग्राम पर एक फोटो पोस्ट की। इस फोटो में वह विक्की कौशल के साथ एक सोफे पर आराम से बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं। लुक की बात करें तो श्याम ने जहां ब्लैक कलर की शर्ट पहनी हुई है, वहीं विक्की ब्लू कलर की टी-शर्ट में नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर के साथ श्याम कौशल ने अपने बेटे के लिए कैप्शन में भावुक शब्द लिखे। उन्होंने विक्की को जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा कि भगवान की कृपा हमेशा उन पर बनी रहे। उन्होंने अपने बेटे को ढेर सारा प्यार, आशीर्वाद और शुभकामनाएं दीं।श्याम कौशल ने लिखा, 'पुत्तर, आपको जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। भगवान का आशीर्वाद आपके साथ बना रहे। आपको मेरा ढेरा सारा प्यार और आशीर्वाद। आपके जैसा बेटा पाकर मैं बहुत खुशी और गर्व महसूस करता हूं। पोस्ट के आखिर में उन्होंने पंजाबी अंदाज में कहा, ''रब दी मेहर बनी रहे...आपको मेरी तरफ से प्यार भरी झप्पी।'' बता दें कि श्याम कौशल अक्सर अपने सोशल मीडिया के जरिए परिवार और बेटों के प्रति अपना प्यार जाहिर करते रहते हैं।

मधुबाला और किशोर कुमार की प्रेम कहानी के पीछे थीं आशा भोसले, श्रेया घोषाल ने सुनाया दिलचस्प किस्सा

मुंबई। हिंदी सिनेमा में पुराने दौर के गाने, कलाकार और उनकी कहानियां आज भी लोगों को काफी पसंद आती हैं। ऐसे ही कई यादगार किस्सों को लेकर रियलिटी शो 'इंडियन आइडल' का आने वाला एपिसोड बेहद खास होने वाला है। इस एपिसोड में दिग्गज गायिका आशा भोसले को याद किया जाएगा। इसी दौरान गायिका श्रेया घोषाल ने एक ऐसा किस्सा साझा किया, जिसने सभी का ध्यान खींचा।

उन्होंने बताया कि मशहूर अभिनेत्री मधुबाला और गायक-अभिनेता किशोर कुमार की प्रेम कहानी की शुरुआत में भी कहीं न कहीं आशा भोसले का खास संबंध था।

शो में कंटेस्टेंट चैतन्य देवड़े और ज्योतिर्मयी नायक ने मशहूर गाना 'हाल कैसा है जनाब का' पर परफॉर्म किया। इस दौरान श्रेया घोषाल ने इस गीत से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा साझा किया। उन्होंने कहा, 'मैंने कई जगह पढ़ा और सुना है कि इसी गाने की शूटिंग के दौरान मधुबाला और किशोर कुमार एक-दूसरे के करीब आए थे। अगर ऐसा है, तो इस प्रेम कहानी के पीछे आशा भोसले का अहम योगदान है।''

इसके बाद शो के होस्ट आदित्य नारायण ने भी एक मजेदार किस्सा सुनाया। उन्होंने कहा, ''एक रिकॉर्डिंग के दौरान मधुबाला इतनी खूबसूरत लग रही थीं कि उन्हें देखकर खुद आशा भोसले कुछ देर के लिए गाना भूल गई थीं। आशा जी बस लगातार मधुबाला को देखती रह गईं। मुझे लगता है कि अगर वह लड़का होतीं, तो मधुबाला से प्यार कर बैठतीं।'' यह किस्सा सुनकर सेट पर मौजूद सभी लोग हंस पड़े।

कंटेस्टेंट्स की परफॉर्मेंस पर श्रेया घोषाल ने पुराने दौर के डुएट गानों की खूबसूरती पर भी बात की। उन्होंने कहा, ''किसी भी डुएट गाने की सबसे बड़ी ताकत उसकी केमिस्ट्री होती है। अगर दो आवाजों के बीच सही तालमेल और भावनाएं न हों, तो गाना लोगों के दिल तक नहीं पहुंच पाता।

'हाल कैसा है जनाब का' में आशा भोसले और किशोर कुमार की आवाजों के बीच जो तालमेल था, वह आज भी लोगों को खास महसूस होता है।''

उन्होंने कहा, ''जब मैं यह गाना सुनती हूं तो मुझे उसमें सिर्फ मधुबाला की झलक दिखाई देती है। आशा भोसले ने इस गाने को बिल्कुल उसी अंदाज में गाया था, जैसे मधुबाला पर्दे पर अभिनय कर रही थीं।''

श्रेया घोषाल ने आगे आशा भोसले की गायकी की तारीफ करते हुए कहा, ''उनकी आवाज में सुर के अलावा अभिनय और भावनाएं भी होती थीं। वह गाने में जान डाल देती थीं। वह हर शब्द को इतनी खूबसूरती से गाती थीं कि गाना सुनते ही कलाकार का चेहरा आंखों के सामने आ जाता था।

'जिंदगी कभी सीधी नहीं चलती', मुश्किल दौर को लेकर आयुष्मान खुराना और रकुलप्रीत सिंह ने साझा की अपनी राय

मुंबई। फिल्म इंडस्ट्री में कलाकारों से जुड़ी छोटी-सी खबर भी चर्चा का विषय बन जाती है। हाल ही में 90 के दशक के मशहूर अभिनेता राहुल रॉय को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की बातें सामने आईं। कुछ लोगों ने उनकी आर्थिक स्थिति को लेकर चिंता जताई। हालांकि बाद में राहुल रॉय ने खुद इन खबरों को गलत बताया और कहा कि वह पूरी तरह ठीक हैं। इसी मुद्दे पर अभिनेता आयुष्मान खुराना और अभिनेत्री रकुलप्रीत सिंह ने आईएएनएस संग बातचीत में जिंदगी के उतार-चढ़ाव को लेकर अपनी राय साझा की।

इंटरव्यू के दौरान जब मीडिया ने आयुष्मान खुराना से पूछा कि क्या हर इंसान को जिंदगी के हर तरह के दौर के लिए तैयार रहना चाहिए, तो इस सवाल पर आयुष्मान ने कहा, ''जिंदगी किसी के लिए भी एक जैसी नहीं रहती। हर इंसान अपनी जिंदगी में खुशी, सफलता, असफलता और संघर्ष के अलग-अलग दौर से गुजरता है। ऐसा सिर्फ फिल्म इंडस्ट्री में ही नहीं होता, बल्कि हर क्षेत्र में देखने को मिलता है। चाहे कोई क्रिकेटर हो, खिलाड़ी हो, बिजनेसमैन हो या नेता, हर किसी की जिंदगी में अच्छे और बुरे समय आते हैं। आयुष्मान ने कहा, ''इंसान को अपनी जरूरतें बहुत ज्यादा बड़ी नहीं रखनी चाहिए। अगर व्यक्ति की सोच सही हो और वह अपनी जिंदगी को सरल तरीके से जीना सीखे, तो मुश्किल समय का सामना करना थोड़ा आसान हो जाता है। जब इंसान का नजरिया सकारात्मक रहता है, तो धीरे-धीरे हालात भी बेहतर होने लगते हैं। सबसे जरूरी बात अपने मन को शांत और सही दिशा में रखना है। मेरा मानना है कि अगर इंसान मानसिक रूप से मजबूत रहे, तो वह जीवन के कठिन समय से भी बाहर निकल सकता है।

बातचीत के दौरान आयुष्मान ने कहा, ''मैं जिंदगी का एक-एक दिन जीने में विश्वास रखता हूं। इंसान को भविष्य की चिंता में खुद को परेशान करने के बजाय वर्तमान पर ध्यान देना चाहिए। जिंदगी में क्या होने वाला है, यह कोई नहीं जानता, इसलिए हर दिन को अच्छे तरीके से जीना सबसे जरूरी है।

वहीं अभिनेत्री रकुलप्रीत सिंह ने भी इस पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, ''हर इंसान को जिंदगी के बदलावों के लिए तैयार रहना चाहिए। यह जरूरी नहीं कि सिर्फ अभिनेता या मशहूर लोग ही मुश्किल समय से गुजरते हैं।

कान्स फिल्म फेस्टिवल : बनारसी साड़ी में रेड कार्पेट पर उतरीं हुमा कुरैशी, खींचा सबका ध्यान

मुंबई। इन दिनों भारतीय अभिनेत्रियां कान्स फिल्म फेस्टिवल में वेस्टर्न ड्रेसेस में अपना जलवा बिखेर रही हैं, वहीं अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने अपने भारतीय लुक से सभी को हैरान कर दिया।

शनिवार को हुमा ने इंस्टाग्राम पर अपने कान्स का लुक शेयर किया, जिसमें वे पारंपरिक बनारसी साड़ी में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने अपने लुक को सुनहरे रंग की

पारंपरिक ज्वेलरी और हल्के मेकअप के साथ पूरा किया। अभिनेत्री ने तस्वीरें पोस्ट कर लिखा, 'बनारस के घाटों से लेकर फ्रेंच रिवेरा तक। एक ऐसा बुना हुआ परिधान पहनने में कुछ बेहद खास बात है, जो ऐसा महसूस कराता है मानो उसने सदियों का सफर तय किया हो। हुमा कुरैशी ने फ्रांस में अपना अनुभव शेयर करते हुए बताया कि जहां चारों ओर सिनेमा और कहानियों का बोलबाला है, वहां कुछ ऐसा पहनना जो अपने आप में ही एक कहानी बयां करता हो, एक बेहद ही अलौकिक अनुभव है।

उन्होंने लिखा, 'मुझे इसकी सबसे अच्छी बात यह लगती है कि यह एक ही समय में दो अलग-अलग रूपों को अपने अंदर समेटे हुए है। एक तरफ इसमें बनारसी बुनाई का पुराना और पारंपरिक अंदाज है, तो दूसरी तरफ इसके डिजाइनों में एक नयापन और आधुनिक टच देखने को मिलता है, जो इसे अनोखा बनाता है। विदेशी सरजमीं पर उनके इस देसी अंदाज ने न सिर्फ सबका ध्यान खींचा, बल्कि सोशल मीडिया पर भी खूब सुर्खियां बटोरी। ताहिरा कश्यप, गायिका अकाशा और अभिनेत्री तिलोतमा समेत कई सेलेब्स ने कमेंट सेक्शन में प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने जल्द ही यश की बहुचर्चित पीरियड गैंगस्टर ड्रामा फिल्म 'टॉक्सिक: ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स' में नजर आएंगी।

ट्रंप को विदा किए 24 घंटे भी नहीं हुए और चीन ने कर दिया पुतिन के दौरे का ऐलान

बीजिंग। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन से रवाना हुए 24 घंटे भी नहीं बीते कि बीजिंग ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की आधिकारिक यात्रा का ऐलान कर दिया। चीनी और रूसी विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी।

आधिकारिक एक्स पोस्ट में चीनी विदेश मंत्रालय ने बताया कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बुलावे पर, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 19 से 20 मई तक चीन के राजकीय दौरे पर आएंगे।

वहीं, क्रेमलिन ने भी शनिवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की। उनके मुताबिक इस यात्रा के दौरान पुतिन चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ कई अहम वैश्विक और रणनीतिक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। बैठक ऐसे समय हो रही है, जब दुनिया अमेरिका-ईरान तनाव, यूक्रेन युद्ध और ताइवान विवाद जैसे बड़े भू-राजनीतिक संकटों से गुजर रही है।

क्रेमलिन ने एक बयान में कहा कि पुतिन का यह दौरा 19-20 मई को तय किया

गया। उन्होंने आगे कहा कि चीन-रूस मैत्री संधि की 25वीं सालगिरह के मौके पर ये दौरा हो रहा है। 2001 में दोनों के बीच सहमति बनी थी।

क्रेमलिन की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, दोनों नेता रूस और चीन के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के उपायों पर बातचीत करेंगे। वैश्विक सुरक्षा, एशिया-प्रशांत क्षेत्र की स्थिति, ऊर्जा सहयोग, व्यापार और पश्चिमी देशों के साथ बढ़ते तनाव जैसे मुद्दों पर पूरा जोर होगा। रिपोर्ट के अनुसार, बातचीत के बाद दोनों देश एक साझा घोषणा पत्र पर भी हस्ताक्षर कर सकते हैं। पुतिन चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग से भी मुलाकात करेंगे। बैठक में आर्थिक और व्यापारिक सहयोग को लेकर विस्तार से चर्चा होने की उम्मीद है। दरअसल, पश्चिमी प्रतिबंधों के बाद रूस की अर्थव्यवस्था के लिए चीन एक बड़ा सहारा बनकर उभरा है। चीन फिलहाल रूसी तेल और गैस का सबसे बड़ा खरीदार माना जाता है, जिससे मास्को को अंतरराष्ट्रीय दबाव के बीच आर्थिक राहत मिल रही है।

यह घोषणा यूएस प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप के चीन का अपना दौरा खत्म करने के 24 घंटे से भी कम समय बाद की गई। अमेरिका ने ट्रेड और ईरान संघर्ष को लेकर गहन विमर्श किया था।

जब सितंबर 2025 में पुतिन चीन गए, तो शी ने अपने समकक्ष का 'पुराने दोस्त' के तौर पर स्वागत किया। पुतिन ने भी शी को 'प्यारा दोस्त' से संबोधित किया था।

ट्रंप की हत्या पर 50 मिलियन यूरो का इनाम, ईरानी संसद में पेश किया जाएगा प्रस्ताव

तेहरान। ईरानी मीडिया में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लेकर एक खबर सामने आई, जिसने सबका ध्यान खींचा है। ताजा रिपोर्ट में ये दावा किया गया है कि ईरानी सरकार ट्रंप की हत्या के बदले 50 मिलियन यूरो के इनाम का एक प्रस्ताव संसद में लाने की तैयारी कर रही है।

ईरान वायर के अनुसार, ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के चेयरमैन इब्राहिम अजीजी ने इस्लामिक रिपब्लिक की सैन्य और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा 'काउंटर-एक्शन' नामक योजना का मसौदा तैयार किए जाने की घोषणा की है। इस मसौदे में डोनाल्ड ट्रंप की हत्या के लिए 50 मिलियन यूरो का इनाम देने का प्रस्ताव शामिल है।

अजीजी ने कहा कि ट्रंप, इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और यूएस सेंट्रल कमांड (सीईएनटीसीओएम) के कमांडर

को काउंटर-एक्शन के लिए टारगेट किया जाना चाहिए। अजीजी ने ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई की हत्या में इनकी भूमिका की वजह से उन्हें टारगेट करने की बात कही।

सरकार के सपोर्टर अली अकबर राएफीपुर के मीडिया आउटलेट 'मसाफ' ने पहले दावा किया था कि 'किल ट्रंप' नाम के कैंपेन के लिए 50 मिलियन डॉलर के वित्तीय रिसोर्स सुरक्षित कर लिए गए हैं।

ईरान वायर ने बताया कि हैकिंग ग्रुप 'हंडाला' ने एक बयान जारी कर दावा किया था कि समूह ने ट्रंप और नेतन्याहू को खत्म करने के लिए 50 मिलियन डॉलर दिए। हैकिंग ग्रुप के बयान में दावा किया गया कि यह रकम किसी भी ऐसे व्यक्ति या ग्रुप को दी जाएगी जो असल कार्रवाई करेगा। उनके कम्युनिकेशन और फाइनेंशियल चैनल एन्क्रिप्शन और एनोनिमाइजेशन टेक्नोलॉजी से सुरक्षित हैं।

संक्षिप्त खबर

सूडान में लगभग 1.95 करोड़ लोग के सामने गंभीर खाद्य संकट : यूएन

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के उप प्रवक्ता फरहान हक ने बताया कि सूडान में लगभग 1.95 करोड़ लोग गंभीर खाद्य संकट का सामना कर रहे हैं। उन्होंने इसके लिए खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ), विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) और संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनीसेफ) के आंकड़ों का हवाला दिया।

उप प्रवक्ता फरहान हक ने दैनिक ब्रीफिंग में बताया कि जहां ग्रेटर दारफुर और ग्रेटर कोर्डोफान के 14 क्षेत्रों में अकाल का खतरा बना हुआ है, वहीं जून और सितंबर के बीच आने वाले कठिन मौसम (लीन सीजन) के दौरान हालात और बिगड़ने की आशंका है। उन्होंने कहा कि इस बीच जरूरतों की तुलना में मानवीय सहायता अभी भी बेहद अपर्याप्त बनी हुई है।

हक ने बताया कि फरवरी और मई के बीच मानवीय सहायता देने वाले संगठनों ने हर महीने 4.8 मिलियन लोगों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा था, लेकिन फरवरी में अनुमानित तौर पर सिर्फ 3.13 मिलियन लोगों को ही सहायता मिल पाई। प्रवक्ता ने आगे बताया कि एफएओ, डब्ल्यूएफपी और यूनीसेफ ने शत्रुतापूर्ण गतिविधियों को तत्काल रोकने का आह्वान किया है। साथ ही, उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आग्रह किया है कि वे भोजन, आपातकालीन खाद्य उत्पादन, पोषण, स्वास्थ्य, और जल व स्वच्छता सेवाओं के लिए व आजीविका को फिर से खड़ा करने के प्रयासों के लिए फंडिंग को तत्काल बढ़ाएं। इससे पहले, 13 मई को संयुक्त राष्ट्र के मानवीय सहायता अधिकारियों ने बताया था कि युद्धग्रस्त दक्षिण-पश्चिमी सूडान में राहत सामग्री वितरित की जा रही है, जबकि दक्षिण सूडान में अकाल राहत के लिए 1.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सहायता का लक्ष्य रखा गया है। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय (ओसीएचए) ने कहा, 'संयुक्त राष्ट्र और उसके मानवीय साझेदार पूरे सूडान में मानवीय जरूरतों को पूरा करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं।

कार्यालय ने बताया कि कोर्डोफान क्षेत्र में सहायता संगठन विस्थापित लोगों, शरणार्थियों और स्थानीय समुदायों को जीवन रक्षक सहायता प्रदान कर रहे हैं। इसके तहत, उत्तरी कोर्डोफान राज्य के शीकान और अर रहाद इलाकों में लगभग 85,000 लोगों तक जल और स्वच्छता संबंधी सहायता पहुंचाई गई है। वहीं, मानवीय सहायता कर्मियों ने शेकान में 2,000 विस्थापित परिवारों को कंबल, मच्छरदानी और घर-गृहस्थी की अन्य जरूरी चीजें वितरित कीं। कार्यालय ने बताया कि दक्षिण कोर्डोफान राज्य में, दक्षिण सूडानी शरणार्थियों, विस्थापित लोगों और स्थानीय समुदायों सहित लगभग 88,000 लोगों को जल और स्वच्छता संबंधी सहायता प्राप्त हुई। हालांकि, कार्यालय ने कहा कि उसे इस बात पर चिंता है कि लड़ाई जारी रहने से आम नागरिकों की जान को गंभीर खतरा बना हुआ है।

ड्रोन भविष्य के युद्ध की दिशा तय करेंगे समय के साथ चलना जरूरी : अमेरिकी सेना

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने लॉमेकर्स को बताया है कि ड्रोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और बिना इंसानी नियंत्रण वाले सिस्टम आधुनिक युद्ध का तरीका तेजी से बदल रहे हैं। सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि यूक्रेन युद्ध से यह साफ हो गया है कि आने वाले समय में लड़ाइयों में सस्ते, बड़ी संख्या में इस्तेमाल किए जा सकने वाले और मानव रहित हथियारों की सबसे बड़ी भूमिका होगी।

अमेरिकी कांग्रेस की हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी के सामने पेश होते हुए अमेरिकी सेना के सचिव डैनियल ड्रिस्कॉल ने कहा कि युद्ध का स्वरूप बहुत तेज गति से बदल रहा है और जो सेनाएं खुद को समय के हिसाब से नहीं बदलेंगी, वे पीछे छूट जाएंगी। उन्होंने कहा, 'ड्रोन

इंसानों के बीच युद्ध करने के तरीके को पूरी तरह बदल रहे हैं। इतिहास में इतनी तेजी से बदलाव पहले कभी नहीं देखा गया। ये सस्ते होते हैं, जरूरत के हिसाब से बदले जा सकते हैं, बेहद सटीक होते हैं और कई तरह के काम कर सकते हैं।'

ड्रिस्कॉल ने बताया कि अमेरिकी सेना अब तेजी से ऐसे सिस्टम विकसित कर रही है जिनमें एआई, ऑटोमेटेड तकनीक और आधुनिक कमांड सिस्टम शामिल हों। खासतौर पर अमेरिका भविष्य में इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में संभावित संघर्षों को ध्यान में रखकर तैयारी कर रहा है। यह बयान अमेरिकी सेना के 2027 के बजट पर हुई एक तीखी सुनवाई के दौरान आया। इस दौरान दोनों दलों के प्रतिनिधियों ने यूक्रेन युद्ध का जिक्र करते हुए कहा कि सस्ते ड्रोन अब निगरानी, दुश्मन को निशाना बनाने और बड़े हमलों में बेहद अहम भूमिका निभा रहे हैं। अमेरिकी सेना के जनरल क्रिस्टोफर लानेव ने कहा कि सेना यूक्रेन और मध्य पूर्व के युद्धों से मिले अनुभवों के आधार पर अपनी ट्रेनिंग और युद्ध रणनीति तेजी से बदल रही है।

उन्होंने कहा, 'हम यूक्रेन और ऑपरेशन एंड्योरिंग फ्रीडम से बहुत कुछ सीख रहे हैं। इन अनुभवों को अब पहले से कहीं ज्यादा तेजी से सेना की ट्रेनिंग और रणनीति में शामिल किया जा रहा है।' अमेरिकी सेना ने 'ऑपरेशन जेलब्रेक' नाम से एक बड़ा प्रोजेक्ट भी शुरू किया है। यह फोर्ट कार्सन में चल रहा है। यहां रक्षा कंपनियां और सेना के इंजीनियर मिलकर ऐसी सॉफ्टवेयर बाधाओं को हटाने की कोशिश कर रहे हैं, जिनकी वजह से अलग-अलग सैन्य सिस्टम आपस में युद्ध संबंधी जानकारी आसानी से साझा नहीं कर पाते।

अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो अगले सप्ताह आएंगे भारत, राजदूत गोर ने की पुष्टि

नई दिल्ली। अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए विदेश मंत्री मार्को रुबियो के अगले सप्ताह भारत आने की पुष्टि की है। हालांकि उन्होंने तारीख नहीं बताई है।

गोर ने एक्स पर कहा कि वे और अमेरिकी दूतावास की पूरी टीम भारत में अमेरिका के विदेश मंत्री, सेनेटर मार्को रुबियो के स्वागत के लिए उत्साहित हैं। यह दौरा आगामी एक सप्ताह में होगा। इस पोस्ट में अमेरिकी और भारतीय संबंधों में बढ़ती साझेदारी और उच्च-स्तरीय राजनयिक संपर्क को रेखांकित किया गया है।

अमेरिका और भारत के बीच संबंध पिछले कई वर्षों में मजबूत हुए हैं। दोनों देशों ने रक्षा, व्यापार, ऊर्जा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, और शिक्षा सहित कई क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा दिया है। अमेरिकी विदेश मंत्री का भारत दौरा इस सहयोग को और प्रगाढ़ बनाने के उद्देश्य से होता है। इसके अलावा,

यह दौरा क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा, आर्थिक साझेदारी और जलवायु परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर बातचीत का अवसर भी प्रदान करता है।

सेनेटर मार्को रुबियो का यह दौरा विशेष रूप से उस समय में महत्वपूर्ण है जब भारत एक प्रमुख वैश्विक प्लेयर के रूप में उभर रहा है। ऐसे दौरे पारंपरिक और रणनीतिक हितों को संतुलित करने के साथ-साथ दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और पीपुल-टू-पीपुल संपर्क को भी बढ़ावा देते हैं। यह दौरा व्यापार, रक्षा, क्वाड गठबंधन और महत्वपूर्ण खनिजों जैसे द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर केंद्रित होगा।

पाकिस्तान के लोगों पर और बढ़ेगा टैक्स का बोझ, आईएमएफ ने 1.73 लाख करोड़ रुपए तय किया लेवी टारगेट

नई दिल्ली। पाकिस्तान के आम नागरिकों पर टैक्स का बोझ और अधिक बढ़ने जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अगले वित्तीय वर्ष के लिए पेट्रोलियम लेवी का टारगेट 1 लाख 73 हजार करोड़ रुपए तय किया है। यह मौजूदा बजट लक्ष्य से 25 हजार 900 करोड़ रुपए अधिक है।

इसके अलावा, आईएमएफ ने फेडरल बोर्ड ऑफ रेवेन्यू (एफबीआर) को अपना रेवेन्यू टारगेट हासिल करने के लिए शर्तें और कड़ी कर दी हैं। पाकिस्तान की जनता पहले ही महंगाई की मार झेल रही है। ऐसे में आईएमएफ के इस फैसले से आम लोगों की परेशानियां और बढ़ने की आशंका है।

द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने फंड की स्टाफ-लेवल रिपोर्ट के हवाले से यह जानकारी दी। रिपोर्ट में कहा गया है कि केंद्र और राज्य सरकारें 86 हजार करोड़ रुपए के

बराबर अतिरिक्त रेवेन्यू जुटाने की कोशिश करेंगी। इसके लिए केंद्र सरकार आधे कदम उठाएगी, जिन्हें नए टैक्स उपायों और उनके प्रभावी क्रियान्वयन में बांटा जाएगा। वहीं, राज्य सरकारें सेवाओं पर सेल्स टैक्स बढ़ाएंगी और 43 हजार करोड़ रुपए का अपना हिस्सा जुटाने के लिए कृषि आयकर (एग्रीकल्चर इनकम टैक्स) वसूलेंगी।

केंद्रीय बजट का आकार 17 लाख 10 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा रहने का अनुमान है। यह चालू वित्तीय वर्ष के संशोधित बजट से लगभग 9 फीसदी अधिक है। डिफेंस बजट 2 लाख 66 हजार 500 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है, जो मौजूदा बजट से 10 हजार 100 करोड़ रुपए ज्यादा है।

पाकिस्तान ने 21 हजार 500 करोड़ रुपए के अतिरिक्त टैक्स लगाने के लिए आईएमएफ की शर्तें मान ली हैं। वहीं, 21 हजार 500 करोड़ रुपए बिलियन ऑडिट, प्रोडक्शन मॉनिटरिंग और अन्य प्रवर्तन (एनफोर्समेंट) उपायों के जरिए जुटाए जाएंगे।

आईएमएफ ने एफबीआर के लिए अगले वित्तीय वर्ष का 15 लाख 27 हजार करोड़ रुपए का रेवेन्यू टारगेट हासिल करने हेतु शर्तें और सख्त कर दी हैं। पाकिस्तान लगातार दो वर्षों तक यह लक्ष्य पूरा नहीं कर पाया है। इसी वजह से आईएमएफ ने निगरानी और शर्तों को और कड़ा किया है। मौजूदा इंडिकेटिव टारगेट के उलट, आईएमएफ ने अब एक क्वांटिटेटिव परफॉर्मेंस क्राइटेरिया लागू किया है। अगर एफबीआर तय टारगेट पूरा नहीं कर पाता, तो उसे आईएमएफ के एजीक्यूटिव बोर्ड से छूट लेनी होगी।

पेंटागन ने पोलैंड में 4,000 से अधिक अमेरिकी सैनिकों को तैनात करने की योजना रद्द की

वॉशिंगटन। पेंटागन ने अमेरिका में तैनात 4,000 से अधिक सैनिकों को अस्थायी रूप से पोलैंड भेजने की योजना रद्द कर दी है। कई अमेरिकी मीडिया संस्थानों ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी। इसके साथ ही

समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सेना के कार्यवाहक चीफ ऑफ स्टाफ क्रिस्टोफर ला नेव ने शुक्रवार को कांग्रेस की सुनवाई के दौरान बताया कि अमेरिकी यूरोपीय कमान के प्रमुख को 'सैन्य बलों में कटौती के निर्देश प्राप्त हुए थे।'

ला नेव ने कहा, 'मैंने उनके साथ करीबी परामर्श में इस बात पर काम किया कि कौन-सी सैन्य इकाई इसमें शामिल होगी और यह निर्णय लिया गया कि उस ब्रिगेड के लिए थिएटर में तैनाती न करना सबसे उपयुक्त होगा।' वह सेकेंड आर्मर्ड ब्रिगेड काम्बेट टीम का जिक्र कर रहे थे। जनरल ने बताया कि

यूनिट के कुछ हिस्सों को पहले ही विदेश भेजा जा चुका था और उसका सैन्य उपकरण रास्ते में था। तैनाती रद्द करने का आदेश अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के कार्यालय से आया था। हालांकि, इस बारे में कोई औपचारिक घोषणा नहीं की गई है। सीनेट की सशस्त्र सेवा समिति में शामिल डेमोक्रेट सदस्य जीन शाहीन ने कहा कि कांग्रेस को इसकी जानकारी नहीं दी गई थी। उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'जहां तक मुझे जानकारी है, हमें इसके बारे में सूचित नहीं किया गया था।' पेंटागन ने दो सप्ताह पहले घोषणा की थी कि अगले छह से 12 महीनों में जर्मनी से लगभग 5,000 अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाया जाएगा। इस महीने की शुरुआत में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इटली के मीडिया से कहा था कि वह अभी भी इटली में स्थित सैन्य अड्डों से सैनिकों को हटाने पर 'विचार कर रहे हैं।' उन्होंने यह भी कहा कि 'जब हमें जरूरत थी, तब इटली हमारे साथ नहीं था।'

ट्रंप-शी समिट में प्रतीकात्मक और रणनीतिक संदेश तो मिले लेकिन ठोस परिणाम नहीं निकला : विशेषज्ञ

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तीन दिवसीय चीन दौरा पूरा कर चुके हैं। इस दौरान उन्होंने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस (सीएफआर) के चीन के जाने-माने विशेषज्ञों का मानना है कि राष्ट्रपति ट्रंप और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई हाई-प्रोफाइल बैठक ने प्रतीकात्मक और रणनीतिक संदेश तो जरूर दिए, लेकिन इससे कोई ठोस उपलब्धि हासिल नहीं हुई।

इस मुलाकात का मकसद दोनों देशों के बीच संवाद बनाए रखना और वैश्विक स्तर पर राजनीतिक संकेत देना ज्यादा था, जबकि

व्यापार, सुरक्षा और ताइवान जैसे अहम मुद्दों पर कोई बड़ा समाधान सामने नहीं आया।

विशेषज्ञों ने कहा कि बीजिंग समिट ने पिछले साल के व्यापार टकराव के बाद कुछ समय के लिए तनाव को कम करने में मदद की, लेकिन ताइवान, तकनीकी कंट्रोल, टैरिफ, रेयर अर्थ मिनरल्स और ईरान पर गहरे विवादों को सुलझाने में नाकाम रही। सीएफआर के एशिया स्टडीज के सीनियर फेलो और चाइना स्ट्रैटेजी इनिशिएटिव के डायरेक्टर रश दोशी ने शुक्रवार को एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा, 'यह एक ऐसी समिट है जो असलियत से ज्यादा सिंबल पर ज्यादा थी।' दोशी ने कहा कि बीजिंग उस नाजुक शांति को बढ़ाने पर फोकस कर रहा था जो पिछले साल दोनों देशों के अपने व्यापार युद्ध को रोकने के बाद पैदा हुई थी।

'आईएनएसवी कौण्डिन्य का सफर': भारत-ओमान ने यूएन में दिखाई प्राचीन व्यापार मार्गों पर साझा समुद्री विरासत

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में भारतीय दूतावास ने ओमान के साथ मिलकर एक कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसका नाम 'प्राचीन व्यापार रूट्स: आईएनएसवी कौण्डिन्य का सफर' था। इस कार्यक्रम में कई स्थायी प्रतिनिधि और डिप्लोमैटिक कार्प्स के सदस्य शामिल हुए।

भारत और ओमान के स्थायी मिशन ने आईएनएसवी कौण्डिन्य के नाविकों के साथ-साथ ओमान के विशेषज्ञ, स्कॉलर्स और समुद्री क्षेत्र में काम करने वाले लोगों का स्वागत किया और अपनी खुशी जाहिर की।

न्यूयॉर्क में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'यूएन, न्यूयॉर्क में भारतीय दूतावास ने यूएन में ओमान के साथ मिलकर प्राचीन ट्रेड रूट्स:

आईएनएसवी कौण्डिन्य का सफर नाम का एक इवेंट किया। इस इवेंट में कई स्थायी प्रतिनिधि और डिप्लोमैटिक कॉर्प्स के सदस्य शामिल हुए। आईएनएसवी कौण्डिन्य, जो प्राचीन भारतीय जहाज बनाने की परंपराओं से प्रेरित एक सिले हुए तख्तों वाला जहाज है, की यात्राएं हिंद महासागर में भारत के प्राचीन समुद्री व्यापार मार्गों को दिखाती हैं, जो भारत को अरब पेनिनसुला और पूर्वी अफ्रीका से जोड़ती हैं। ये प्राचीन व्यापार मार्ग भारत और ओमान की जिम्मेदार समुद्री सभ्यताओं के तौर पर लंबे समय से चली आ रही भूमिका को दिखाते हैं।' भारतीय दूतावास ने आगे बताया, 'इस इवेंट में आईएनएसवी कौण्डिन्य के नाविकों ने हिस्सा लिया, जिन्होंने हाल ही में पुराने हिंद महासागर के व्यापार मार्ग को दोबारा ट्रैक करने वाले समुद्री अभियान को दिखाया। इस इवेंट ने आज के समुद्री शासन और इंसानियत के एक साथ जुड़ने, शेयर करने और आगे बढ़ने की कोशिशों का समर्थन करने की अहमियत को भी दोहराया।' बता दें, आईएनएसवी कौण्डिन्य भारतीय नौसेना के एक जहाज है, जिसे आधुनिक कीलों या इंजन के बजाए 1500 साल पुरानी सिला हुआ तख्ता तकनीक से बनाया गया है। आईएनएसवी कौण्डिन्य को हिंद महासागर में भारत के शुरुआती समुद्री व्यापार रास्तों को फिर से देखने के लिए प्रस्तावित किया गया था।

नोएडा के सेक्टर-63 में गारमेंट्स कंपनी में भीषण आग, तीन इमारतें चपेट में, मची अफरा-तफरी

नोएडा। नोएडा के थाना सेक्टर-63 क्षेत्र में स्थित एक गारमेंट्स कंपनी में शनिवार को अचानक भीषण आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और आसपास की तीन इमारतें इसकी चपेट में आ गईं। आग की ऊंची-ऊंची लपटें और आसमान में उठता काला धुआं कई किलोमीटर दूर से दिखाई दिया, जिसके बाद स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई।

घटना की सूचना मिलते ही फायर विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। आग की गंभीरता को देखते हुए दमकल विभाग की करीब एक दर्जन गाड़ियों को मौके पर लगाया गया। फायर कर्मी लगातार आग पर काबू पाने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं पुलिस बल भी मौके पर मौजूद है और पूरे इलाके को सुरक्षा घेरे में लेकर राहत एवं बचाव कार्य चलाया जा रहा है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग सबसे पहले एक गारमेंट्स कंपनी में लगी, लेकिन कुछ ही देर में उसने पास की अन्य इमारतों को भी अपनी चपेट में ले लिया। आग तेजी से फैलने के कारण आसपास की बिल्डिंगों को तत्काल खाली कराया गया। पुलिस और प्रशासन की टीम लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने में जुटी रही, जिससे किसी बड़े हादसे को टाला जा सके। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। आशंका जताई जा रही है कि शॉर्ट सर्किट या किसी तकनीकी खराबी की वजह से आग लगी हो सकती है, हालांकि फायर विभाग की जांच के बाद ही वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेगा। राहत की बात यह रही कि समय रहते कर्मचारियों और आसपास मौजूद लोगों को बाहर निकाल लिया गया, जिससे अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। घटना के चलते पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। स्थानीय लोग बड़ी संख्या में मौके पर जमा हो गए। प्रशासन ने लोगों से घटनास्थल से दूरी बनाए रखने की अपील की है ताकि राहत और बचाव कार्य में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। फायर विभाग के अधिकारियों का कहना है कि आग पर पूरी तरह काबू पाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

नीदरलैंड्स में भारतीय समुदाय से पीएम मोदी की अपील, 'विकसित भारत' यात्रा में दें योगदान

द हेग। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को नीदरलैंड्स के द हेग में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए प्रवासी भारतीयों से 'विकसित भारत 2047' के संकल्प में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत तेजी से विकास और परिवर्तन के नए दौर से गुजर रहा है और दुनिया की प्रगति में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय समुदाय के स्वागत से अभिभूत होकर कहा कि नीदरलैंड्स में बसे भारतीय मूल के लोग दोनों देशों के बीच मित्रता के जीवंत सेतु के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने डच समाज में भारतीय समुदाय के योगदान की सराहना की।

पीएम मोदी ने विशेष रूप से सूरीनामी-हिंदुस्तानी समुदाय का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका भारत से ऐतिहासिक और भावनात्मक जुड़ाव बेहद गहरा है। उन्होंने समुदाय द्वारा अपनी सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं को पीढ़ियों तक सहेजकर रखने के प्रयासों की प्रशंसा की। प्रधानमंत्री ने कहा कि तकनीकी क्षेत्र में कार्यरत भारतीय पेशेवर और डच विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले भारतीय छात्र भारत-नीदरलैंड्स संबंधों को नई मजबूती दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्रिकेट और हॉकी जैसे खेलों के जरिए दोनों देशों के लोगों के बीच संबंध और अधिक प्रगाढ़ हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत और नीदरलैंड्स के बीच द्विपक्षीय सहयोग लगातार विस्तार पा रहा है और प्रौद्योगिकी तथा नवाचार इसके प्रमुख केंद्र बनकर उभरे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि नीदरलैंड्स यूरोप में भारत के सबसे बड़े निर्यात गंतव्यों में शामिल है और भारत के प्रमुख निवेश साझेदारों में से एक है। उन्होंने भरोसा जताया कि भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता दोनों पक्षों के लिए नए अवसरों के द्वार खोलेगा।

संक्षिप्त खबर

नीट पेपर लीक मामला : पीवी कुलकर्णी और मनीषा वाघमारे की कोर्ट में पेशी

नई दिल्ली। नीट यूजी 2026 पेपर लीक मामले में गिरफ्तार मास्टरमाइंड पीवी कुलकर्णी और उसकी सहयोगी मनीषा वाघमारे को शनिवार को सीबीआई ने राऊज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया। दोनों आरोपियों को पुणे से गिरफ्तार किया गया था। कुलकर्णी पेशे से केमिस्ट्री के शिक्षक बताए जा रहे हैं। सीबीआई के विशेष जज अजय गुप्ता की अदालत में इस मामले की सुनवाई हुई, जहां जांच एजेंसी ने दोनों आरोपियों की 14 दिनों की कस्टडी की मांग की। सुनवाई के दौरान सीबीआई ने कोर्ट को बताया कि मनीषा वाघमारे, घनजय, कुलकर्णी और मनीषा मांधरे के बीच आपसी संपर्क था। सभी इस पेपर लीक साजिश में शामिल थे। आरोपियों की कस्टडी मांगते हुए एजेंसी ने कहा कि जांच के सिलसिले में आरोपियों को देश के अन्य हिस्सों में ले जाना है, इसलिए लंबी कस्टडी की जरूरत है। मनीषा वाघमारे की ओर से पेश वकील ने सीबीआई की कस्टडी मांग का विरोध करते हुए कहा कि उनकी मुवक्किल को अवैध तरीके से हिरासत में रखा गया। उन्होंने दावा किया कि पुणे पुलिस ने मनीषा को 24 घंटे से अधिक समय तक अपनी कस्टडी में रखा। मनीषा के खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं है और केवल कथित डिस्क्लोजर के आधार पर कार्रवाई की जा रही है। वकील ने दलील दी कि जब मोबाइल फोन पहले से ही सीबीआई के पास है, तो आगे की कस्टडी की जरूरत नहीं है।

पीवी कुलकर्णी के वकील ने भी आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यदि उन्होंने प्रश्नपत्र तैयार किया भी था, तो उन्हें यह जानकारी नहीं थी कि उनके द्वारा तैयार किए गए सवाल एनटीए द्वारा चयनित किए जाएंगे या नहीं। उन्होंने अदालत से अनुरोध किया कि उनके मुवक्किल को तीन दिनों से अधिक की कस्टडी न दी जाए।

बचाव पक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए सीबीआई ने कहा कि मनीषा वाघमारे को 14 मई को गिरफ्तार किया गया था और 15 मई को विधिवत ट्रांजिट रिमांड लिया गया। एजेंसी ने दोहराया कि दोनों आरोपी पेपर लीक मामले में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। मामले में सीबीआई की कस्टडी की मांग पर अदालत शाम 5 बजे अपना फैसला सुनाएगी।

महिला उत्पीड़न पर सरकार सख्त, बलिया के बीडीओ निलंबित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में महिला सुरक्षा और कार्यस्थल पर सम्मान के मुद्दे पर सरकार ने सख्त रुख अपनाते हुए बलिया में तैनात एक खंड विकास अधिकारी को निलंबित कर दिया है। महिला कर्मचारी के लैंगिक उत्पीड़न के आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए जाने के बाद यह कार्रवाई की गई। सरकारी प्रवक्ता के अनुसार, बलिया में तैनात खंड विकास अधिकारी श्रवण प्रसाद गुप्ता के खिलाफ महिला कर्मचारी ने कार्यस्थल पर उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी बलिया की ओर से गठित स्थानीय परिवाद समिति ने जांच की।

समिति की रिपोर्ट में आरोपों की पुष्टि होने के बाद शासन ने तत्काल प्रभाव से अधिकारी को निलंबित कर दिया। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रदेश सरकार महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों को लेकर 'जीरो टॉलरेंस' नीति पर काम कर रही है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि महिला उत्पीड़न, भ्रष्टाचार, कर्तव्यहीनता और अनुशासनहीनता जैसे मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शासनादेश के मुताबिक, जांच में संबंधित अधिकारी पर कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम-2013 यानी पॉश एक्ट के प्रावधानों के उल्लंघन के आरोप पाए गए हैं। यह उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक आचरण नियमावली-1956 के भी विपरीत माना गया है। शासन ने अधिकारी के खिलाफ विभागीय अनुशासनिक कार्रवाई भी प्रस्तावित की है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी दफ्तरों में कार्यरत महिलाओं को सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि पारदर्शिता, संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य करें। यदि किसी के खिलाफ शिकायत जांच में सही पाई जाती है तो नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और प्रदेश की डबल इंजन सरकार सुशासन, महिला सुरक्षा और प्रशासनिक शुचिता के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा किसी भी प्रकार के अनुचित आचरण को संरक्षण नहीं दिया जाएगा।

पॉक्सो केस को लेकर के. कविता का पीएम मोदी को पत्र, केंद्रीय मंत्री बंडी संजय को हटाने की मांग

हैदराबाद। तेलंगाना रक्षा सेना (टीआरएस) की प्रमुख के. कविता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर केंद्रीय गृह राज्यमंत्री बंडी संजय कुमार को मंत्री पद से हटाने की मांग की है। के. कविता ने कहा कि उनके बेटे भागीरथ से जुड़े पॉक्सो मामले की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच सुनिश्चित करने के लिए यह कदम जरूरी है।

पत्र में के कविता ने कहा कि बंदी संजय कुमार के बेटे के खिलाफ पॉक्सो एक्ट और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की गंभीर धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज है। उन्होंने कहा कि यह मामला एक नाबालिग से जुड़ा है, इसलिए जांच और न्यायिक प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, निष्पक्ष और किसी भी राजनीतिक प्रभाव से मुक्त होनी चाहिए।

के. कविता ने पत्र में लिखा कि बंडी संजय कुमार गृह राज्यमंत्री जैसे बेहद संवेदनशील पद पर हैं, जिसका सीधा संबंध कानून-व्यवस्था और जांच एजेंसियों से है। ऐसे में उनका पद पर बने रहना हितों के टकराव की स्थिति पैदा करता है। उन्होंने कहा कि जब तक जांच और ट्रायल पूरा नहीं हो जाता, तब तक मंत्री पद पर बने रहने से पुलिस जांच, सबूत जुटाने और गवाहों की सुरक्षा पर प्रभाव पड़ने की आशंका बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि इस मामले में न्याय व्यवस्था की निष्पक्षता पर जनता का भरोसा बनाए रखना बेहद जरूरी है। के. कविता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील करते हुए कहा कि संविधान के मूल सिद्धांतों और संस्थागत ईमानदारी को बनाए रखने के लिए बंदी संजय कुमार को अस्थायी रूप से गृह मंत्रालय से हटाया जाना चाहिए।

जमशेदपुर में 17 मई से होगा तीन दिवसीय राजस्थान महोत्सव सह मेला 2026 का आयोजन

जमशेदपुर। झारखंड के जमशेदपुर के बिष्टुपुर स्थित गोपालदास मैदान में तीन दिवसीय राजस्थान महोत्सव सह मेले का आयोजन किया जाएगा। इस मेले में राज्य की संस्कृति के बारे में विस्तार से बताया जाएगा। इसके अलावा, इस मेले में राज्य की कला एवं संस्कृति के बारे में विस्तार से बताया जाएगा। इस मेले में पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन के तत्वावधान में किया जाएगा।

आयोजकों ने इस मेले के संबंध में प्रेसवार्ता करके पूरी जानकारी दी। 17 मई को शाम पांच बजे संतोष गंगावर के हाथों में इस मेले का शुभारंभ किया जाएगा। इस मेले में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के भी शामिल होने की चर्चा है। इसके अलावा, इस मेले में बाबू लाल मरांडी, जनप्रतिनिधि और समाजसेवी भी हिस्सा लेंगे। आयोजकों ने बताया कि तीन दिवसीय महोत्सव के दौरान झारखंड की मिट्टी में राजस्थान की मिट्टी की खुशबू आएगी। हर जगह राजस्थान की संस्कृति के बारे में विस्तार से बताया जाएगा।

पश्चिमी जिला स्पेशल स्टाफ ने शातिर चोरों के गिरोह का किया भंडाफोड़, दो चोर गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के पश्चिमी जिला स्पेशल स्टाफ ने एक संगठित चोरी गिरोह का सफलतापूर्वक भंडाफोड़ किया है। टीम ने दो शातिर चोरों को गिरफ्तार कर लिया है। अपराध में इस्तेमाल हुई कार, चोरी के 29,400 रुपए नकद, लैपटॉप, मोबाइल फोन और अपराध के समय पहने गए कपड़े भी बरामद कर लिए गए हैं।

पुलिस के अनुसार, 9 मई 2026 की सुबह हरि नगर के अजय एन्क्लेव में रहने वाले एक बुजुर्ग दंपति के घर में चोरों ने ताला तोड़कर घुसपैठ की। चोरों ने लगभग 4.5 लाख रुपए नकद, एक लैपटॉप, मोबाइल फोन और कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज चुरा लिए। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए मामले की जांच पश्चिमी जिला स्पेशल स्टाफ को सौंपी गई। इंस्पेक्टर राजेश मौर्य (आई/सी स्पेशल स्टाफ) के नेतृत्व में गठित टीम में एसआई नरेश, एएसआई विनोद, एएसआई उमेश, हेड कांस्टेबल दीपक, महेंद्र और अजय शामिल थे।

टीम एसीपी ऑपरेशंस विजय सिंह की निगरानी में काम कर रही थी। टीम ने घटनास्थल और आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज का गहन विश्लेषण किया। जांच में पता चला कि चोरों ने यूपी रजिस्ट्रेशन वाली कार का इस्तेमाल किया था। गाड़ी कई बार हाथ बदल चुकी थी। टीम ने गाड़ी के पिछले मालिकों का बारीकी से पता लगाया और महत्वपूर्ण सुराग हासिल किए। दिल्ली, ट्रांस-यमुना क्षेत्र, गाजियाबाद, नोएडा, बुलंदशहर और अलीगढ़ सहित विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की गई। तकनीकी निगरानी और अथक प्रयासों के बाद टीम दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफल रही।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान सहजाद पुत्र अशगर (32 वर्ष), निवासी वेलकम, और सलमान पुत्र मुश्ताक अहमद (34 वर्ष), निवासी शाहदरा, के रूप में हुई है।

पूछताछ में दोनों ने अपने साथियों कमल और इंतजार अहमद के नाम बताए। उनके ठिकानों पर छापेमारी की गई लेकिन वे फरार हो गए। गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर अपराध वाली कार, 29,400 रुपए नकद, लैपटॉप, मोबाइल और अपराध के समय के कपड़े बरामद किए गए। जांच में यह भी सामने आया कि यह गिरोह 8 मई 2026 को सराय रोहिल्ला थाना क्षेत्र में हुई एक वाहन चोरी की घटना में भी शामिल था। आरोपी सहजाद पहले भी सेंधमारी और चोरी के छह मामलों में शामिल रह चुका है।

दिल्ली के उपराज्यपाल ने 101 जल निकायों को पुनर्जीवित करने के लिए डीडीए कैंपन किया शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने शनिवार को दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के 'जल संचय अभियान' का शुभारंभ किया, जिसका उद्देश्य 101 जल निकायों का पुनरुद्धार करना है। इसकी जानकारी एक अधिकारी ने दी।

संधू ने कहा, 'पहले चरण में मानसून के दौरान भूजल पुनर्भरण को अधिकतम करने के लिए गहरी गाद निकालने और जलग्रहण क्षेत्र की सफाई के माध्यम से कार्यात्मक पारिस्थितिक बहाली को प्राथमिकता दी जाएगी।'

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीर्घकालिक जल सुरक्षा के दृष्टिकोण के अनुरूप यह अभियान दिल्ली के 'ब्लू लंग्स' को पुनर्जीवित करने और शहर के पारिस्थितिक लचीलेपन को मजबूत करने का प्रयास करता है। एलजी संधू ने दिल्ली के पारंपरिक जल निकायों को पुनर्जीवित करने के महत्व पर जोर दिया, ताकि शहर में दीर्घकालिक जल सुरक्षा, भूजल पुनर्भरण और पारिस्थितिक संतुलन सुनिश्चित किया जा सके।

128 करोड़ के फर्जी जीएसटी रैकेट का भंडाफोड़, 6 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने एक बड़े फर्जी जीएसटी इनवॉइसिंग रैकेट का पर्दाफाश करते हुए 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया। इस संगठित गिरोह के जरिए लगभग 128 करोड़ रुपए के फर्जी जीएसटी लेनदेन किए जाने का खुलासा हुआ है।

पुलिस के अनुसार, इस मामले में 24 मार्च 2026 को एफआईआर संख्या 66/2026 दर्ज की गई थी। जांच के दौरान सामने आया कि एक अनजान व्यक्ति के आधार कार्ड, पैन कार्ड, बिजली बिल और बायोमेट्रिक विवरण का दुरुपयोग कर सितंबर 2025 में मेसर्स आरके एंटरप्राइजेज नाम से एक फर्जी फर्म बनाई गई थी। पीड़ित को इस फर्म के अस्तित्व की जानकारी तक नहीं थी। इसी फर्म के माध्यम से 128 करोड़ रुपए से अधिक के लेनदेन किए गए और लगभग 10 करोड़ रुपए का फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) लिया गया। तकनीकी निगरानी, जीएसटी रिकॉर्ड, बैंकिंग लेनदेन और डिजिटल साक्ष्यों के विश्लेषण में यह सामने आया कि दिलीप कुमार और राज कुमार दीक्षित इस रैकेट के मुख्य साजिशकर्ता थे।

इनके अलावा अमर कुमार, विभाष कुमार मित्रा, नितिन वर्मा, मोहम्मद वसीम और आबिद ने भी फर्जी कंपनियों के संचालन, बैंक खातों की व्यवस्था और ऑनलाइन लेनदेन के जरिए इस नेटवर्क को चलाने में अहम भूमिका निभाई। जांच में यह भी सामने आया कि यह गिरोह फर्जी दस्तावेजों और पहचान पत्रों का इस्तेमाल कर शेल कंपनियां बनाता था और उन्हें वास्तविक कारोबार के रूप में पेश करता था। इन कंपनियों के माध्यम से बिना किसी वास्तविक माल या सेवा की आपूर्ति के फर्जी जीएसटी बिल तैयार किए जाते थे, बैंकिंग चैनलों के जरिए पैसे घुमाए जाते थे, नकद के बदले फर्जी एंट्री दी जाती थी और गलत तरीके से इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ उठाया जाता था। इस पूरी प्रक्रिया के जरिए सरकारी राजस्व को भारी नुकसान पहुंचाया गया। ईओडब्ल्यू की विभिन्न टीमों ने एसीपी वीरेंद्र कादयान के नेतृत्व में दिल्ली-एनसीआर के कई स्थानों पर समन्वित छापेमारी कर 15 मई 2026 को सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों से पूछताछ के बाद उन्हें विधि अनुसार गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने 51.12 लाख रुपए नकद, फर्जी दस्तावेज और स्टांप, बड़ी संख्या में फर्जी इनवॉइस, 15 मोबाइल फोन, कई सिम कार्ड, दो लैपटॉप और दो कारें बरामद की हैं।

सिमुलेशन प्रैक्टिस करते नजर आए जेरेमी हैनसेन, जानें एस्ट्रोनॉट्स के लिए क्यों जरूरी है ये

नई दिल्ली। एस्ट्रोनॉट्स की जिंदगी इतनी आसान भी नहीं होती। स्पेस के लिए उड़ान भरने से पहले उन्हें कई अभ्यास करने पड़ते हैं। ऐसे ही एक अभ्यास का नाम है सिमुलेशन प्रैक्टिस। कनेडियन स्पेस एजेंसी (सीएसए) ने सोशल मीडिया पर एस्ट्रोनॉट जेरेमी हैनसेन का एक नया वीडियो पोस्ट किया, जिसमें हैनसेन ह्यूस्टन वापस लौटकर सिमुलेटेड की प्रैक्टिस करते नजर आ रहे हैं।

अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर जेरेमी हैनसेन का एक नया वीडियो पोस्ट किया है। इसमें हैनसेन ह्यूस्टन वापस लौटकर सिमुलेटेड अभ्यास करते नजर आ रहे हैं। यह अभ्यास भविष्य के आर्टेमिस मिशनों में चंद्रमा की सतह पर होने वाले स्पेसवॉक को और बेहतर बनाने के लिए किए जा रहे हैं।

सीएसए ने वीडियो के साथ लिखा, 'कुछ लोगों को आराम नहीं मिलता!' आर्टेमिस II मिशन से पृथ्वी पर लौटने के बाद भी जेरेमी हैनसेन लगातार तैयारी में जुटे हुए हैं।

इस सिमुलेटेड अभ्यास का मुख्य उद्देश्य यह समझना है कि चंद्रमा पर उतरते ही अंतरिक्ष यात्री सूट पहनकर कैसे प्रभावी ढंग से काम कर सकें।

अब सवाल है कि सिमुलेटेड अभ्यास क्या है और क्यों किया जाता है? सिमुलेटेड अभ्यास यानी नकली या अनुकरण आधारित प्रशिक्षण। इसमें अंतरिक्ष यात्रियों को वास्तविक मिशन जैसा माहौल बनाकर ट्रेनिंग दी जाती है। इसमें स्पेससूट पहनकर शारीरिक गतिविधियां, उपकरणों का उपयोग और विभिन्न चुनौतियों का सामना करना शामिल होता है।

यह तरीका इसलिए अपनाया जा रहा है क्योंकि आर्टेमिस II का क्रू अभी पूरी तरह अपनी शारीरिक क्षमता में वापस नहीं आ पाया है। चंद्रमा पर उतरने के तुरंत बाद काम शुरू करने की स्थिति को ध्यान में रखकर ये अभ्यास किए जा रहे हैं। इससे पता चलता है कि वास्तविक मिशन में क्या चुनौतियां आ सकती हैं और उन्हें कैसे बेहतर तरीके से हैंडल किया जा सकता है।

स्पेसवॉक में मॉडलिंग और सिमुलेशन बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये अंतरिक्ष यान और पूरे मिशन के प्रदर्शन का गहराई से विश्लेषण, मूल्यांकन और परीक्षण करने में मदद करते हैं। इससे मुश्किल भरे मिशनों को असल में शुरू करने से पहले उनकी सुरक्षा, दक्षता और सफलता सुनिश्चित की जा सकती है।स्पेस एजेंसिज के पास इस क्षेत्र में उन्नत सुविधाएं हैं।

यहां मिशन सिमुलेशन, वर्चुअल रियलिटी ट्रेनिंग, थर्मल विश्लेषण, पावर सिस्टम टेस्टिंग, इलेक्ट्रोमैग्नेटिक विश्लेषण, सॉफ्टवेयर इंटीग्रेशन और हार्डवेयर-इन-द-लूप टेस्टिंग जैसी कई आधुनिक क्षमताएं उपलब्ध हैं जिसमें असली अंतरिक्ष यात्री सिमुलेटेड माहौल में काम करते हैं।

वीआईपी टूर पर सीएसए हेडक्वार्टर पहुंचा नासा का 'खिलौना', देखें जीरो ग्रैविटी इंडिकेटर 'राइज' का शेड्यूल

नई दिल्ली । नासा के आर्टेमिस II मिशन का जीरो-ग्रेविटी इंडिकेटर और आधिकारिक मैस्कॉट 'राइज' अब कनेडियन स्पेस एजेंसी (सीएसए) के मुख्यालय पहुंच चुका है। सीएसए ने सोशल मीडिया पर खास वीडियो पोस्ट कर 'राइज' का शेड्यूल भी बताया।

अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर राइज के खास वीआईपी टूर के वीडियो को पोस्ट करते हुए एजेंसी ने राइज को टीम का आधिकारिक सदस्य बताते हुए लिखा, 'एक ऐसा वीआईपी टूर जैसा कोई और नहीं!' आर्टेमिस द्वितीय मिशन पूरा करने के बाद राइज, क्रू सदस्यों के साथ कनाडा की यात्रा पर निकला है। सीएसए मुख्यालय में इसका स्वागत बड़े उत्साह से किया गया।

राइज ने अपना दौरा मुख्य द्वार से शुरू किया, जहां उसने कनाडाआर्म 2 रोबोटिक आर्म के मॉडल की तारीफ की। इसके बाद उसने रोबोटिक्स मिशन कंट्रोल रूम और अंतरिक्ष यात्रियों के ट्रेनिंग सेंटर को देखा। ट्रेनिंग जिम में पहुंचकर राइज ने हल्का-फुल्का वर्कआउट भी किया। दिन के अंत में यह छोटा सा मैस्कॉट लाइब्रेरी में पहुंचा, जहां उसे नई प्रेरणा मिली।

बता दें, राइज एक जीरो-ग्रैविटी इंडिकेटर है। अंतरिक्ष यात्री इसे कैप्सूल के साथ ले जाते हैं ताकि यह पता चल सके कि

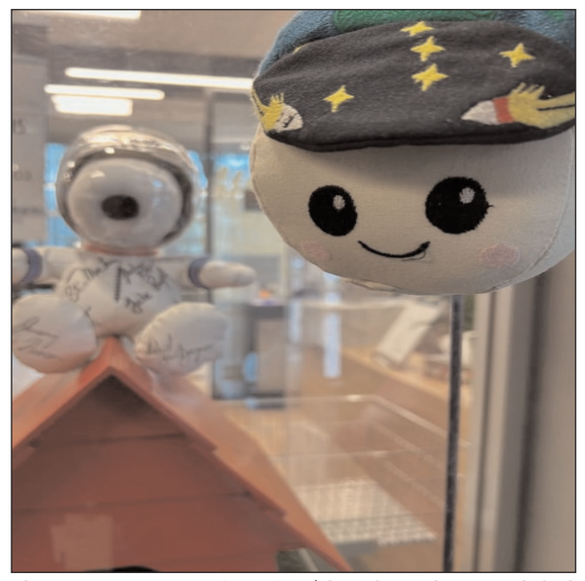

स्पेसक्राफ्ट कब पृथ्वी की गुरुत्वाकर्षण से बाहर निकलकर अंतरिक्ष में पहुंच गया है। जब राइज हवा में तैरने लगता है, तो समझा जाता है कि अब शून्य गुरुत्वाकर्षण शुरू हो गया है। यह सिर्फ एक खिलौना नहीं है। राइज के अंदर एक एसडी कार्ड रखा गया था, जिसमें दुनिया भर के 56,47,889 लोगों के नाम रिकॉर्ड थे। ये नाम 'सेंड योर नेम विद आर्टेमिस' अभियान के तहत इकट्ठा किए गए थे। राइज का डिजाइन कैलिफोर्निया के 8 वर्षीय छात्र लुकास ने बनाया था। नासा के 'मून मैस्कॉट डिजाइन चैलेंज' में 50 से अधिक देशों से 2,600 से ज्यादा एंट्रीज आई थीं, जिनमें लुकास की डिजाइन चुनी गई। यह डिजाइन अपोलो-8 मिशन के 'अर्थराइज' को समर्पित है। राइज को नासा के गॉडर्ड स्पेस फ्लाइट सेंटर में विशेष रूप से बनाया गया है। यह बहुत हल्का और मुलायम है, ताकि आसानी से अंतरिक्ष में तैर सके।

आर्टेमिस द्वितीय मिशन के चारों अंतरिक्ष यात्री रीड वाइजमैन, विक्टर ग्लोवर, क्रिस्टीना कोच और जेरेमी हैनसेन राइज को चंद्रमा की यात्रा पर अपने साथ ले गए थे।

तरबूज-खरबूजे के साथ भूलकर भी न खाएं ये चीजें, बिगड़ सकता है पाचन

नई दिल्ली। मई की इस चिलचिलाती गर्मी में जो सबसे ज्यादा भारत में खाया जाता है, वह है खरबूजा और तरबूज। ये शरीर को ठंडक पहुंचाते हैं और पानी की कमी नहीं होने देते, लेकिन इन फलों को गलत चीजों के साथ खाने से फायदा होने के बजाय नुकसान हो सकता है।

आयुर्वेद में कुछ चीजों को 'विरुद्ध आहार' कहा गया है, यानी ऐसी चीजें जिन्हें एक साथ खाने से पाचन बिगड़ सकता है। तरबूज या खरबूजे के साथ दूध, दही या अन्य डेयरी उत्पाद नहीं खाने चाहिए। ऐसा करने से पाचन क्रिया धीमी हो सकती है और गैस, भारीपन या पेट दर्द जैसी दिक्कतें हो सकती हैं।

इसी तरह जलयुक्त फलों के साथ तले-भुने खाद्य पदार्थ खाना भी नुकसानदायक माना जाता है। गर्मियों में शरीर पहले से ही गर्म रहता है और अगर ऐसे समय में भारी और ऑयली खाना खाया जाए तो अपच, एसिडिटी और पेट में जलन की समस्या बढ़ सकती है।

भारी भोजन या ज्यादा अनाज के

साथ भी तरबूज और खरबूजा खाने से बचना चाहिए। इससे पाचन तंत्र पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है और शरीर में सुस्ती, भारीपन और असहजता महसूस हो सकती है।

इसके अलावा, बहुत ठंडे पेय या आइस्ड ड्रिंक्स के साथ इन फलों का सेवन भी सही नहीं माना जाता। इससे आंतों की प्राकृतिक प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है और दस्त या पेट दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

आयुर्वेद के अनुसार, तरबूज या खरबूजे जैसे जलयुक्त फलों को हमेशा अकेले या फिर समान प्रकृति वाले फलों के साथ खाना बेहतर होता है। इससे शरीर को पोषण भी सही तरीके से मिलता है और पाचन भी अच्छा रहता है।

अगर आपको तरबूज या खरबूजा पसंद नहीं है या किसी वजह से आप नहीं खा सकते तो गर्मी के मौसम में नारियल पानी, बेल का शरबत, नींबू पानी और छाछ जैसी चीजें शरीर को ठंडक पहुंचाने में मदद करती हैं। साथ ही, पर्याप्त आराम और संतुलित खानपान भी जरूरी है।

किशोरावस्थाः जीवन का सबसे अहम पड़ाव, सही मार्गदर्शन से ही बनता है स्वस्थ भविष्य

नई दिल्ली। किशोरावस्था वह समय होता है जब बच्चा धीरे-धीरे वयस्क बनने की ओर बढ़ता है। यह अवस्था लगभग 10 से 19 साल की उम्र के बीच होती है। इस दौरान शरीर में कई तरह के शारीरिक और मानसिक बदलाव आते हैं, जिसे यौवनावस्था कहते हैं। लड़के और लड़कियों दोनों के शरीर में बदलाव होने लगते हैं, जैसे कद बढ़ना, आवाज बदलना, शरीर के आकार में परिवर्तन आदि। इस समय बच्चे बहुत संवेदनशील हो जाते हैं।

आयुष मंत्रालय ने बताया कि किशोरावस्था में बच्चों के मूड में जल्दी-जल्दी बदलाव आता है और कभी-कभी उनका आत्मविश्वास भी कम-ज्यादा होता रहता है। अगर इस समय सही मार्गदर्शन और समझ न मिले तो वे गलत निर्णय ले सकते हैं। कई बार वे गलत संगत, नशा या साथियों के दबाव में आकर गलत रास्ते पर चल सकते हैं। इसलिए इस उम्र में सही सलाह और काउंसलिंग बहुत जरूरी होती है ताकि वे अपनी भावनाओं को सही तरीके से समझ सकें और सही दिशा में आगे बढ़ सकें।

हर बच्चे पर जीवन की परिस्थितियों का अलग-अलग असर पड़ता है। कुछ घटनाएं बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती हैं, जैसे भाई-बहन का जन्म होना, किसी प्रियजन या पालतू जानवर की मृत्यु, शारीरिक या मानसिक शोषण, गरीबी या बेघर होना, प्राकृतिक आपदा, घर में हिंसा, नए स्थान पर जाना या नया स्कूल शुरू करना, स्कूल में बुली होना, उम्र से ज्यादा जिम्मेदारियां लेना या माता-पिता का अलग होना।

किशोर लड़कियों को कुछ अतिरिक्त समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है, जैसे मासिक धर्म से जुड़ी दिक्कतें, भेदभाव, यौन अपराध, संक्रमण या अनचाहा गर्भ। आजकल किशोरों में शारीरिक गतिविधि की कमी, कुपोषण, मोटापा, तंबाकू और नशे की आदतें तथा मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं आम हैं। इनसे बचाव के लिए सही मार्गदर्शन और स्वस्थ जीवनशैली जरूरी है।

माता-पिता की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। उन्हें बच्चों में अच्छी आदतें डालनी चाहिए जैसे दिनचर्या, ऋतुचर्या, अच्छा व्यवहार और सही खान-पान।

बच्चों को योग, खेलकूद और शारीरिक गतिविधियों के लिए प्रेरित करना चाहिए।

माता-पिता को बच्चों के लिए एक अच्छा उदाहरण बनना चाहिए, उनकी बातों को धैर्य से सुनना चाहिए और उन्हें पर्याप्त समय देना चाहिए।

बच्चों पर बहुत ज्यादा रोकटोक या आलोचना नहीं करनी चाहिए। छोटी-छोटी बातों को नजरअंदाज करना और उनकी अच्छी बातों की सराहना करना चाहिए। उन्हें समझाने के बजाय प्यार से मार्गदर्शन देना चाहिए और उनकी भावनाओं का सम्मान करना चाहिए।

'डेंगू को हराने के लिए सामुदायिक प्रयास सबसे अहम,' नड्डा ने लोगों से की भागीदारी की अपील

नई दिल्ली । राष्ट्रीय डेंगू दिवस के मौके पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने लोगों से डेंगू को लेकर जागरूक रहने की अपील की।

उन्होंने कहा कि साफ-सफाई, पानी जमा न होने देना और आसपास का वातावरण सुरक्षित रखना बेहद जरूरी है। सरकार निगरानी, जांच, इलाज और जागरूकता अभियान के जरिए डेंगू नियंत्रण को मजबूत बना रही है। उन्होंने कहा कि डेंगू से लड़ाई में लोगों की भागीदारी सबसे अहम है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर, आइए हम सब मिलकर डेंगू की रोकथाम

के बारे में जागरूकता फैलाएं और अपने आस-पास के वातावरण को स्वच्छ और सुरक्षित रखें। भारत सरकार बेहतर निगरानी, ??जांच, उन्नत उपचार और जागरूकता अभियानों के माध्यम से डेंगू नियंत्रण को लगातार सुदृढ़ कर रही है। इस वर्ष की थीम 'डेंगू नियंत्रण के लिए सामुदायिक भागीदारी: जांचें, साफ करें और ढकें' हमें यह याद दिलाती है कि डेंगू को हराने के लिए सामुदायिक प्रयास ही सबसे महत्वपूर्ण हैं। आइए, हम सब मिलकर एक स्वस्थ कल का निर्माण करें।'

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'सावधानी, स्वच्छता, सजगता और समय पर उपचार से डेंगू पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। आइए, राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर संकल्प लें कि अपने घर, आसपास और समाज को स्वच्छ रखें, कहीं भी जलभराव न होने दें। सजग रहें, सुरक्षित रहें।'

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'डेंगू को जागरूकता से ही रोका जा सकता है। आइए, हम सभी डेंगू की रोकथाम हेतु जनजागरूकता के प्रसार का संकल्प लें और साथ ही अपने घरों के आसपास स्वच्छता रखें।

विश्व उच्च रक्तचाप दिवस : 140/90 से ऊपर बीपी होती है खतरे की घंटी, प्रदूषण भी बढ़ाते हैं ब्लड प्रेशर, हार्टअटैक और स्ट्रोक का खतरा

नई दिल्ली। आज जब हम 17 मई 2026 को 21वां विश्व उच्च रक्तचाप दिवस मना रहे हैं लेकिन क्या आप जानते हैं कि हर साल भारत में करीब 11 लाख लोग सिर्फ इसलिए अपनी जान गंवा देते हैं क्योंकि उनके खून का दबाव नसों में हद से ज्यादा होता है। यह सिर्फ एक बीमारी नहीं बल्कि हमारे दौर की सबसे बड़ी 'सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति' बन चुकी है।

विश्व उच्च रक्तचाप दिवस हर साल 17 मई को इसलिए मनाया जाता है क्योंकि इसे पहली बार इसी तारीख को साल 2006 में 'वर्ल्ड हाइपरटेंशन लीग' (डब्ल्यूएचएल) द्वारा स्थापित किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य लोगों को 'साइलेंट किलर' माने जाने वाले उच्च रक्तचाप (हाई ब्लड प्रेशर) के खतरों और बचाव के प्रति जागरूक करना है।

डॉक्टर इसे 'साइलेंट किलर' (मूक हत्यारा) कहते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, अगर आपका ब्लड प्रेशर लगातार 140/90 एमएमएचजी या उससे ऊपर रहता है, तो आप इसके शिकार हो चुके हैं। इसका सबसे खतरनाक पहलू यह है कि शुरुआत में इसके कोई लक्षण (जैसे सिरदर्द या चक्कर आना) ही दिखाई नहीं देते।

शायद यही वजह है कि डब्ल्यूएचओ के 2024 की एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में हाई बीपी से जूझ रहे करीब 1.4 बिलियन (140 करोड़) वयस्कों में से लगभग 44 प्रतिशत (करीब 60 करोड़ लोग) इस बात से पूरी तरह अनजान रहते हैं।

करेले की कड़वाहट आखिर क्यों लगती है इतनी तेज, स्वाद बदलने के लिए अपनाएं ये आसान तरीके

नई दिल्ली। करेला सेहत के मामले में बेहद फायदेमंद माना जाता है। यह शरीर में शुगर को कंट्रोल करने, पेट को सही रखने और वजन कम करने में मदद करता है। हालांकि कई लोग सिर्फ इसके कड़वे स्वाद की वजह से इसे खाना पसंद नहीं करते। पर कुछ आसान घरेलू तरीकों को अगर आजमा लिया जाए, तो करेले की कड़वाहट को काफी कम किया जा सकता है। इससे इसका स्वाद भी अच्छा होता है। दरअसल, करेले में कुछ प्राकृतिक रसायन पाए जाते हैं, जिनकी वजह से उसका स्वाद कड़वा होता है। जब हम करेला खाते हैं, तो हमारी जीभ इन कड़वे

तत्वों को तुरंत पहचान लेती है। लेकिन नमक, दही, प्याज, हल्दी और सरसों का तेल जैसे पदार्थ इन तत्वों के असर को कम करने में मदद करते हैं।सबसे पहले बात नमक की करें, तो इसे करेले की कड़वाहट कम करने का सबसे असरदार तरीका माना जाता है। जब करेले पर नमक लगाया जाता है, तो वह उसके अंदर मौजूद पानी को बाहर निकालने लगता है। इसी पानी के साथ करेले के कड़वे तत्व भी धीरे-धीरे बाहर आने लगते हैं। कुछ देर बाद करेले का स्वाद पहले से हल्का लगने लगता है। बाद में जब इसे पानी से धोया जाता है, तो काफी कड़वाहट निकल चुकी होती है।दही भी करेले की कड़वाहट को दूर करने में काफी मदद करती है। दही में हल्की खटास होती है, जो जीभ पर कड़वे स्वाद को कम महसूस कराती है। दही का स्वाद हमारी जीभ को संतुलित महसूस होता है और इससे करेले की कड़वाहट दब जाती है। इसके अलावा, दही में मौजूद बैक्टीरिया और लैक्टिक एसिड करेले के ऊपरी हिस्से पर असर डालते हैं, जिससे उसका स्वाद थोड़ा नरम हो जाता है।हल्दी का असर थोड़ा अलग तरीके से काम करता है। वैज्ञानिक मानते हैं कि हल्दी में तेज खुशबू और खास तरह के प्राकृतिक तत्व होते हैं, जो खाने के स्वाद को बदलने में मदद करते हैं। जब करेले पर हल्दी लगाई जाती है, तो उसकी खुशबू और हल्का तीखापन कड़वाहट को कम करने लगता है। इसके अलावा, हल्दी में मौजूद करक्यूमिन नाम का तत्व स्वाद को संतुलित करने में मदद कर सकता है।

आईपीएल 2026: गुजरात टाइंट्स पर 29 रन से जीत, केकेआर ने कायम रखी प्लेऑफ की उम्मीदें

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने शनिवार को आईपीएल 2026 के 60वें मुकाबले में गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ 29 रन से जीत दर्ज की। इसी के साथ केकेआर ने 'प्लेऑफ' की उम्मीदों को बरकरार रखा है।

केकेआर 12 में से 5 मैच जीतकर 11 अंकों के साथ प्वाइंट्स टेबल में सातवें पायदान पर मौजूद है, जबकि गुजरात टाइटंस 13 में से 8 मुकाबले जीतकर दूसरे पायदान पर बनी हुई है। जीटी का मकसद अपने अगले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स को शिकस्त देकर 18 अंकों के साथ अगले दौर का टिकट हासिल करना होगा।

ईडन गार्डन्स स्टेडियम में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी केकेआर ने निर्धारित ओवरों में 2 विकेट खोकर 247 रन बनाए। इस टीम को कप्तान अजिंक्य रहाणे और फिन एलन की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 27 गेंदों में 44 रन की साझेदारी की। रहाणे 14 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद अंगकृष रघुवंशी के साथ फिन एलन ने दूसरे विकेट के लिए 41 गेंदों में 95 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 139 के स्कोर तक पहुंचाया। एलन 35 गेंदों में 10 छक्कों और 4 चौकों के साथ 93 रन बनाकर आउट हुए।

यहां से रघुवंशी ने कैमरून ग्रीन के साथ तीसरे विकेट के लिए 52 गेंदों में 108 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया। रघुवंशी 44 गेंदों में 82 रन बनाकर नाबाद रहे। उनकी इस पारी में 7 छक्के और 4 चौके शामिल रहे। वहीं, कैमरून ग्रीन ने 28 गेंदों में 4 छक्कों और 3 चौकों के साथ 52 रन की नाबाद पारी खेली। विपक्षी खेमे से मोहम्मद सिराज और साईं किशोर ने एक-एक विकेट हासिल किया।

विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी जीटी निर्धारित 20 ओवरों में 4 विकेट खोकर 218 रन ही बना सकी। इस टीम को साईं सुदर्शन और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों के बीच 3 ओवरों में 42 रन की साझेदारी हो चुकी थी। तीसरे ओवर की अंतिम गेंद पर कार्तिक त्यागी की गेंद सुदर्शन की बाएं कोहनी पर लगी।

थाईलैंड ओपन 2026: सात्विक-चिराग की जोड़ी ने कटाया फाइनल का टिकट

पटुमवान (थाईलैंड)। भारत की टॉप पुरुष डबल्स जोड़ी सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने थाईलैंड ओपन सुपर 500 के फाइनल में अपनी जगह बना ली है। सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने मलेशिया के गोह सेफेई और नूरइजुद्दीन को हराकर 2026 सीजन के अपने पहले फाइनल का टिकट कटाया।

टूर्नामेंट में पहली वरीयता प्राप्त वाली दुनिया की नंबर 4 भारतीय जोड़ी ने सेमीफाइनल मुकाबले को 19-21, 22-20, 21-16 से जीता। यह मुकाबला एक घंटे 22 मिनट तक चला। इस जीत के साथ ही मलेशियाई जोड़ी के खिलाफ सात्विक और चिराग की जोड़ी का रिकॉर्ड अब 8-2 हो गया है। पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन के पहले ही टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद सात्विक और चिराग ने बैंकॉक में भारत की उम्मीदों को आगे बढ़ाया और सेमीफाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय जोड़ी का लक्ष्य 2024 में थाईलैंड ओपन जीतने के बाद अपना पहला खिताब और 2025 में चाइना मास्टर्स के बाद अपना पहला फाइनल खेलना था।

मलेशियाई जोड़ी ने दमदार आगाज किया और वह शुरुआत में 3-1 से आगे चल रहे थे। हालांकि, जल्द ही सात्विक और चिराग ने वापसी की और स्कोर को 7-7 से बराबर कर दिया। हालांकि, गोह और इजुद्दीन की जोड़ी ने एक बार फिर बढ़त हासिल की। मलेशियाई जोड़ी ने इंटरवल तक तीन पॉइंट की बढ़त बनाई और बाद में स्कोर को 18-12 कर दिया। हालांकि, इसके बाद सात्विक और चिराग ने शानदार वापसी की। उन्होंने लगातार चार पॉइंट अर्जित किए।

'हमें ट्रेनिंग की रुकावटों को तोड़ना होगा', हिमाचल की पहाड़ियों से भारत की रिकॉर्ड बुक तक सावन बरवाल का 'मैराथन' सफर

नई दिल्ली। भारत में लंबी दूरी की दौड़ को अक्सर क्रिकेट और दूसरे लोकप्रिय खेलों जितना महत्व और पहचान नहीं मिल पाती है। हालांकि, सावन बरवाल ने साबित किया कि मेहनत और लगातार अभ्यास से अलग पहचान बनाई जा सकती है। देश के सबसे होनहार मैराथन रनर में से एक बनने का रास्ता भीड़-भाड़ वाले एरीना से दूर, हिमाचल प्रदेश के जोगिंदर नगर की शांत पहाड़ियों से शुरू हुआ, जहां धैर्य सिर्फ ट्रेनिंग कैंप में ही नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी में भी बनता है।

इस साल की शुरुआत में सावन ने भारत का 48 साल पुराना नेशनल मैराथन रिकॉर्ड तोड़कर इतिहास रच दिया। उनकी इस उपलब्धि ने शांत स्वभाव वाले इस आर्मी एथलीट को अचानक राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। इसके बावजूद बातचीत में यह रिकॉर्डधारी धावक शोहरत की बजाय अनुशासन, रिकवरी, धैर्य और उन लोगों की ज्यादा बात करता है, जिन्होंने उन मुश्किल वर्षों में चुपचाप उनका साथ दिया, जब सफलता की कोई गारंटी नहीं थी।

सावन ने 'आईएएनएस' के साथ एक खास बातचीत में पहाड़ों में बड़े होने, चोटों से उबरने, परिवार के त्याग और लंबी दूरी की दौड़ के सिर्फ शारीरिक ही नहीं, बल्कि मानसिक लड़ाई होने पर भी बात की।

सवाल: आप हिमाचल प्रदेश से हैं, जहां जिंदगी खुद ही शारीरिक रूप से कठिन होती है। पहाड़ों में पले-बढ़े होने से एक एथलीट के तौर पर आपके धैर्य, अनुशासन और माइंडसेट पर कितना असर पड़ा?

जवाब : एक एथलीट के तौर पर पहाड़ों में शारीरिक फायदा होता है। अगर हम सहनशक्ति दौड़ की बात करें, तो हम जहां से आते हैं, वहां से हमें थोड़ा फायदा मिलता है। पहाड़ों पर जाना थोड़ा चैलेंजिंग होता है, और वहां बहुत सारी फिजिकल एक्टिविटी की जरूरत होती है। ऐसे में निश्चित रूप से अगर आप वहां रहते हैं तो धैर्य और सहनशक्ति शुरू से ही विकसित होती है। इसके अलावा, ट्रेनिंग के दौरान आपको फायदा होता है क्योंकि आप ऊंचाई पर होते हैं, जो बाद में दूसरी जगहों पर मुकाबला करने में मदद करता है।

सवाल: पहाड़ों में अपनी ट्रेनिंग शुरू करने के बाद क्या अलग-अलग ऊंचाई पर मैराथन दौड़ना शुरू करने से आपके शरीर को लंबी दूरी की दौड़ के लिए अनुकूल करने और विकसित करने में मुश्किलें आईं?जवाब: अगर मैं दूसरी जगहों से तुलना करूं, तो पहाड़ों में ट्रेनिंग करना ज्यादा मुश्किल है। यहां उतनी सुविधाएं नहीं हैं और जब मैंने पहली बार ट्रेनिंग शुरू की थी, तो मेरे जिले में भी ज्यादा सुविधाएं नहीं थीं। मैंने वहां ट्रेनिंग की और नेशनल्स में मेडल जीता। जब मैं बाद में शहर आया और एक्सीलेंस सेंटर्स में ट्रेनिंग की, तो वहां रिकवरी, न्यूट्रिशन की सभी सुविधाओं के साथ बारिश होना काफी आसान था, इसलिए मेरे लिए तब अपनी बॉडी बनाना आसान था।

सवाल: लंबी दूरी की दौड़ को अक्सर एक दूर का खेल बताया जाता है। उन लंबे ट्रेनिंग सेशन के दौरान, जब कोई भीड़ या स्पॉटलाइट नहीं होती, तो आपको दिमागी तौर पर क्या चीज आगे बढ़ाती है?

जवाब: मैराथन के लिए मेरे मन में पहले से ही एक टारगेट होता है कि मुझे अपनी टाइमिंग सुधारनी है और नेशनल रिकॉर्ड तोड़ना है। मैं उस टारगेट को ध्यान में रखता हूं और उसी के हिसाब से ट्रेनिंग करता हूं।

एस्टन विला ने लिवरपूल को 4-2 से हराया, चैंपियंस लीग के लिए पक्का किया क्वालिफिकेशन

बर्मिंघम। एस्टन विला ने शुक्रवार को प्रीमियर लीग में लिवरपूल पर 4-2 से शानदार जीत हासिल करके अगले सीजन के यूईएफए चैंपियंस लीग के लिए क्वालिफिकेशन पक्का कर लिया है। एस्टन विला की तरफ से ओली वॉटकिंस ने शानदार दो गोल किए। इस जीत से एस्टन विला 37 मुकाबलों में 62 पॉइंट के साथ चौथे नंबर पर पहुंच गया है। वहीं, लिवरपूल 59 पॉइंट के साथ पांचवें नंबर पर आ गया और अब क्लब को चैंपियंस लीग में अपनी जगह पक्की करने के लिए एक मुश्किल लड़ाई लड़नी होगी। उनाई एमरी की टीम ने विला पार्क में आक्रामक खेल दिखाया। लिवरपूल ने पहले हाफ में काफी समय तक मैच में कंट्रोल रखा, लेकिन विला ने 42वें मिनट में पहला गोल किया। मॉर्गन रोजर्स के पास पेनल्टी एरिया के बाईं ओर जगह थी और लुकास डिग्ने ने उन्हें पास दिया, और रोजर्स ने आराम से गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। दूसरे हाफ में जल्द ही लिवरपूल ने बराबरी कर ली। मैच के 52वें मिनट में कप्तान वर्जिल वैन डाइक ने डोमिनिक सोबोस्जलाई के फ्री-किक पर हेडर से गोल किया। कुछ देर बाद मेहमान टीम लगभग मैच में वापसी कर ही ली थी।

आईपीएल 2026 : बाउचर ने सीएसके के खिलाफ मार्श की 'मास्टरक्लास' पारी को सराहा

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज मार्क बाउचर ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ खेली गई मिचेल मार्श की 90 रनों की आतिशी पारी को मास्टरक्लास बताया है। उन्होंने कहा कि लखनऊ के इकाना स्टेडियम में हालात पूरी तरह से मार्श के अनुकूल थे।

मार्श ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 38 गेंदों में 90 रनों की दमदार पारी खेली। उन्होंने अपनी इस पारी में 9 चौके और 7 छक्के लगाए। मार्श ने पहले विकेट के लिए जोश इंग्लिस के साथ मिलकर महज 11.4 ओवर में 135 रनों की साझेदारी निभाई, जिसके बूते एलएसजी सीएसके के 188 रनों के लक्ष्य को सिर्फ 16.4 ओवर में चेज करने में सफल रही।

बाउचर ने 'जियोहॉटस्टार' से बात करते हुए कहा, 'यह एक मास्टरक्लास पारी थी। जोश इंग्लिस और मिचेल मार्श दोनों ने कहा कि विकेट ने उन्हें पर्थ की याद दिला दी। कितनी बाउंड्री विकेट के स्क्वेयर पर लगीं? मार्श जानते थे कि गेंदबाज बैक ऑफ लेंथ पर गेंदबाजी करने वाले हैं, क्योंकि पहले एलएसजी के गेंदबाजों के लिए यही काम कर रहा था। वह गति का इस्तेमाल कर रहे थे और जानते हैं कि इन परिस्थितियों में कैसे बैटिंग करनी है।'

साउथ अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज ने सुझाव दिया है कि एलएसजी को अपने घरेलू मैदान पर भी इसी तरह की पिच तैयार करनी चाहिए, क्योंकि इस परिस्थितियों में लखनऊ सुपर जायंट्स बेहतर खेलती है। बाउचर ने कहा, 'इस पिच पर जिस का खेल एलएसजी ने दिखाया, उसे देखते हुए यह एलएसजी का भविष्य है। उन्हें इस तरह की विकेट पर खेलने की जरूरत है। उनके पास तेज गेंदबाज हैं जो ऐसी पिच पर असरदार गेंदबाजी कर सकते हैं। इसके साथ ही उनके पास ऐसे बल्लेबाज भी हैं जो उछाल वाली पिचों पर अच्छा खेलते हैं, जैसे एडेन मार्करम, मिचेल मार्श और जोश इंग्लिस। यह उन्हें अगले सीजन के लिए भी अच्छा बना सकता है।'

चेन्नई सुपर किंग्स ने मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 187 रन लगाए। टीम की ओर से कार्तिक शर्मा ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 42 गेंदों में 71 रनों की दमदार पारी खेली। कार्तिक ने अपनी इस पारी में 6 चौके और 5 छक्के लगाए। वहीं, शिवम दुबे ने 16 गेंदों में 200 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए नाबाद 32 रन बनाए। हालांकि, एलएसजी ने 188 रनों के लक्ष्य को 16.4 ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया।

अनिमेष कुजूर, मोहम्मद अफसल ने सऊदी एथलेटिक्स जीपी 2026 में दर्ज की शानदार जीत

रियाद। अनिमेष कुजूर और मोहम्मद अफसल ने शुक्रवार को रियाद में सऊदी एथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स 2026 में अपने-अपने इवेंट्स में जीत हासिल करके इंटरनेशनल सर्किट पर अपना शानदार फॉर्म जारी रखा।

प्रिंसेस नौराह बिंत अब्दुलरहमान यूनिवर्सिटी स्टेडियम में नेशनल रिकॉर्ड होल्डर अफसल ने पुरुषों की 800 मीटर रेस 1:48.24 समय में पूरा करके शानदार फिनिश किया। भारतीय धावक ने साउथ अफ्रीका के क्रिस्टोफर स्वार्ट को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 1:48.50 में रेस पूरी की। वर्नर गौव्स 1:48.75 के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

पोलौंड में 1:44.93 समय के साथ भारतीय नेशनल रिकॉर्ड बनाने वाले अफसल का इंटरनेशल स्तर पर एक और शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। इससे पहले, वह एशियन गेम्स में 1:48.43 के समय के साथ सिल्वर मेडल अपने नाम कर चुके हैं।सऊदी एथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर में कई देशों के एथलीट शामिल हुए हैं।कुजूर ने देश के सबसे तेज स्प्रिंटिंग टैलेंट के तौर पर अपनी पहचान भी बनाई और पुरुषों की 200 मीटर रेस का टाइटल 20.77 सेकंड में जीता। ग्रेट ब्रिटेन के डेविड हैरिसन (20.87 सेकंड) और टोबी हैरिस (21.01 सेंकड) को 22 साल के कुजूर ने हराया। इससे पहले, कुजूर पुरुषों की 100 मीटर रेस में टॉप के बहुत करीब थे, उन्होंने 10.44 सेकंड का समय निकाला और हैरिसन के बाद दूसरे स्थान पर रहे, जिन्होंने 10.42 सेकंड में रेस जीती थी।

पूर्व भारतीय नेशनल रिकॉर्ड होल्डर गुरिंदरवीर सिंह ने भी 10.44 सेकंड का समय निकाला, लेकिन फोटो फिनिश के बाद उन्हें तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। कुजूर के नाम अभी भारत में दोनों स्प्रिंट इवेंट का नेशनल रिकॉर्ड है। पिछले साल, उन्होंने ग्रीस में 10.18 सेकंड में 100 मीटर का नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा था और बाद में एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 20.32 सेकंड का नया 200 मीटर रिकॉर्ड बनाया।

यह युवा स्प्रिंटर पिछले महीने नई दिल्ली में इंडियन एथलेटिक्स सीरीज में स्प्रिंट डबल पूरा करने के बाद रियाद पहुंचने पर भी शानदार फॉर्म में था।

नेशनल डबल्स स्क्वैश चैंपियनशिप: वेलवन सेंथिलकुमार और जोशना चिनप्पा का दोहरा खिताब

चेन्नई। तीसरी नेशनल डबल्स स्क्वैश चैंपियनशिप में वेलवन सेंथिलकुमार और जोशना चिनप्पा ने शनिवार को 'दोहरी' जीत हासिल की, जिन्होंने अपने-अपने जोड़ीदारों के साथ मिलकर मेंस और विमेंस के डबल्स खिताब जीतने के बाद, एक साथ मिलकर मिक्स्ड डबल्स का खिताब भी अपने नाम किया।

एक तरफ, टॉप सीड वाली जोड़ी अभय और सेंथिलकुमार ने लगातार तीसरे साल मेंस डबल्स का खिताब अपने नाम किया, जिन्होंने फाइनल मुकाबले में दूसरी सीड वाली जोड़ी राहुल बैथा-सूरज कुमार चांद को 11-8, 11-5 से हराया।दूसरी ओर, टॉप सीड सेंथिलकुमार-जोशना की मिक्स्ड डबल्स जोड़ी ने इंडियन स्क्वैश एकेडमी में हुए फाइनल में, दूसरी सीड वाली जोड़ी अभय सिंह-राधिका सीलन को 11-7, 11-9 से मात दी। दिन के पहले मैच में, टॉप सीड जोड़ी जोशना-राधिका ने महिलाओं के डबल्स फाइनल में जेनेट विधि-पूजा आरती को 11-8, 11-4 से शिकस्त दी।इससे पहले शुक्रवार को, पुरुषों के डबल्स के मौजूदा चैंपियन अभय सिंह और वेलवन सेंथिलकुमार ने फाइनल में पहुंचने के लिए शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में रवि दीक्षित और विकास मेहरा पर 11-1, 11-6 की निर्णायक जीत हासिल की थी।इस एकतरफा मैच के दौरान टॉप सीड जोड़ी ने बहुत कम गलतियां कीं, जिन्होंने शुरुआत से ही रैलियों पर अपना नियंत्रण बनाए रखा, और अपने विरोधियों को पस्त करने के लिए तीखे आक्रामक शॉट्स और तेज मूवमेंट का इस्तेमाल किया। फाइनल में उनका मुकाबला दूसरी सीड वाली जोड़ी राहुल बैथा और सूरज कुमार चांद से होगा, जिन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में गुहान सेंथिलकुमार और संदेश पीआर को 11-8, 11-7 से मात दी थी। पुरुषों के डबल्स में अपनी सफलता के साथ-साथ, अभय और सेंथिलकुमार दोनों ही मिक्स्ड डबल्स के खिताब की दौड़ में भी शामिल हैं। टॉप सीड वेलावन सेंथिलकुमार और जोशना चिनप्पा ने एक कड़े सेमीफाइनल मैच में राहुल बैथा और अनिका दुबे को 11-6, 11-9 से हराकर मिक्स्ड डबल्स के फाइनल में जगह बना ली। दूसरे सेमीफाइनल में, अभय सिंह और राधिका सीलन ने सूरज कुमार चंद और निरुपमा दुबे को कड़े मुकाबले में 12-10, 11-7 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई।

393 करोड़ की लागत, 30 हजार की दर्शक क्षमता

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश को तीसरा इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम मिलने जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को गोरखपुर इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम की आधारशिला रखेंगे। 393 करोड़ की लागत से इस स्टेडियम को तैयार किया जाएगा। यह स्टेडियम तमाम सुविधाओं से लैस होगा। आइए आपको बताते हैं कि मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट माने जा रहे इस स्टेडियम में क्या-क्या खास होगा।

गोरखपुर इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम को पूरी तरह से तैयार करने की समय सीमा 23 दिसंबर 2027 रखी गई है। इस स्टेडियम को 46 एकड़ क्षेत्रफल में तैयार किया जाएगा और ग्राउंड की दर्शक क्षमता 30 हजार होगी। स्टेडियम के पूर्वी स्टैंड में 14,490 दर्शकों के बैठने की व्यवस्था रहेगी, तो पश्चिमी स्टैंड में भी 14,490 दर्शक बैठकर मैच का लुत्फ उठा पाएंगे।

स्टेडियम को 'ग्राउंड प्लस टू फ्लोर' के डिजाइन पर विकसित करने की योजना है। मैदान पर कुल 7 प्लेइंग पिच तैयार की जाएंगी जबकि खिलाड़ियों की प्रैक्टिस के लिए चार पिच अलग से होंगी। स्टेडियम के नॉर्थ पवेलियन में 208 वीआईपी लोगों के बैठने की सुविधा होगी जबकि 382 सीटें मीडियाकर्मियों के लिए रखी जाएंगी। साउथ पवेलियन में 1708 वीवीआईपी और वीआईपी के बैठने का खास इंतजाम मौजूद होगा।

अंतरराष्ट्रीय मानकों को ध्यान में रखते हुए रात में होने वाले मुकाबलों के लिए चार हाई मास्ट लाइटें लगाई जाएंगी। माना जा रहा है कि क्रिकेट मैच के अलावा इस स्टेडियम में अन्य खेलों और बड़े सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन भी किए जाएंगे। गोरखपुर इंटरनेशनल स्टेडियम कनेक्टिविटी के लिहाज से भी शानदार होगा। इस स्टेडियम से गोरखपुर एयरपोर्ट 24 किलोमीटर की दूरी पर होगा, तो रेलवे स्टेशन तकरीबन 20 किलोमीटर दूर होगा। यह स्टेडियम गोरखपुर-वाराणसी फोरलेन राजमार्ग से भी जुड़ा हुआ होगा।

उत्तर प्रदेश में यह तीसरा इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम होगा। फिलहाल, कानपुर में ग्रीन पार्क स्टेडियम है जबकि लखनऊ में भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम मौजूद है। इन दोनों ही स्टेडियम में इंटरनेशनल क्रिकेट मैच के साथ-साथ आईपीएल के मैच भी खेले जाते हैं।

गोरखपुर इंटरनेशनल स्टेडियम को तैयार करने के लिए शीर्ष पेट्रोलियम कंपनियां अपने सीएसआर (कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी) फंड से 100 करोड़ रुपये देंगी।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415